Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । मंगलवार, 02 जुलाई, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-6 । अंक-183

बीच सड़क शरीयत के नाम पर हुआ बर्बर और बेशर्म कारनामा

महिला को घसीट घसीट कर पीटा, बेहोश हो गई तो लात मारी

पश्चिम बंगाल में अघोषित तौर पर लागू है इस्लामिक कानून !

संविधान-रक्षक ममता चुप, राहुल चुप, खड़गे चुप, अखिलेश चुप

अशोभनीय और अमानवीय घटना पर चुप बैठी है पूरी संसद

उत्तर दिनाजपुर, 01 जुलाई (एजेंसियां)। ममता बनर्जी के मुस्लिमवाद से पश्चिम बंगाल में इस्लामिक कानून लागू हो गया है। सत्ताधारी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के नेता और कुख्यात अपराधी शाहजहां शेख और उसके गुर्गों द्वारा संदेशखाली में बड़ी तादाद में महिलाओं का उत्पीड़न हाल ही सुर्खियों में रहा है। अब उत्तर दिनाजपुर में खुलेआम एक महिला को सड़क पर घसीट घसीट कर पीटे जाने की बर्बर घटना सामने आई है। महिला के साथ एक युवक को भी बीच सड़क पर भीड़ के बीच डंडों और लात घूंसे से मारा जा रहा है। महिला को तब तक मारा गया जब तक वह बेहोश न हो गई। बेहोश होने पर भी उसे सड़क पर घसीटा गया। आप आश्चर्य करेंगे कि यह आपराधिक कृत्य करने वाला व्यक्ति इस्लामिक शरीयत कानून के

तहत महिला और युवक को सजा दे रहा है और पब्लिक तमाशा देख रही है। वहशी की तरह महिला और युवक को पीटने वाले व्यक्ति का नाम ताजेमुल उर्फ जेसीबी है। वह स्थानीय टीएमसी विधायक हमीदुल रहमान का खास चमचा है। एक महिला के साथ हुई इस दर्दनाक घटना पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुप हैं। लड़की हूं, लड़ सकती हूं... का डायलॉग मारने वाली प्रियंका गांधी चुप हैं। मोहब्बत की दुकान के बाद अब संविधान की रक्षा की दुकान चलाने लगे राहुल गांधी चुप हैं। राहुल के पिछलग्गू अखिलेश यादव चुप हैं। इंडी के सारे भिंडी चुप हैं।

बंगाल पुलिस का कहना है कि महिला को पीटने वाले ताजेमुल को गिरफ्तार कर लिया गया है। लेकिन थाने में घुसते ताजेमुल को देखें तो आपको पुलिस और ताजेमुल की औकात का फर्क साफ-साफ दिखेगा। पुलिस उस महिला पर ज्यादा नाराज है, जिस महिला ने इस घटना का वीडियो वायरल किया। उस महिला का नाम रश्मि सामंत है। वह ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की पूर्व अध्यक्ष हैं। रश्मि सामंत के वीडियो को ही भारतीय जनता पार्टी के नेता और आईटी सेल के मुखिया अमित मालवीय ने उठाया और उसे शासन और प्रशासन के स्तर पर प्रसारित किया।

▶10 पर

पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर में हुई यह घटना एक महिला के साथ महज मारपीट का मसला नहीं है। यह भारतीय संविधान को क्षत-विक्षत करने का मामला है। यह घटना संसद को दी गई सीधी चुनौती है। देश में विधि द्वारा स्थापित भारतीय संविधान का शासन चलेगा या अब यहां बर्बर इस्लामिक आचार-विचार चलेंगे? देश के नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं। घटना की वीडियो का लिंक हम यहां दे रहे हैं। अगर पश्चिम बंगाल पुलिस के दबाव में वह लिंक अब तक न हटा हो तो आप राज्य की शर्मनाक स्थिति अपनी आंखों से देख सकते हैं... https://x.com/amitmalviya/status/1807341290520289486

लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी का बयान

जो खुद को हिंदू कहते हैं वही हिंसा करते हैं

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। लोकसभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि जो लोग खुद को हिंदू कहते हैं, वही हिंसा करते हैं। राहुल गांधी के इस बयान पर संसद में जबरदस्त हंगामा हुआ। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहुल के भाषण के बीच उन्हें टोका और कहा कि पूरे हिंदू समुदाय को हिंसा से जोड़ना ठीक नहीं है। यह आपत्तिजनक है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि राहुल गांधी को इस बयान के लिए माफी मांगनी होगी।

राहुल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग अपने आप को हिंदू कहते हैं, वह 24 घंटे हिंसा हिंसा करते रहते हैं। ये हिंदू हैं ही नहीं। आप हिंदू हो ही नहीं। हिंदू धर्म में साफ लिखा है कि अहिंसा फैलाना चाहिए। पीएम मोदी ने इस दौरान बीच में ही उठकर राहुल गांधी को रोका और कहा कि यह बात बहुत गंभीर है। पूरे हिंदू समुदाय को हिंसक कहना गंभीर विषय है। इस पर राहुल ने जवाब दिया कि मैंने भाजपा को हिंसक कहा, नरेंद्र मोदी पूरा हिंदू समाज नहीं है। भाजपा पूरा हिंदू समाज नहीं है। आरएसएस पूरा हिंदू समाज नहीं है।

हिंदू समुदाय को हिंसक कहना आपत्तिजनक: मोदी

राहुल गांधी को हिंदुओं से माफी मांगनी होगी: शाह

राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए अमित शाह ने कहा, शोरशराबा कर के इतने ▶10 पर

अपरिपक्क बुद्धि का व्यक्ति ऐसा बयान देता है : योगी

लखनऊ, 01 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के हिंदुओं को लेकर दिये गये आपत्तिजनक बयान की कड़ी निंदा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी ने अपने निंदनीय बयान से भारत माता की आत्मा को लहुलुहान किया है, इसके लिए उन्हें दुनियाभर में फैले करोड़ों हिंदुओं से माफी मांगनी चाहिए।

सीएम योगी ने कहा, हम यह समझते थे नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी परिपक्क होंगे, मगर खेद है कि उनका बयान अभी बचकाने से उभर नहीं पाया है। एक अपरिपक्क बुद्धि का व्यक्ति ही इस प्रकार का बयान देगा। हिंदू भारत का मूल समाज है, भारत की आत्मा है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था, गर्व से कहो हम हिंदू हैं। हिंदू कोई जाति सूचक या सम्प्रदाय सूचक शब्द नहीं है। मत और पंथ से अलग भारत की मूल आत्मा है। ▶10 पर

अयोध्या में मुआवजे को लेकर राहुल ने संसद में झूठ बोला

अयोध्या में बंटा 1733 करोड़ का मुआवजा

योगी आदित्यनाथ ने राहुल को ललकारा, रख दिया ब्यौरा

राहुल का झूठा बयान अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक: योगी

लखनऊ, 01 जुलाई (एजेंसियां)। संसद में अयोध्या में विस्थापितों को दिए गए मुआवजे को लेकर राहुल गांधी द्वारा संसद में की गई गलत बयानी पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करारा पलटवार किया है। सीएम योगी ने कहा कि राहुल का बयान यूपी और अयोध्या को बदनाम करने के लिए दिया गया है। सदन में दिया गया राहुल का झूठा बयान अत्यंत ही निंदनीय और शर्मनाक है। उन्होंने बताया कि अयोध्या में विभिन्न विकास कार्यों के दौरान विस्थापित हुए लोगों को 1733 करोड़ रुपए की धनराशि मुआवजे के तौर पर प्रदान की गई है। योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या मुआवजे का पूरा ब्यौरा सामने रख कर राहुल गांधी के आदतन झूठ बोलने के ▶10 पर

अयोध्या में कितना और किसे दिया गया मुआवजा

- अयोध्या एयरपोर्ट के लिए 952.39 करोड़ का मुआवजा
- अयोध्या बाईपास (रिंग रोड) के लिए 295 करोड़ का मुआवजा
- राम जन्मभूमि पथ में 14.12 करोड़ रुपए का मुआवजा
- भक्ति पथ के लिए 23.66 करोड़ का मुआवजा
- रामपथ के लिए 114.69 करोड़ का मुआवजा
- पंचकोसी परिक्रमा मार्ग के लिए 29 करोड़ का मुआवजा
- चौदहकोसी परिक्रमा मार्ग के लिए 119.20 करोड़ का मुआवजा
- रेलवे दोहरीकरण के निर्माण के लिए 35.03 लाख का मुआवजा
- एनएच 330ए के निर्माण के लिए 163.90 करोड़ का मुआवजा
- एनएच 227बी के पैकेज 3 के तहत 21.09 करोड़ का मुआवजा
- अबतक कुल 21,548 व्यक्तियों को मुआवजा दिया जा चुका है
- मुआवजे के साथ-साथ दुकानों का सौंदर्यीकरण भी कराया गया
- अयोध्या में 21,548 व्यक्तियों को दिया गया मुआवजा
- राम जन्मभूमि के विस्थापितों को 14.12 करोड़ मुआवजा

झारखंड के सीमाई इलाकों में बढ़े बांग्लादेशी घुसपैठियों के वोट

छानबीन करेगा भारतीय चुनाव आयोग

रांची, 01 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिम बंगाल के सीमाई इलाकों में बेतहाशा वोट वृद्धि की शिकायत मिली है। यह सामने आया है कि एक बूथ पर मतदाताओं की संख्या में 100 प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी हुई है, जो असामान्य है। इसको लेकर राज्य चुनाव आयोग अब जांच करवाने जा रहा है। इन बूथ पर बांग्लादेशी घुसपैठियों के नाम जुड़ने का शक है। चुनाव आयोग जल्द ही एक टीम साहेबगंज जिले की राजमहल विधानसभा क्षेत्र में भेजने जा रहा है। यह टीम यहां वोटों की संख्या में वृद्धि की जांच करेगी। राजमहल विधानसभा का बड़ा इलाका पश्चिम बंगाल की सीमा से सटा हुआ है। यहां एक बूथ पर तो वोट 2019 के मुकाबले दोगुने हो गए हैं। राजमहल प्रखंड बूथ पर 117 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है। 2019 में इस बूथ पर मतदाताओं की संख्या 689 थी जो 2024 में बढ़ कर 1400 के पार पहुँच गई है। ▶10 पर

भारत में सजा के बजाय न्याय देने वाला कानून लागू

पुराना कानून विदा, नया कानून आया

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम तीन नए आपराधिक कानून आज से देश में लागू हो गए। भारतीय न्याय संहिता ने अब आईपीसी (इंडियन पीनल कोड) की जगह ले ली है। सीआरपीसी (क्रिमिनल प्रोसीड्योर कोड) अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के नाम से जानी जाएगी। आईईसी (इंडियन एविडेंस एक्ट-1872) अब भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 के नाम से

आईपीसी, सीआरपीसी, आईईसी का भारतीयकरण हुआ

व्यवहारिक कठिनाइयों पर पुलिस ने उठाए कई सवाल

जाना जाएगा। भारतीय दंड संहिता में 511 धाराएं थीं, लेकिन भारतीय न्याय संहिता में धाराएं 358 रह गई हैं। संशोधन के जरिए इसमें 20 नए अपराध शामिल किए गए हैं, तो 33 अपराधों में सजा अवधि बढ़ाई गई है। 83 अपराधों में जुर्माने की रकम भी बढ़ाई गई है। 23 अपराधों में अनिवार्य न्यूनतम सजा का प्रावधान है। छह अपराधों में सामुदायिक सेवा की सजा का प्रावधान किया गया है।भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 12 दिसंबर 2023 को केंद्र सरकार ने लोकसभा में तीन संशोधित आपराधिक विधियकों के रूप में पेश किया था। ▶10 पर

भारतीय न्याय संहिता के तहत पहला मामला दर्ज

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)। देशभर में आज से लागू हो चुके नए कानून के तहत दिल्ली में पहला मामला दर्ज कर लिया गया है। मामला दिल्ली के कमला मार्केट थाना इलाके में दर्ज हुआ है। जिसमें खुद पुलिस थाने के सब इंस्पेक्टर ने आरोपी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। दर्ज मामले के मुताबिक, उप निरीक्षक कार्तिक मीणा ने यह शिकायत दर्ज कराई है। बताया जा रहा है कि उप निरीक्षक इलाके में गश्त कर रहे थे, तब वह नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के फुट ब्रिज के पास डीलक्स शौचालय के नजदीक पहुंचे। यहां पर एक शख्स अपनी रेहड़ी लगाकर आम रास्ते पर पानी, बिड़ी और सिगरेट बेच रहा था। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 24^0

टाटा समूह ने बंद किया टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस का फंड

भारत विरोधी एजेंडा चलाने पर सौ से अधिक बर्खास्त

मुंबई, 01 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रद्रोही वामपंथियों का अड्डा बनते जा रहे टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल साइंस से सौ से अधिक कर्मचारी निकाल दिए गए। बताया जा रहा है कि इन कर्मचारियों को फंड की कमी के कारण नौकरी से बाहर किया गया है। लेकिन यह पर्दे के ऊपर वाला सच है। पर्दे के अंदर वाला सच यह है कि टाटा समूह ने टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस का फंड बंद कर दिया है। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस कई गंभीर विवादों में घिर गया है। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस में पढ़ने वाले छात्रों पर राजद्रोह के मुकदमे में बंद शरजील इमाम के समर्थन में नारे लगाने के आरोप लग चुके हैं। इंस्टीट्यूट में कश्मीर की आजादी को लेकर पोस्टर भी लगाए जाते थे।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस ने राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के कारण 55 शिक्षकों और 60 दूसरे स्टाफ को नौकरी से निकाल दिया है। यह कार्रवाई शुक्रवार 28 जून 2024) को हुई। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस ने

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के छात्र बने थे आतंकवादी : एनआईए

लगाए जाते थे कश्मीर की आजादी और राष्ट्रद्रोहियों के समर्थन वाले नारे

हैदराबाद से 15, मुंबई से 20, गुवाहाटी से 14, तुलजापुर से 6 निष्कासित

अपने मुंबई कैम्पस से 20, हैदराबाद कैम्पस से 15, गुवाहाटी कैम्पस से 14 और तुलजापुर कैम्पस से 6 लोगों को निकाला है। इन लोगों को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस की तरफ से भेजे गए इमेल में निष्कासन का कारण टाटा एजुकेशन ट्रस्ट से पैसा न मिलना बताया गया है। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस प्रशासन ने मीडिया को बताया है कि उसने कई बार टाटा एजुकेशन ट्रस्ट को पैसे भेजने की मांग की, लेकिन इस पर कोई जवाब नहीं मिला। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस से निकाले गए यह सभी कर्मचारी संविदा पर थे। इनमें से कुछ 10 साल से अधिक समय से यहां काम कर रहे थे। निकाले गए कर्मचारियों ने कहा है कि उनका टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के साथ काम करने का अनुबंध मई महीने में खत्म हो गया लेकिन वह फिर भी इस उम्मीद में काम करते रहे कि उन्हें आगे भी काम पर रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि उनका अनुबंध नवीनीकृत नहीं किया गया है, ▶10 पर

TIBCON CAPACITORS
It's all about SAVING ENERGY AND MONEY
GARG
Garg Power Products Pvt. Ltd.
Cell: -91 99 12 4444 26
-91 99 48 1234 59

भारतीय मूल के डॉ. संपत फिर चुने गए रिपब्लिकन पार्टी के प्रतिनिधि, राष्ट्रपति चुनाव में होगी अहम भूमिका

वॉशिंगटन, 01 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में भारतीय मूल के डॉ. संपत शिवांगी को एक बार फिर रिपब्लिकन पार्टी का प्रतिनिधि चुना गया है। उन्हें जुलाई में मिल्वौकी में होने वाले रिपब्लिकन नेशनल कन्वेन्शन के लिए के लिए प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। बता दें कि इस सम्मेलन में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव के लिए औपचारिक रूप से नामित किया जाएगा।

जुलाई में इस दिन होगा आरएनसी - 78 वर्षीय ट्रंप राष्ट्रपति चुनाव के लिए रिपब्लिकन पार्टी की ओर से मैदान में हैं। भारतीय मूल के अमेरिकी समुदाय के प्रभावशाली नेता डॉ. शिवांगी को छठी बार सम्मेलन में राष्ट्रीय प्रतिनिधि चुना गया है। उन्होंने कहा, खबर साझा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। यह मेरे लिए सम्मान की बात है कि मुझे 13 जुलाई से 19 जुलाई तक मिल्वौकी में होने वाले आगामी रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में एक आधिकारिक प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। विस्कोन्सिन के मिल्वौकी में चार दिवसीय रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन (आरएनसी) पांच नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप को पार्टी का उम्मीदवार घोषित करेगा। नामांकन प्रक्रिया देश भर से रिपब्लिकन प्रतिनिधियों द्वारा पूरी की जाएगी। बता दें, रिपब्लिकन पार्टी की आजीवन सदस्य और रिपब्लिकन इंडियन काउंसिल व रिपब्लिकन इंडियन नेशनल काउंसिल की संस्थापक सदस्य डॉ. शिवांगी को लगातार छह बार आरएनसी प्रतिनिधि के रूप में चुना गया है। उन्होंने कहा, यह छठी बार होगा जब मैं रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में राष्ट्रीय प्रतिनिधि के रूप में काम करूंगा, ताकि राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार को नामित कर सकूं।

इससे पहले भी चुने गए रिपब्लिकन के प्रतिनिधि - भारतीय-अमेरिकी डॉ. संपत को पहली बार 2004 में न्यूयॉर्क शहर में रिपब्लिकन सम्मेलन में एक प्रतिनिधि के रूप में राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश को नामित करने के लिए चुना गया था। 2008 में, उन्हें जॉन मैककेन और 2012 में टाम्पा में मिट रोमनी को नामित करने के लिए मिनियापोलिस में एक रिपब्लिकन प्रतिनिधि के रूप में चुना गया था। अब फिर से मिल्वौकी में 2024 में डोनाल्ड ट्रंप को नामित करने के लिए उन्हें चुना गया है। उन्होंने कहा, ट्रंप को दोबारा नामित करने और अगले चार वर्ष के लिए दोबारा निर्वाचित करने के लिहाज से इस ऐतिहासिक सम्मेलन का हिस्सा बनना बेहद सम्मान की बात है।

न्यूज़ ब्रीफ

विदेश में पढ़ाई के सपनों को झटका ऑस्ट्रेलिया में वीजा के लिए करना होगा दोगुना खर्च

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया जाकर पढ़ाई करना चाह रहे हैं, तो जरा ठहरिए। क्योंकि अब ये उतना आसान नहीं रहा जितना हुआ करता था। यहां छात्र वीजा के नियमों में बड़ा बदलाव किया है। छात्रों को पढ़ाई के लिए अब खर्च ज्यादा करना होगा। दरअसल, यहां अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए वीजा शुल्क को दोगुने से भी अधिक कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने यह कदम रिकॉर्ड प्रवासन पर लगाम लगाने के लिए उठाया है। यह किया बदलाव अंतरराष्ट्रीय छात्र वीजा शुल्क एक जुलाई से बढ़ गया है। अब यह शुल्क 710 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी 39,493.11 रुपये से बढ़कर 1600 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर यानी 88,998.56 रुपये हो गया है। वहीं विजिटर वीजा वाले और अस्थायी स्नातक वीजा वाले छात्र अब छात्र वीजा के लिए आवेदन नहीं कर सकेंगे। आवेदन करने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। लागू होगा गृह मंत्री क्लेयर ओ नील ने कहा, लागू होने वाले बदलावों से हमारी अंतरराष्ट्रीय शिक्षा प्रणाली की अखंडता को बहाल करने में मदद मिलेगी। साथ ही एक प्रवासन प्रणाली तैयार होगी जो निष्पक्ष, छोटी और ऑस्ट्रेलिया के लिए बेहतर है। मार्च में जारी आधिकारिक आंकड़ों से पता चला है कि 30 सितंबर, 2023 तक आव्रजन 60 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 548,800 हो गया है। वीजा शुल्क में वृद्धि किए जाने की वजह से अब ऑस्ट्रेलिया में छात्र वीजा के लिए आवेदन करना अमेरिका और कनाडा की तुलना में कहीं अधिक मंहगा हो गया है। अमेरिका से भी महंगा शुल्क में वृद्धि के कारण ऑस्ट्रेलिया के लिए छात्र वीज़ा के लिए आवेदन करना, अमेरिका और कनाडा जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में कहीं अधिक महंगा हो गया है। अमेरिका में जहां इसके लिए 185 अमेरिकी डॉलर यानी 15,440.14 रुपये देने होते हैं। वहीं कनाडा में 150 कनाडाई डॉलर यानी 9,156.36 रुपये का शुल्क देना पड़ता है। सरकार ने कहा कि वह वीजा नियमों में खामियों को भी दूर कर रही है, जो विदेशी छात्रों को ऑस्ट्रेलिया में अपने प्रवास को लगातार बढ़ाने की अनुमति देते हैं, क्योंकि 2022-23 में दूसरे या बाद के छात्र वीजा पर छात्रों की संख्या 30 फीसदी से अधिक बढ़कर 150,000 से अधिक हो गई है।

नस्लीय टिप्पणी पर पीएम सुनक ने रिफॉर्म यूके पार्टी को घेरा, बोले- ये उनकी विचारधारा को बताता है

लंदन। ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने निगेल फरेज की दक्षिणपंथी रिफॉर्म यूके पार्टी के एक समर्थक की तरफ से उन पर किए गए नस्लीय टिप्पणी के बाद गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल एक समाचार चैनल ने रिफॉर्म यूके पार्टी एक समर्थक की रिकॉर्डिंग को प्रसारित किया था, जिसमें वो दक्षिण एशियाई मूल के लोगों के लिए अपमानजनक शब्द पाकी का इस्तेमाल कर रहा था। ये रिफॉर्म यूके पार्टी की संस्कृति को दर्शाता है वहीं अपने चुनाव अभियान के दौरान इस पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री सुनक ने मीडिया से कहा, कि इससे दुख होता है और मुझे गुस्सा आता है। ऐसी टिप्पणी मेरी दोनों बेटियों कृष्णा और अनुष्का के सामने की गई है, मैं उस टिप्पणी को दोहरा भी नहीं सकता। पीएम सुनक ने आगे कहा, कि जब आप रिफॉर्म उम्मीदवारों और प्रचारकों को नस्लवादी और स्त्री-द्वेषी भाषा और बिना किसी चुनौती के विचारों का इस्तेमाल करते हुए देखते हैं, तो मुझे लगता है कि यह आपको रिफॉर्म पार्टी के भीतर की संस्कृति के बारे में बताता है।

दोहा में विदेश मंत्री जयशंकर और पीएम अल थानी की मुलाकात, द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर बातचीत

दोहा । व्यापार, निवेध और ऊर्जा जैसे अहम क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने को लेकर भारत कतर के साथ बातचीत करेगा। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर एक दिवसीय यात्रा पर कतर की राजधानी दोहा पहुंच चुके हैं। जयशंकर कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बातचीत करेंगे। बता दें कि कतर के प्रधानमंत्री विदेश मंत्रालय का कार्यभार भी संभाल रहे हैं। दोहा पहुंचने के बाद कतर के चीफ ऑफ प्रोटोकॉल महामहिम श्री इब्राहिम फखरू ने हवाई अड्डे पर डॉ जयशंकर का स्वागत किया। व्यापार, निवेश, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी समेत कई अन्य क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि दोहा में कतर के प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम अल थानी से मुलाकात के दौरान व्यापार, निवेश, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी समेत कई अन्य क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की।

दक्षिण चीन सागर पर कम नहीं हो रहा तनाव, चीन ने फिलीपींस तट पर तैनात किया विमानवाहक पोत

बीजिंग, 01 जुलई (एजेंसियां) ।

दक्षिण चीन सागर पर तनाव का माहौल है, इसी बीच चीन ने अपना दूसरा विमानवाहक पोत शांडोंग भी तैनात कर दिया। यह शांडोंग फिलीपीन तट के पास पानी में गश्त करते हुए देखा गया है। वहीं फिलीपींस की ओर से भी दक्षिण चीन सागर को लेकर चीन का विरोध करना शुरू कर दिया है।

पिछले कुछ महीनों में चीन और फिलीपींस की नौसेनाओं और तट रक्षकों के बीच टकराव चल रहा था। क्योंकि अमेरिका द्वारा समर्थित फिलीपींस ने चीन द्वारा दावा किए गए दक्षिण चीन सागर में द्वितीय थॉमस शोल पर अपने दावों को साबित करने का अथक प्रयास किया था। चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है। इस पर फिलीपींस, मलेशिया, वियतनाम, ब्रूनेई और ताइवान के बीच तीखी बहस है। चीन का आरोप है कि फिलीपींस ने 1999 में जानबूझकर दूसरे थॉमस शोल में एक नौसैनिक जहाज को फंसा दिया था। चीन का दावा था कि क्षतिग्रस्त जहाज को नौसैनिक कर्मियों द्वारा संचालित एक स्थायी प्रतिष्ठान में बदल दिया। संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के एक न्यायाधिकरण द्वारा 2016 के फैसला लिया गया। इसके आधार पर दक्षिण चीन सागर पर अपने दावों को पुख्ता करने की कोशिश में लगा है। हालांकि, चीन ने न्यायाधिकरण का बहिष्कार किया। लेकिन न्यायाधिकरण के निष्कर्षों को खारिज कर दिया और अपने दावों पर जोरदार तरीके से जोर दिया।

वहीं दूसरी ओर चीन ने पिछले महीने एक नया कानून लागू किया। इस नए कानून के तहत उसके तट रक्षक को चीन के जलक्षेत्र में अवैध रूप से प्रवेश करने वाले विदेशी जहाजों को जब्त करने और 60 दिनों तक विदेशी चालक दल को हिरासत में रखने का अधिकार दिया गया। यह कानून के तहत चीन के तट रक्षक को यह अधिकार भी है कि वह जरूरत पड़ने पर विदेशी जहाजों पर गोली चला सकता है। अमेरिका ने मनीला के दावों के समर्थन में अपनी ताकत दिखाने के लिए फिलीपींस में मध्यम दूरी की टाइफॉन मिसाइल प्रणाली तैनात की है।

अब हाल में चीन ने अपना दूसरा विमानवाहक पोत शांडोंग तैनात किया है। जो फिलीपीन तट के पास पानी में गश्त करते नजर आया। लगभग 70,000 टन विस्थापन वाला विमानवाहक पोत शांडोंग, फिलीपींस के पानी में गश्त करते नजर आया। चीनी विशेषज्ञों के अनुसार विमानवाहक पोत संभवत: एक निर्धारित अभ्यास पर है, जो इसे पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में संभावित दूर की समुद्री यात्रा के लिए भी तैयार कर सकता है।

बता दें कि शांडोंग की तैनाती पीपुल्स लिबरेशन आर्मी द्वारा बड़े और मध्यम विध्वंसक सहित प्रमुख सतही लड़ाकू जहाजों के साथ-साथ मुख्य उभयचर लैंडिंग जहाज को दक्षिण चीन सागर में तैनात करने के बाद की गई है। इसका कारण यह है कि फिलीपींस के साथ समुद्री क्षेत्रीय संघर्ष बढ़ गया था।

वहीं शंघाई यूनिवर्सिटी ऑफ पॉलिटिकल साइंस एंड लॉ में राजनीति विज्ञान विभाग में रक्षा प्रोफेसर नी लेक्सियोंग को हांगकांग स्थित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में कहा कि शांडोंग का रास्ता मनीला और वाशिंगटन के लिए एक निवारक के रूप में था। मनीला स्थित थिंक टैंक इंटरनेशनल डेवलपमेंट एंड सिक्योरिटी कोऑपरेशन के अध्यक्ष और संस्थापक चेस्टर कैबल्ज़ा ने कहा कि वाहक की गश्त बीजिंग द्वारा प्रदर्शनकारी राजनीति का एक उदाहरण है। यदि ऐसा फिर से होता है तो इसका अर्थ होगा कि उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा पर लाल झंडा है। उन्होंने कहा, जब हम भारी सैन्य बल देखते हैं, तो इसका अर्थ है कि बीजिंग युद्ध की तैयारी कर रहा है।

विवादित दक्षिण चीन सागर में अपने दावों को पुष्ट करने के लिए चीन-फिलीपींस टकराव ने पिछले महीने हिंसक रूप ले लिया। यह तब हुआ जब बीजिंग द्वारा विदेशी जहाजों के खिलाफ कार्रवाई करने और चीनी जल में उल्लंघन करने के संदिग्ध विदेशियों को हिरासत में लेने के लिए नए नियम जारी करने के बाद पहली बार उनके नौसैनिक जहाजों में टक्कर हुई। वहीं कुछ सप्ताह पहले फिलीपींस द्वारा दावा किए गए दक्षिण चीन सागर के द्वितीय थॉमस शोल के पास फिलीपींस के नौसैनिक जहाज और एक चीनी जहाज में टक्कर हो गई थी। बता दें कि फिलीपींस ने भारत की ब्रह्मोस मिसाइलों का भी आयात किया है। चीन के पास वर्तमान में दो विमानवाहक पोत हैं, पहला लियाओनिंग, जो सोवियत युग के जहाज का एक रिफिट था। दूसरा शांडोंग, जो 2019 में कमीशन किया गया, एक स्वदेशी रूप से निर्मित दूसरा विमानवाहक पोत है। चीन का तीसरा विमानवाहक पोत फुज़ियान, जो 80,000 के विस्थापन के साथ दो वाहकों से बड़ा है, वर्तमान में परीक्षण के दौर से गुजर रहा है।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ का आरोप सीमा पर आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रहा अफगान तालिबान

इस्लामाबाद, 01 जुलई (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने अफगानिस्तान में तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा कि बार-बार अनुरोध के बावजूद तालिबान सरकार पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा पर आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। आसिफ ने कहा, पाकिस्तान ने आतंकवादियों को पश्चिमी सीमा की ओर भेजने के लिए 10 अरब रुपये देने की पेशकश की थी और अफगान सरकार से सहयोग की उम्मीद की थी। लेकिन अफगान सरकार आतंकवादियो के खिलाफ कार्रवाई करने को तैयार नहीं थी। पाकिस्तान ने बार-बार अफगानिस्तान की सरकार से कहा है कि वह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अन्य आतंकवादी समूहों को अपनी धरती का इस्तेमाल न करने दे।

हालांकि, काबुल भी बार-बार इस दावे को खारिज करता रहा है कि पाकिस्तान के खिलाफ उसकी जमीन का इस्तेमाल हो रहा है। आसिफ ने कहा कि सरकार ने पश्चिमी सीमा क्षेत्रों में आतंकवादियों को स्थानांतरित करने के लिए 10 अरब रुपये की पेशकश की थी। लेकिन उसे डर था कि आतंकवादी वहां से भी पाकिस्तानी की सीमा में लौट सकते हैं। पिछले हफ्ते वॉयस ऑफ अमेरिका को दिए इंटरव्य में आसिफ ने कहा था कि सैन्य अभियान अज्म-ए-इस्तेकाम के तहत पाकिस्तान सीमा पार अफगानिस्तान में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बना सकता है।

उन्होंने टीटीपी के साथ बातचीत की संभावना को भी खारिज कर दिया था। इस साल मार्च में पाकिस्तानी वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने अफगानिस्तान के अंदर खोस्त और पक्तिका के सीमावर्ती क्षेत्रों में आतंकवादियों के खिलाफ हवाई हमले किए थे। इन हवाई हमलों के तुरंत बाद आसिफ ने कहा था कि पाकिस्तान अफगानिस्तान की तालिबान सरकार को बताना चाहता है कि हम पाकिस्तान में इस तरह के आतंकवादी हमलों जारी नहीं रहने दे सकते। इस्लामाबाद ने यह कार्रवाई तब की थी जब पाकिस्तानी बलों पर एक घातक आतंकी हमला हुआ।

संपत्ति विवाद में महिला और बेटी को कमरे में बंद किया फिर दीवार बनाकर कर बाहर आने का रास्ता किया सील

इस्लामाबाद, 01 जुलई (एजेंसियां) ।

महिला ने सुहैल पर लगातार उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। इसके अलावा उसने बताया कि आरोपी के उसके घर से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज भी है।

पाकिस्तान में सिंध प्रांत के हैदराबाद में एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना सामने आई है। संपत्ति विवाद मामले में एक महिला और उसकी बेटी को उसके परिजनों ने पहले एक कमरे में कैद कर लिया और फिर उस कमरे के बाहर दीवार बनाकर उसे पूरी तरह से सील कर दिया। हालांकि, पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ितों को बचा लिया।

कमरे के बाद दीवार बनाकर महिला को किया कैद

यह घटना लतीफाबाद नंबर-5 इलाके की है, जहां पुलिस और कुछ पड़ोसियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दीवार को तोड़कर पीड़ितों को बचाया। पीड़ित महिला ने बताया कि उसके जीजा अपने बेटों के साथ मिलकर उसे एक कमरे में बंद कर दिया था। बाद में उन लोगों ने कमरे को बाहर से एक दीवार बनाकर हमेशा के

लिए बंद कर दिया। आरोपी की पहचान सुहैल के तौर पर की गई है। महिला ने सुहैल पर लगातार उत्पीड़न करने का आरोप लगाया। इसके अलावा उसने बताया कि आरोपी के उसके घर से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज भी है। कानून प्रवर्तन ने आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज किया। उन्होंने जिम्मेदार लोगों को पकड़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता का आश्वासन भी दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) डॉ. फारुख लिंजर ने जनता को आश्वासन दिया कि ऐसे जघन्य कृत्य को अंजाम देने वालों कोजवाबदेह ठहराने के लिए कानूनी कार्रवाई चल रही है।

पूर्व राष्ट्रपति पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट सुना सकती है फैसला, 34 संगीन आरोपों में दोषी हैं ट्रंप

वॉशिंगटन,01 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट बहुप्रतीक्षित फैसले पर फैसला सुनाएगी। जिसे सदियों के लिए फैसले का नाम दिया गया है। जिसमें ये तय होगा कि क्या पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अभियोजन से मुक्त हैं बता दें कि 30 मई को ट्रंप को 34 मामलों में दोषी पाया था। भले ही फैसले में ट्रंप के इस दावे को खारिज करने की संभावना हो कि उन्हें अभियोजन से पूर्ण प्रतिरक्षा है। लेकिन यह निर्णय इस बात में महत्वपूर्ण होगा कि क्या 2020 के चुनाव में उनकी हार को पलटने की साजिश रचने के लिए उनका मुकदमा इस साल के चुनाव से पहले आगे बढ़ सकता है, जिसमें वे रिपब्लिकन उम्मीदवार हैं।

ट्रंप के नियुक्त जजों का बयान

वहीं डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से नियुक्त किए गए रूढ़िवादी न्यायाधीश नील गोरसच ने अप्रैल में दलीलें सुनने के दौरान कहा था कि, हम सदियों के लिए एक नियम लिख रहे हैं। वहीं एक अन्य न्यायाधीश ब्रेट कैवनघ ने कहा, इस मामले का राष्ट्रपति पद, राष्ट्रपति पद के भविष्य और देश के

भविष्य पर बहुत बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

सुनवाई में पहले ही हो चुकी है देरी

बता दें कि मामले में ट्रंप की मूल सुनवाई की तारीख 4 मार्च थी, जो राष्ट्रपति जो बाइडन के साथ नवंबर में होने वाले उनके चुनावी मुकाबले से काफी पहले थी। लेकिन सुप्रीम कोर्ट, जिसमें डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से अपने कार्यकाल के दौरान नियुक्त किए गए तीन लोगों समेत रूढ़िवादियों का वर्चस्व है, ने फरवरी में राष्ट्रपति पद की प्रतिरक्षा के लिए उनकी दलील सुनने पर सहमति जताई और मामले को अप्रैल में विचार किए जाने तक के लिए रोक दिया। जिसका साफ मतलब है कि मामले में सुनवाई पहले ही काफी देर हो चुकी है।

चार आपराधिक मामलों का सामना कर रहे ट्रंप

हालांकि अदालत की तरफ से यह फैसला सुनाए जाने की संभावना नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप को पूरी तरह से अभियोजन से प्रतिरक्षा प्राप्त है। अप्रैल में हुई बहस के दौरान, न्यायाधीश उनके दावों पर काफी हद तक संशय में दिखे, कुछ ने सवाल उठाया कि क्या इसका मतलब यह है कि राष्ट्रपति बिना किसी रोक-टोक के अपराध कर सकते हैं। चार आपराधिक मामलों का सामना कर रहे ट्रंप कम से कम चुनाव के बाद तक मुकदमों को टालने के लिए अपनी शक्ति में सब कुछ कर रहे हैं। आशंका जताई जा रही है अगर ट्रंप फिर से चुने जाते हैं, तो जनवरी 2025 में राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद, उनके खिलाफ संघीय मुकदमों को बंद करने का आदेश दे सकते हैं।

हिंदुओं के खिलाफ हो रहे हमले के खिलाफ एकजुट हुए अमेरिकी सांसद, बोले- किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे

वॉशिंगटन, 01 जुलई (एजेंसियां) ।

अमेरिका में आजकल हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा है। इसी मसले को लेकर अब यहां के सांसद बचाव में उतर आए हैं। उन्होंने यहां बढ़ते हिंदूफोबिया और अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ हो रहे भेदभाव का विरोध जताने के लिए भारतीय अमेरिकियों को अपना समर्थन देने का संकल्प लिया है।

तीसरी बार मनाया गया राष्ट्रीय हिंदू वकालत दिवस

उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन (सीओएचएनए) ने 28 जून को तीसरी बार राष्ट्रीय हिंदू वकालत दिवस मनाया। इस दौरान कई हिंदू छात्रों, शोधकर्ताओं और सामुदायिक नेताओं ने भाग लिया और अमेरिका में रहने वाले हिंदुओं के सामने आने वाली चिंताओं पर चर्चा की।

हिंदूफोबिया और मंदिरों पर हमलों की निंदा

सांसद थानेदार ने यहां दिनभर चली वकालत में कहा, हम यहां हैं और हम लड़ाई

लड़ रहे हैं। हाउस रेजोल्यूशन 1131 पेश करने वाले डेमोक्रेट थानेदार ने कहा कि आप सभी की जो आवाज है, वही संसद में हिंदू समुदाय की आवाज है। इसके साथ ही उन्होंने हिंदू अमेरिकी समुदाय के योगदान का जश्न मनाते हुए हिंदूफोबिया और मंदिरों पर हमलों की निंदा की है।

उन्होंने कहा कि वह हिंदूफोबिया, भेदभाव या नफरत को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे

सांसद रिच मैककॉर्मिक ने नीति निर्माण में हिंदू अमेरिकी और भारतीय-अमेरिकी समुदाय की लगातार बढ़ती हुई भागीदारी और अमेरिका के भविष्य को बदलने की उनकी क्षमता का स्वागत किया। रिपब्लिकन पार्टी के सांसद ने हिंदू अमेरिकियों के योगदान का सम्मान करते हुए सदन के प्रस्ताव 1131 के लिए अपने समर्थन की ओर ध्यान दिलाया। साथ ही समुदाय से अमेरिकी सपने को आगे बढ़ाने का आग्रह किया, जो नवाचार, कड़ी मेहनत, सफलता और इसकी परंपराओं का जश्न मनाता है।

रिपब्लिकन सांसद ग्लेन ग्रोथमैन ने समुदाय के साथ एकजुटता व्यक्त की और सांसद रो खन्ना ने पिछले दशक में समुदाय की वकालत के विकास का जश्न मनाया। लोगों को गर्व करने के लिए प्रेरित करते हुए खन्ना ने दर्शकों को कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बधाई दी।

देश में नफरत के खिलाफ खड़े रहेंगे

कांग्रेसी मैक्स मिलर ने धर्म की स्वतंत्रता के महत्व के बारे में बात की और सदन के प्रस्ताव 1131 का समर्थन करने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने हिंदू समुदाय के सामने आने वाली समस्याओं के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और आश्वासन दिया कि वे पूरे देश में नफरत और कट्टरता के सभी रूपों के खिलाफ खड़े रहेंगे।

रिपब्लिकन नेता मिलर ने स्वीकार किया कि यह देश के लिए एक कठिन समय है और उन्होंने जोर देकर कहा कि वे हिंदू समुदाय के लिए मौजूद रहेंगे। उन्होंने कहा, अगर आपके समुदाय के साथ कुछ भी होता है, तो मैं आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहूंगा। उन्होंने दर्शकों से मजबूती से खड़े रहने और अपने मूल्यों से कभी पीछे न हटने का भी आग्रह किया।

115 से अधिक सांसदों के कार्यालयों का दौरा किया

सीओएचएनए ने कहा कि इस साल हिंदुओं ने कई तरीके के हमलों का सामना किया है। 40 से अधिक कोर स्वयंसेवकों ने हाउस रेज़ोल्यूशन 1131 के लिए समर्थन की वकालत करने के लिए 115 से अधिक सांसदों के कार्यालयों का दौरा किया, जो हिंदू-अमेरिकी समुदाय के योगदान का जश्न मनाते हुए हिंदूफोबिया और मंदिरों पर हमलों की निंदा करता है।

15 अमेरिकी राज्यों से बड़ी संख्या में हिंदू युवाओं सहित 100 से अधिक प्रतिनिधियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

अमरनाथ यात्रा के बेस कैंप बालटाल में उत्सव का माहौल

बालटाल मार्ग पर मधुर संगीत की तरह बहती हैं ठंडी हवाएं

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 01 जुलाई।

अमरनाथ यात्रा की शुरुआत के साथ ही गंदरबल जिले में यात्रा के आधार शिविर बालटाल में उत्सव का माहौल है। सिंध नाले के किनारे बालटाल में स्थित आधार शिविर चौबीस घंटे चालू रहता है। हर रोज आधी रात के आसपास सुरक्षा बलों की कड़ी निगरानी में विशाल शिविर में चहल-पहल शुरू हो जाती है। देश के विभिन्न हिस्सों से यात्री बसों में सवार होकर 300 किमी लंबे श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग से बालटाल और पहलगाम आधार शिविरों की यात्रा करते हैं। कुछ चेकपॉइंट से गुजरने के बाद बालटाल आधार शिविर पहुंचने पर यात्री उत्सव के उत्साह का अनुभव कर रहे हैं। यात्रियों का स्वागत भजनों से भरपूर रौशनी और सजाए गए लंगरों से हो रहा है।

आधार शिविर में एक पूरा बाजार है जिसमें लंगर (सामुदायिक रसोई) और मुसलमानों द्वारा संचालित अस्थायी दुकानें हैं जो पूजा सामग्री और अन्य सामान बेच रहे हैं। यात्रियों का उत्साह बेस कैंप में पहुंचने और ठहरने के दौरान देखा जा सकता है। यात्री बेस कैंप में स्वतंत्र रूप से घूमते हुए, तस्वीरें खींचने और बाजार में उपलब्ध विभिन्न प्रकार की चीजें खरीदने में व्यस्त दिखाई देते हैं। यात्रियों के लिए लगाए गए लंगरों में भारी भीड़ देखी गई। कई यात्रियों ने कहा कि वे यात्रा को लेकर बहुत उत्साहित हैं और उनके मन में बिल्कुल भी डर नहीं है। अहमदाबाद से आए यात्री कमल मिश्रा कहते थे कि हमारे मन में कोई डर नहीं है। यहां सरकार और प्रशासन द्वारा किए गए इंतजाम संतोषजनक हैं।

बालटाल में आम तौर पर कश्मीरी मुस्लिम दिखाई देते हैं, जो अमरनाथ यात्रियों के लिए स्थानीय स्तर पर सेवा

प्रदान करने वाले प्रमुख व्यक्ति हैं। स्थानीय सेवा प्रदाताओं में ज्यादातर वे लोग शामिल हैं, जिन्होंने यात्रियों के लिए अपने कियोस्क और टेंट लगाए हैं और उनका बेसब्री से इंतजार करते देखे जाते हैं। दिल्ली से आए यात्री सुरेश शर्मा कहते हैं, मैं यात्रा को लेकर उत्साहित हूं। मैं दूसरी बार यहां आ रहा हूं, लेकिन मंदिर की हर यात्रा मुझे उत्साहित करती है। अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए बालटाल बेस कैंप से निकलने के बाद, यात्री 14 किलोमीटर का छोटा रास्ता अपनाते हैं, जिसमें ढलान बहुत ज्यादा है और चढ़ाई करना मुश्किल है।

यह बालटाल से शुरू होता है और गुफा मंदिर तक पहुंचने से पहले डोमियाल, बरारी और संगम से होकर गुजरता है। यात्री पैदल या हेलिकॉप्टर से गुफा मंदिर तक पहुंचते हैं, ज़्यादातर यात्री टट्टू की सवारी या पालकी पसंद करते हैं। स्थानीय मुसलमान यात्रियों को टट्टू या अपने कंधों पर उठाकर ले जाते हुए देखे जाते हैं। कश्मीरी मुसलमान पैदल यात्रियों को पहाड़ी के छोर पर ही रहने और घाटी के छोर पर न जाने की सलाह देते हुए देखे जाते हैं, नहीं तो वे गिर जाएंगे। रास्ते में, कई चाय की दुकानें हैं, जिनमें लगभग हर दुकान के होर्डिंग्स पर शिव लिंगम की तस्वीरें लगी हुई हैं।

बालटाल मार्ग पर ठंडीएं हवा मधुर गीत की तरह बहती हैं। सीटी की आवाज घोलने वाली ठंडी हवा सफेद ग्लेश्यिर को काट कर रख देती है तो इंसानी चेहरे की क्या हालत होगी। लेकिन इन सबके बावजूद ठंडी हवा के मधुर गीत जब कानों में तरंग छेड़ते हैं तो यूं लगता है किसी फिल्म का दृश्य आंखों के सामने हो। और 15 किमी लम्बा मार्ग 210 मिनटों के भीतर हवाओं के गुनगनाते गीत व संगीत में ऐसे गुजर जाता है जैसे किसी को कोई खबर न होती हो। यह सचमुच किसी फिल्म की कथा नहीं है बल्कि उस मार्ग की कहानी है जिसे कश्मीर में आतंकवाद फैलने के 7 साल के बाद अमरनाथ की पवित्र गुफा तक जाने के लिए खोला गया था। इस दौरान भी यह मार्ग खुला तो रहा था परंतु नागरिकों को इसके प्रयोग की अनुमति सुरक्षा कारणों से नहीं दी जाती रही थी जो गुफा तक पहुंचने का सबसे छोटा मार्ग माना जाता है। और अब परिणाम यह है इसके खोलने का कि यात्रा पर आने वाले इसी मार्ग से गुफा तक जाने और आने को प्राथमिकता देते रहे हैं। अमरनाथ गुफा तक पहुंचने का यह एकमात्र छोटा रास्ता प्रयोग करने वालों के लिए आसानी यह है कि वे एक ही दिन में गुफा तक जाकर वापस श्रीनगर लौट सकते हैं।

श्रद्धा में विकलांगता बाधा नहीं बनती

जम्मू, 01 जुलाई (ब्यूरो)। राजस्थान के जयपुर के आनंद सिंह, जिन्होंने 2002 में एक दुर्घटना में अपने दोनों पैर खो दिए थे, इस साल 13वीं बार भगवान शिव के दर्शन के लिए पवित्र गुफा की यात्रा कर रहे हैं। भगवान शिव के भक्त आनंद सिंह पवित्र गुफा मंदिर में पूजा करने के लिए 3,880 मीटर की ऊंचाई पर अमरनाथ की अपनी 13वीं यात्रा पर निकले हैं। आनंद बताते हैं, मैंने 2010 में बाबा के दरबार में आना शुरू किया। हालांकि उन्होंने वर्ष 2013 में केदारनाथ में बाढ़ के कारण और दो साल तक जब कोविड महामारी के कारण इसे निलंबित कर दिया गया था, तब वे इस यात्रा में शामिल नहीं हो पाए थे। बाइस साल पहले एक ट्रेन दुर्घटना में अपने दोनों पैर गंवाने वाले सिंह एक ट्रक के टायर में बैठते हैं और अपने हाथों का घसीट कर चलते हैं। वह 2015 तक ऐसा करते रहे हैं लेकिन कुछ शारीरिक कमजोरी होने के बाद उन्होंने पालकी (एक पालकी) या घोड़े पर यात्रा करना शुरू कर दिया। सिंह कहते हैं कि पहले चार-पांच साल तक मैं अपने हाथों से

खुद को घसीटता रहा, लेकिन अब मेरे लिए यह मुश्किल हो गया है। मैं पालकी में यात्रा करता हूं। भगवान शिव के साथ अपना विशेष रिश्ता बताते हुए आनंद सिंह कहते हैं, यह बंधन हर साल मजबूत होता जा रहा है। इसलिए मैं यहां आता हूं। पवित्र गुफा में पूजा-अर्चना करके मुझे बहुत संतुष्टि मिलती है, जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। मुझे यहां वास्तव में सुकून मिलता है और भोले बाबा के दर्शन करने के बाद मुझे जो आंतरिक संतुष्टि महसूस होती है, उसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। अपनी विकलांगता के बावजूद वह खुद को वंचित महसूस नहीं करते। वे कहते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि लोग मेरे बारे में क्या कहते हैं। कुछ लोग मेरे प्रयास को सकारात्मक रूप से देखते हैं, जबकि कुछ अन्य मेरी आलोचना करते हैं। सभी लोग एक जैसे नहीं होते। सिंह ने पवित्र गुफा मंदिर में तब तक जाने का संकल्प लिया है, जब तक वह खुद ऐसा कर सकते हैं। सिंह ने कहा कि वह चाहते हैं कि पूरी दुनिया में लोग पूरी तरह शांति और सद्भाव के साथ रहें और खुशहाल जीवन जिएं।

जेफरीज की रिपोर्ट : भारत डेस्टिनेशन वेडिंग का सबसे बड़ा केंद्र

भारत में हर साल होती हैं एक करोड़ शादियां

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा विवाह स्थल है। यहां हर साल 80 लाख से एक करोड़ शादियां होती हैं, जबकि चीन में 70-80 लाख और अमेरिका में 20-25 लाख विवाह होते हैं। खास बात है कि आम देशवासी शिक्षा (स्नातक तक) की तुलना में विवाह समारोह पर दोगुना खर्च करते हैं। अमेरिकी जैसे देशों में यह खर्च शिक्षा की तुलना में आधे से भी कम है।

ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय विवाह उद्योग का आकार करीब 10 लाख करोड़ रुपए का है। यह अमेरिका के विवाह उद्योग का लगभग दोगुना है। हालांकि, चीन की तुलना में छोटा है। अमेरिका में विवाह उद्योग का आकार 5.84 लाख करोड़ रुपए (70 अरब डॉलर) का है, जबकि चीन में यह 14.2 लाख करोड़ (170 अरब डॉलर) का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय शादी कई दिनों तक चलती हैं और साधारण से लेकर बेहद भव्य तक होती हैं। इसमें क्षेत्र, धर्म और आर्थिक पृष्ठभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

भारत में एक शादी पर औसतन 12.50 लाख रुपए (15,000 डॉलर) खर्च होते हैं। यह रकम प्रति व्यक्ति या घरेलू आय का कई गुना है। शादियों में होने वाले कुल खर्च में दुल्हन के आभूषणों की हिस्सेदारी आधे से अधिक होती है। लग्जरी सेगमेंट में दुल्हन के लहंगों में भारी जटिल काम शामिल होता है। कुछ मामलों में इन लहंगों का वजह 10 किलोग्राम तक भी हो सकता है।

खर्चीली शादियों पर अंकुश लगाने के प्रयासों के बावजूद विदेशी स्थानों पर होने वाली आलीशान शादियां भारतीय वैभव को प्रदर्शित करती रहती हैं। जेफरीज ने कहा, भारत में शादियां भव्य होती हैं। इनमें कई तरह के समारोह और खर्च होते हैं। शादियों के सीजन में आभूषण समेत कई उद्योगों में बिक्री बढ़ जाती है। शादियों के सीजन में आभूषण और परिधान जैसी श्रेणियों में खपत बढ़ती है। अप्रत्यक्ष रूप से ऑटो और इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को लाभ मिलता है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में खपत श्रेणी में शादियों का दूसरा स्थान है। अगर शादी एक श्रेणी होती, तो खाद्य और किराना के बाद दूसरी सबसे बड़ी खुदरा श्रेणी होती। भारतीय खाद्य और किराना उद्योग का आकार 56.8 लाख करोड़ रुपए (681 अरब डॉलर) है।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए भाजपा प्रत्याशी तय

भाजपा प्रत्याशियों में पंकजा मुंडे का भी नाम

मुंबई, 01 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केंद्रीय चुनाव समिति ने सोमवार को महाराष्ट्र विधान परिषद चुनाव के लिए उम्मीदवारों के नामों का ऐलान किया। जिन नामों की घोषणा की गई है, उनमें पंकजा मुंडे, योगेश तिलेकर, परिणय फुके, अमित गोरखे और

सदाभाऊ खोत शामिल हैं।

खास बात ये है कि भाजपा ने पंकजा मुंडे पर एक बार फिर भरोसा जताया है। पंकजा ने बीड से लोकसभा चुनाव चुनाव लड़ा था। हालांकि, वह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के बजरंग सोनवाने से 6000 वोटों के मामूली अंतर से हार गई थीं। उनके चार समर्थकों ने उनकी हार के बाद आत्महत्या कर ली थी। राज्य की 11 विधान परिषद सीट पर 12 जुलाई को मतदान होगा। उसी दिन नतीजे भी घोषित किए जाएंगे। महाराष्ट्र भाजपा ने केंद्रीय नेतृत्व को 11 नामों की सूची भेजी थी। जिनमें से पांच नाम पर पार्टी ने मुहर लगाई है।

मानहानि मामले में मेधा पाटकर को पांच महीने की जेल

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली के साकेत कोर्ट ने नर्मदा बचाओ आंदोलन कार्यकर्ता मेधा पाटकर को पांच महीने की साधारण कारावास की सजा सुनाई है। यहा सजा उन्हें तत्कालीन केवीआईसी अध्यक्ष वीके सक्सेना (अब दिल्ली के उपराज्यपाल) द्वारा दायर मानहानि मामले में सुनाई गई है। कोर्ट ने मेधा पाटकर को वीके सक्सेना को 10 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। साकेत कोर्ट ने यह भी कहा कि मेधा पाटकर की उम्र और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को देखते हुए उन्हें अधिक सजा नहीं दी जा रही है। न्यायाधीश ने कहा कि सजा पर 30 दिन तक रोक रहेगी। मेधा पाटकर ने कहा, हमने किसी को बदनाम करने की कोशिश नहीं की है। हम सिर्फ अपना काम करते हैं। हम कोर्ट के फैसले को चुनौती देंगे।

रामलला को लगाया जा रहा रत्नजड़ित चंदन का तिलक

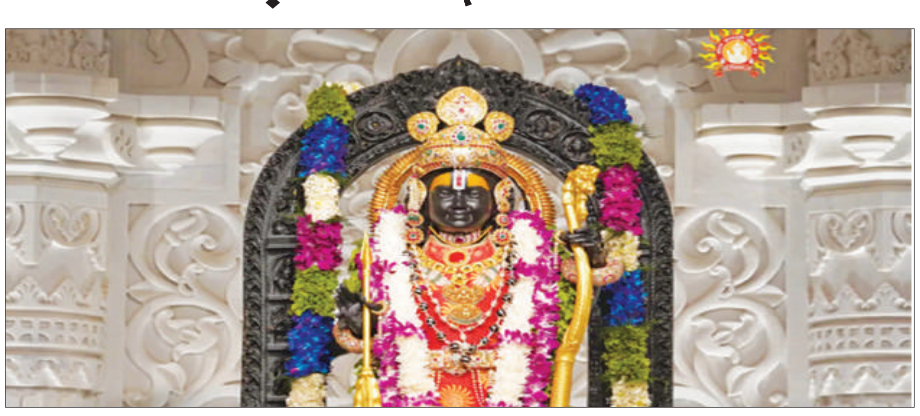

अयोध्या, 01 जुलाई (एजेंसियां)।

राममंदिर में विराजमान बालक राम की सेवा रामानंदीय पद्धति से पूरे वैभव के साथ की जा रही है। रामलला का श्रृंगार रोजाना सोने-चांदी से जड़ित आभूषणों से किया जाता है। इसी क्रम में रामलला के माथे पर रत्नजड़ित चंदन का तिलक लगाया जा रहा है। यह तिलक अलग से बनवाया गया है, रोजाना इसे रामलला के माथे पर लगाया जाता है। हालांकि इस व्यवस्था से पुजारी खुश नहीं हैं। उनका कहना है कि चंदन घिसकर माथे पर तिलक लगाने की परंपरा ज्यादा उचित है।

राममंदिर के एक पुजारी ने बताया कि रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद रामलला के माथे पर रोजाना चंदन घिसकर फिर तिलक किया जाता था। इसमें केसर आदि भी मिला होता था। इससे रामलला का मुखमुंडल खिल उठता था, लेकिन अब रामलला के माथे पर रत्नजड़ित चंदन लगाया जाता है। हालांकि उत्सव मूर्ति के रूप में विराजमान रामलला समेत चारों भाईयों को चंदन घिसकर ही तिलक लगाया जाता है। इसके पीछे का कारण पुजारी ने स्पष्ट नहीं किया लेकिन इतना जरूर कहा कि चंदन घिसकर रामलला के माथे पर तिलक लगाने से रोका गया है।

राममंदिर में प्रशिक्षित पुजारियों की तैनाती की जाएगी। इसके लिए पिछले छह माह से 20 पुजारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा था। इन सभी पुजारियों को रामलला की सेवा-पूजा में शामिल कर उन्हें पूजन की आचार संहिता समझाने का काम रामलला के मुख्य अर्चक कर रहे थे। अब इनका प्रशिक्षण पूरा हो गया है। इन्हें एक-दो दिन में प्रमाण पत्र देकर राममंदिर की पूजा में लगाया जाएगा। राममंदिर परिसर में बनने वाले अन्य मंदिरों की पूजा के लिए इन्हीं में से पुजारी नियुक्त किए जाएंगे।

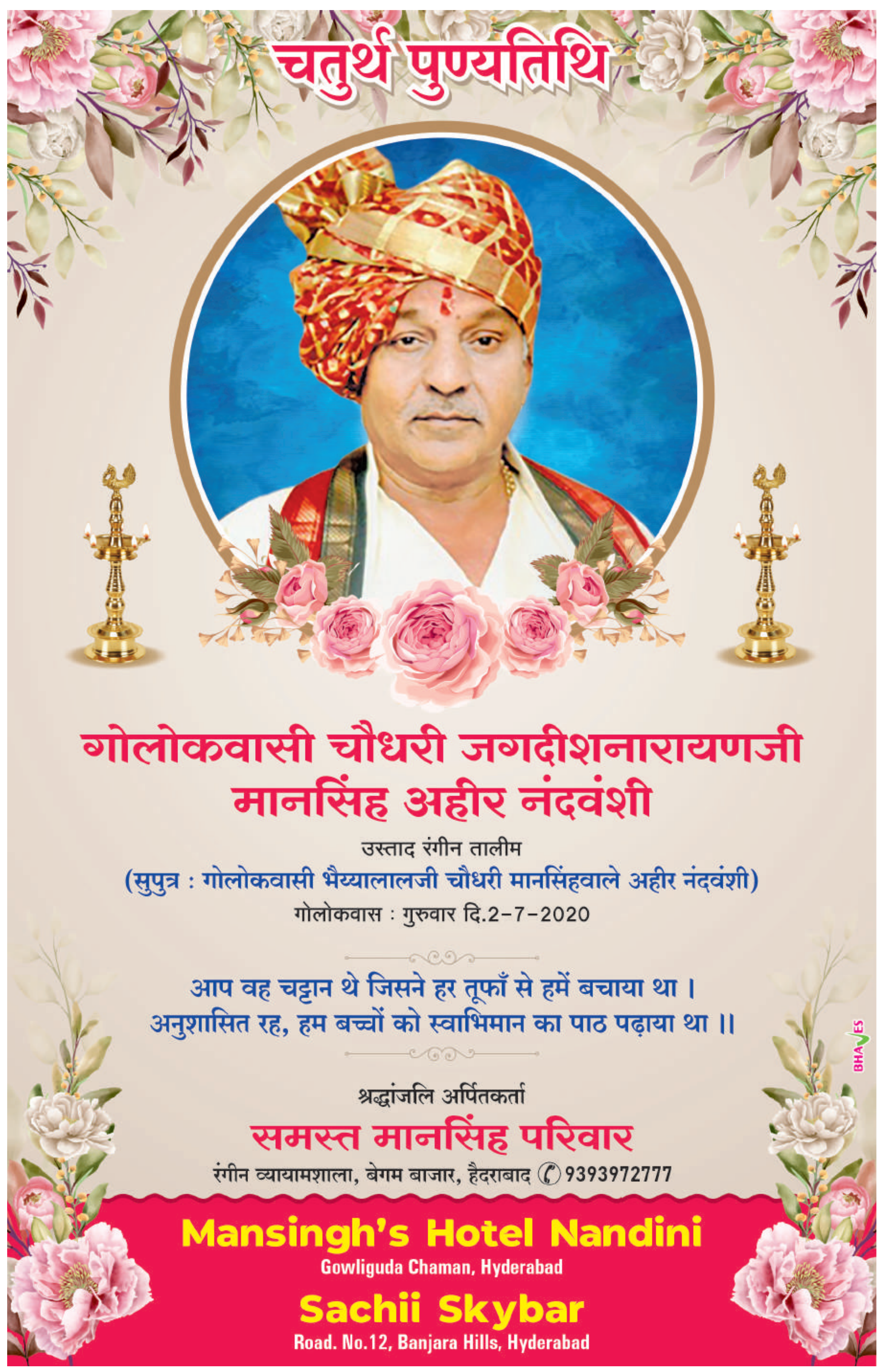

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन-जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा। तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी-छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। लेन-देन से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाहा स्थानांतरण या पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। यात्रा पर जाने से बचें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। गृह-नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहने से भाग्य-वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जाने का आयोजन हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी-छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन-देने और कोर्ट-कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार-धंधा मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में आशानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। धन व्यय की अधिकता रहेगी। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। सेहत को लेकर सतर्क रहें और वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन किसी बात को लेकर विवाद होने की भी आशंका रहेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। सेहत का ध्यान रखें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार-धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा, लेकिन वाणी पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की आसंका रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और खानपान का ध्यान रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। परिजन-मित्रों के साथ किसी यात्रा या पिकनिक पर जा सकते हैं। सेहत भी बनी रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापार-धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनेंगी, लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन-देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन और मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच-समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 02 जुलाई 2024 , मंगलवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : एकादशी प्रात: 08:44 तक
नक्षत्र : भरणी प्रात: 05:27 तक
योग : धृति प्रात: 11:15 तक
करण : बालव प्रात: 08:44 तक
चन्द्रराशि : मेष प्रात: 11: 14 तक
सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:38 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : योगिनी एकादशी व्रत

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

स्पा सेंटर में मिली महिला की लाश

गले पर चोट के निशान से हत्या का अंदेशा, पति फरार

सिरोही,01 जुलाई (एजेंसियां)। आबूरोड शहर के मानपुर क्षेत्र में चमत्कारी हनुमान मंदिर के सामने स्थित स्पा में सोमवार को एक महिला का शव मिला है। मृतका के गले पर चोट के निशान हैं, ऐसे में उसकी हत्या की आशंका जताई जा रही है। आरोपी पति मौके से फरार है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को मोर्चरी में रखवाया है।

पुलिस के अनुसार दिल्ली निवासी ममता (21) पत्नी सागर राजपूत रविवार शाम को अपने पति के साथ यहां आई थी। रात को दोनों अपने कमरे में सोए थे। दोनों में किसी बात को लेकर विवाद भी हुआ था। सवेरे काफी देर तक महिला के कमरे से बाहर नहीं आने पर स्पा सेंटर में मौजूद अन्य लोगों को शक हुआ तो दरवाजा खोला गया। कमरे में जमीन पर ममता का शव पड़ा था। इसकी सूचना मिलने पर आबूरोड शहर पुलिस थानाधिकारी बंसीलाल साद, एसआई माया पंडित टीम एवं हेड कॉन्स्टेबल देवाराम मीणा अपने सहयोगियों के साथ मौके पर पहुंचे और मौका मुआयना कर परिसर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। मामले में मृतका के भाई सागर पुत्र रामजी राजपूत द्वारा दी गई रिपोर्ट में महिला की हत्या की आशंका जताई गई है।

फिलहाल आरोपी पति मौके से फरार है। मामले में हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शव को मोर्चरी में रखवाया है। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवाने के बाद ही अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

गुजरात से आए 18 जुआरी पुलिस के हत्थे चढ़े

ताश की गड्डियों समेत दांव पर लगे 2 लाख 21 हजार रुपए जब्त

उदयपुर,01 जुलाई (एजेंसियां)। शहर के गोवर्धन विलास थाना क्षेत्र में बलीचा स्थित वंडर रिसोर्ट में जुआ खेलते हुए गुजरात निवासी 18 लोगों को सोमवार को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास से ताश की गड्डियां और दांव पर लगाए गए 2 लाख 21 हजार 730 रुपये जब्त किए। पुलिस को मुखबिर से वंडर रिसोर्ट में कुछ युवकों के जुआ खेलने की खबर मिली। इसके बाद थानाधिकारी भवानी सिंह राजावत ने एसपी योगेश गोयल से इजाजत लेकर रिसोर्ट में छापा मारा। यहां तीन कमरे किराए पर लेकर ताश के पत्तों पर दांव खेला जा रहा था। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए सारे जुआरी गुजरात के रहने वाले हैं।

यह नए युग की शुरुआत

भारत सरकार द्वारा लागू नए कानूनों पर राजस्थान बार काउंसिल के चेयरमैन एड.भुवनेश शर्मा ने कहा

जयपुर,01 जुलाई (एजेंसियां)। बार काउंसिल ऑफ राजस्थान के चेयरमैन एडवोकेट भुवनेश शर्मा ने भारत सरकार द्वारा लागू किए गए नए कानूनों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि आज से नए युग की शुरुआत हुई है। हम तीनों कानूनों का स्वागत करते हैं। भारत सरकार ने देश के दर्द को समझा और इस तरह का फैसला किया। बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने बार काउंसिल ऑफ राजस्थान को निर्देश दिए हैं कि लोगों को नए कानूनों जागरूक करे और इस संबंध में प्रत्येक जिला स्तर पर कार्यशाला आयोजित की जाए। बार काउंसिल ऑफ राजस्थान इस बारे में एक्जीक्यूटिव कमेटी की बैठक में जल्द फैसला लेकर शनिवार-रविवार को जिलों में जागरूकता अभियान चलाएगी।

पार्क के पास खड़ी कार में मिला युवक का दो दिन पुराना शव

दस्तावेजों के आधार पर पुलिस कर रही है जांच

जोधपुर,01 जुलाई (एजेंसियां)। सरदारपुरा थाना क्षेत्र के नेहरू पार्क के पास खड़ी एक कार में सोमवार दोपहर को शव मिलने के बाद सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि यह शव दो दिन पुराना है। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में शव की संदिग्ध स्थिति को देखते हुए मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया और घटनास्थल का मुआयना किया।

मिली जानकारी के अनुसार नेहरू पार्क व मर्चेंट हॉल के बीच सड़क के किनारे भरतपुर नंबर की कार आरजे 05 सीसी 7626 की कार खड़ी थी। वहां से गुजर रहे लोगों की नजर जब ड्राइवर सीट पर गई तो एक शव पड़ा दिखा, जिसके बाद लोगों ने सरदारपुरा पुलिस को इसकी सूचना दी।

शव 30 से 35 साल के युवक का बताया जा रहा है और दो दिन पुराना होने से बदबू भी मार रहा है। मामले को संदिग्ध मानते हुए पुलिस ने मौके पर एफएसएल टीम को बुलाया और जांच शुरू कर दी है। कार में मिले दस्तावेजों के आधार पर युवक के परिजनों से संपर्क करने की कोशिश की जा रही है।

बदमाशों ने मंदिर में लगाई आग दानपात्र भी लूट ले गए

रोहतक,01 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा में बदमाशों के हौसले के बुलंद हैं। बदमाशों को भगवान का भी डर नहीं है। रोहतक के सांपला थाना क्षेत्र के गढ़ी गांव में जमीन पर कब्जा करने की नीयत से कुछ असामाजिक तत्वों ने मंदिर परिसर में आग लगा दी। इससे लाखों रुपये का सामान जलाकर राख हो गया। वहीं, आरोपी मंदिर के दानपात्र में रखे चंदे को भी लूटकर ले गए और विरोध करने पर पुजारियों के साथ मारपीट भी की गई। इसके साथ ही परिसर में बने शोचालय को भी तोड़ दिया है।

पुलिस को दादी शक्ति सेवा समिति की ओर से शिकायत दे दी है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दादी शक्ति सेवा समिति की ओर से हेमंत समेत अन्य लोगों ने शिकायत दी है कि मंदिर की जमीन पर

कब्जा करने की नीयत से कुछ लोगों ने मंदिर में लगे टेंट और वहां पर सामान में आग लगा दी है। उक्त लोगों ने तालाब की जमीन पर भी कब्जा कर लिया है और अब मंदिर की जमीन पर कब्जा लेना चाहते हैं। इसलिए मंदिर के पुजारियों के साथ मारपीट कर दी और वहां से चंदा समेत अन्य सामान को लूट लिया गया है। उधर, पुलिस का कहना है कि शिकायत मिली है और उसकी जांच की जा रही है। जल्द ही मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

डमी अभ्यर्थी बनकर पर्चा देने गई युवती हिरासत में

प्री-डीएलएड परीक्षा 2024 का पेपर देने गई थी

जालौर,01 जुलाई (एजेंसियां)। जालौर जिले के एक परीक्षा केंद्र पर आयोजित प्री- डीएलएड परीक्षा 2024 में डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देने पहुंची एक युवती को बिशनगढ़ थाना पुलिस की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना पुलिस की टीम युवती से मामले की पूछताछ कर रही है।एसपी ज्ञानचन्द्र यादव ने बताया कि रविवार को जिले के कई परीक्षा केंद्रों पर प्री-डीएलएड 2024 परीक्षा का आयोजन किया गया था। थाना बिशनगढ़ क्षेत्र के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, उम्मेदाबाद केंद्र में आयोजित परीक्षा से पहले बायोमैट्रिक फिंगरप्रिंट एवं फोटो का मिलान किया जा रहा था। इसी दौरान रोल नंबर 16402916 भगवती बिश्नोई पुत्र मोहनलाल निवासी दांतीवास थाना भीनमाल का

बायोमैट्रिक व फोटो मिलान नहीं होने पर केंद्र अधीक्षक मंसाराम राणा द्वारा थाना पुलिस को इसकी सूचना दी गई। मूल अभ्यर्थी भगवती बिश्नोई के स्थान पर डमी परीक्षार्थी निरमा कुमारी बिश्नोई पुत्री आसुराम (23) परीक्षा देने आई थी। थाना पुलिस की टीम ने केंद्र अधीक्षक की रिपोर्ट पर आरोपी निरमा कुमारी विश्नोई को डमी परीक्षार्थी के रूप में परीक्षा देने पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं एवं राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम 1992) में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवती से पुलिस की टीम अग्रिम अनुसंधान कर रही है।

नौकरी के लिए कराया फर्जी डिग्री का सत्यापन

आरोपी महिला के 2 साथी गिरफ्तार एसओजी ने रिमांड पर लिया

अजमेर,01 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग की हिंदी लेक्चरर भर्ती- 2022 में फर्जी मार्कशीट के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एसओजी ने प्राइवेट टीचर और बजरी व्यापारी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में दोनों आरोपियों द्वारा फर्जी डिग्री का वेरिफिकेशन बनवाना सामने आया है। हालांकि एसओजी ने सोमवार को दोनों को कोर्ट में पेश कर 4 दिन के रिमांड पर लिया है, जिनसे एसओजी पूछताछ में जुटी है। इस मामले में पूछताछ में और अन्य गिरफ्तारी होने की भी संभावना है। गौरतलब है कि इस मामले में एसओजी सात आरोपियों को पूर्व में पकड़ चुकी है।

एसओजी के एडिशनल एसपी मुकेश सोनी ने बताया कि जोधपुर निवासी सोमेश गोदारा (30) और पाली निवासी सुनील बिश्नोई (35) को गिरफ्तार कर सोमवार को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है। प्रारंभिक पूछताछ में दोनों आरोपियों से फर्जी डिग्री वेरीफिकेशन बनवाना सामने आया है हालांकि दोनों से मामले में पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि सुशील बिश्नोई बजरी का काम करता है। वहीं दूसरा आरोपी सोमेश जोधपुर के प्राइवेट स्कूल में टीचर है। दोनों से पूछताछ के बाद मामले में अन्य गिरफ्तारियां भी हो सकती हैं। एसओजी की जांच में सामने आया कि पूर्व में गिरफ्तार डॉ. सुरेश बिश्नोई आरोपी ब्रह्मकुमारी व कमला कुमारी के लिए सत्यापन पत्र बनवाने के लिए बजरी व्यापारी सुनील बिश्नोई से कांटेक्ट में था और व्हाट्सएप के जरिए ही ब्रह्मकुमारी व कमला कुमारी के उक्त सत्यापन पत्र सहित अन्य दस्तावेज के बारे में व्हाट्सएप पर चैट की गई थी।

आरोपी ब्रह्माकुमारी को जिस दिन व्यक्तिगत रूप से आयोग ने बुलाया था, उस दिन भी दोनों के बीच में फर्जी सत्यापन पत्र तैयार करवाने को लेकर व्हाट्सएप पर चैट हुई थी। एसओजी को आरोपी डॉ. सुरेश बिश्नोई के मोबाइल से यह चैट मिली है। वहीं प्राइवेट टीचर सोमेश गोदारा भी पूर्व में गिरफ्तार डॉ. सुरेश बिश्नोई के ही कॉन्टेक्ट में था।

दुकान के बाहर बैठे दो लोगों को रौंदते हुए शटर में जा घुसी तेज रफ्तार कार

पानीपत,01 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत में देवी मंदिर के पास एक बंद मेडिकल स्टोर के सामने फुटपाथ पर फड़ी लगाकर बैठी एक वृद्धा और युवक को रविवार दोपहर बाद करीब साढ़े तीन बजे एक तेज रफ्तार कार रौंदते हुए दुकान के शटर में जा घुसी। गनीमत रही कि इस दुर्घटना में दोनों की जान बच गई लेकिन दोनों वृद्धा और युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को आसपास के लोगों ने इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों का कहना है कि दोनों की हालात गंभीर है। ये दुर्घटना मेडिकल स्टोर के बाहर लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। मेडिकल स्टोर संचालक की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

बताया जा रहा है कि भावना चौक निवासी मनोज रोजाना सांयकालीन आरती सुनने के लिए देवी मंदिर आता है। वहीं, नूरवाला निवासी वृद्ध महिला रोजाना मंदिर के बाहर बैठकर फूलों की फड़ी लगाती है। मनोज रोजाना बूढ़ी औरत को कुछ न कुछ खाने का सामान भी देकर जाता था। रविवार को भी मनोज बूढ़ी औरत को खाने का सामान देने आया था। दोपहर करीब साढ़े तीन बजे जब मनोज बूढ़ी औरत के साथ बंद मेडिकल स्टोर के सामने बैठा था तभी तेज रफ्तार अनियंत्रित कार ने दोनों को रौंदती हुई स्टोर के शटर में जा घुसी। जिसमें दोनों को काफी चोटें आई हैं।

देवी मंदिर के सामने राधे मेडिकल स्टोर के संचालक सुरेंद्र कुमार ने पुलिस को बताया कि रविवार होने की वजह से उसकी दुकान बंद थी। उसकी दुकान के सामने एक लड़का जिसका नाम मनोज और वृद्धा बैठी थी। तभी एक गाड़ी जिसका नंबर एचआर06एएम-0598 तेज गति से आई और सीधे उन दोनों को रौंदते हुए दुकान के शटर में घुस गई। जिसकी वजह से उसकी दुकान के अंदर के कम्प्यूटर, फ्रिज और सामान का नुकसान भी हो गया। उनकी साथ वाली लक्ष्मी स्वीटस के नाम की दुकान का काउंटर भी नीचे से टूट गया।

हरियाणा के कर्मचारियों की हुई बल्ले बल्ले

8 प्रतिशत बढ़ा वेतन, सीएम नायब सैनी ने किया ऐलान

चंडीगढ़,01 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा की भाजपा सरकार ने विधानसभा चुनाव से पहले कर्मचारियों के वेतन को बढ़ाने का एलान किया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को बड़ा एलान करते हुए कर्मचारियों के वेतनमान को बढ़ाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने एलान किया है कि कौशल रोजगार निगम के तहत पार्ट वन, पार्ट 2, और पार्ट 3 के भर्ती कर्मचारियों के वेतनमान में 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाएगी। कर्मचारियों के वेतन में यह बढ़ोतरी एक जुलाई से ही लागू होगी।

4 शुभ योग में आज मनाई जाएगी योगिनी एकादशी

सनातन धर्म में एकादशी तिथि को बेहद शुभ माना गया है। हर महीने में 2 बार एकादशी व्रत किया जाता है। एक कृष्ण और दूसरा शुक्ल पक्ष में। धार्मिक मान्यता है कि एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा करने से जातक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही सभी मुरादें पूरी होती हैं। जुलाई के महीने में योगिनी एकादशी और देवशयनी एकादशी पड़ेगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ. अनीष व्यास ने बताया कि आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि जगत के नाथ भगवान विष्णु को समर्पित होता है। इस दिन योगिनी एकादशी मनाई जाती है। वर्ष 2024 में 02 जुलाई को योगिनी एकादशी है। योगिनी एकादशी पर वैष्णव समाज के लोग व्रत रख विधि-विधान से लक्ष्मी नारायण जी की पूजा करते हैं। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि पाने के लिए विशेष उपाय भी करते हैं। भगवान विष्णु की कृपा से साधक की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। योगिनी एकादशी पर 4 शुभ योग का निर्माण हो रहा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार सच्चे मन से एकादशी व्रत करने से जीवन में कभी भी धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। इसलिए कहा जाता है कि लोगों को यह व्रत जरूर रखना चाहिए।

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि साल में 24 एकादशी के व्रत रखे जाते हैं। यह सभी भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन उनकी पूजा करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती हैं। ऐसे में कुछ लोग निर्जला उपवास भी रखते हैं, जो बेहद कठिन होता है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि जो भी एकादशी का व्रत रखता है, उसपर भगवान विष्णु के साथ-साथ मां लक्ष्मी की कृपा भी बनी रहती है। ऐसे में आषाढ़ माह में आने वाली योगिनी एकादशी का महत्व अधिक बढ़ जाता है। आषाढ़ महीने के कृष्ण पक्ष की एकादशी को योगिनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस बार 2 जुलाई 2024 के दिन ये व्रत रखा जाएगा। मान्यता है कि योगिनी एकादशी के दिन विष्णु जी की पूजा-अर्चना करने पर पापों से मुक्ति मिलती हैं। ये भी कहा जाता है कि इस व्रत को करने से मृत्यु के बाद भगवान विष्णु के चरणों में स्थान प्राप्त होता है। इस दिन व्रत रखने से 88 हजार ब्राह्मणों को भोजन कराने के बराबर का फल प्राप्त होता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

योगिनी एकादशी शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि की शुरुआत 01 जुलाई को सुबह 10:26 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, इसका समापन 02 जुलाई को सुबह 08:42 मिनट पर पर होगा। ऐसे में 02 जुलाई को योगिनी एकादशी व्रत किया जाएगा।

धृति योग

योगिनी एकादशी पर धृति योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन धृति योग सुबह 11:17 मिनट तक है। इसके बाद शूल योग का निर्माण होगा। धृति योग में भगवान विष्णु की पूजा करना परम फलदायी होगा।

त्रिपुष्कर योग

योगिनी एकादशी तिथि पर त्रिपुष्कर योग का निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण सुबह 08:37 मिनट से हो रहा है और समापन 03 जुलाई को सुबह 04:40 मिनट पर होगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग

योगिनी एकादशी तिथि पर सर्वार्थ सिद्धि योग का भी निर्माण हो रहा है। इस योग का निर्माण सुबह 05:27 मिनट से हो रहा है और समापन 03 जुलाई को सुबह 04:40 मिनट पर होगा। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधक को मनोवांछित फल की प्राप्ति होगी।

शिववास योग

योगिनी एकादशी पर शिववास योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन भगवान शिव सुबह 08:42 मिनट तक कैलाश पर विराजमान रहेंगे। इसके बाद नंदी पर सवार रहेंगे। भगवान शिव के कैलाश और नंदी पर विराजमान रहने के दौरान अभिषेक करने से साधक को सभी कार्यों में सिद्धि प्राप्ति होती है।

योगिनी एकादशी पूजा विधि

योगिनी एकादशी के दिन विष्णु जी की पूजा का विधान है। साथ ही पीपल के वृक्ष की पूजा भी करनी चाहिए। इस दिन प्रातः काल उठकर स्नान करना चाहिए। इसके बाद पीले रंग के वस्त्र धारण करना अधिक शुभ होता है। फिर भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। इसके बाद उनकी विधि अनुसार पूजा करे और योगिनी एकादशी व्रत की कथा पढ़ें। बाद में विष्णु जी की आरती करें। इस दिन आप जरूरतमंद लोगों को भोजन व दान दक्षिणा भी दे सकती हैं, इससे भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं।

पूजा के दौरान इन मंत्रों का करें जप

विष्णु गायत्री मंत्र

ॐ श्री विष्णवे च विद्महे वासुदेवाय धीमहि। तन्नो विष्णुः प्रचोदयात्।।

विष्णु मंगल मंत्र

मङ्गलम् भगवान विष्णुः, मङ्गलम् गरुणध्वजः। मङ्गलम् पुण्डरी काक्षः, मङ्गलाय तनो हरिः।।

योगिनी एकादशी व्रत के नियम

योगिनी एकादशी व्रत के दिन अन्न का सेवन नहीं करना चाहिए। एकादशी का व्रत नहीं रखने वालों को भी चावल का सेवन नहीं करना चाहिए। इस दिन बाल, नाखून, और दाढ़ी कटवाने की भूल न करें। योगिनी एकादशी के दिन ब्राह्मणों को कुछ दान अवश्य करना चाहिए। एकादशी व्रत के पारण करने के बाद अन्न का दान करना शुभ माना गया है।

आषाढ़ अमावस्या के दिन इस विधि से करें पितरों का तर्पण, जानें शुभ मुहूर्त

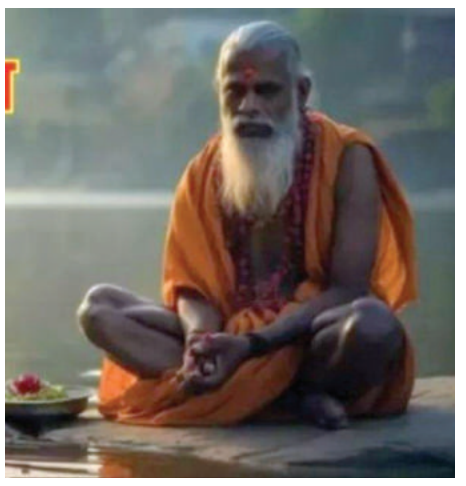

23 जून से आषाढ़ मास शुरू हो गया है। यह महीना भगवान विष्णु को समर्पित माना जाता है। आषाढ़ माह में कई व्रत और त्योहार आते हैं। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, आषाढ़ चौथा महीना है। पितरों को प्रसन्न करने के लिए भी आषाढ़ का महीना बहुत खास माना जाता है।

आषाढ़ महीने में आने वाली तिथि भी बहुत महत्वपूर्ण होती है। इस दिन पितरों को प्रसन्न करने के लिए कई तरह के कार्य किए जा सकते हैं। इन कार्यों को करने से जीवन में चल रही परेशानियों से छुटकारा मिलता है। साथ ही खुशहाली आती है। आइए, जानते हैं कि आषाढ़ अमावस्या किस दिन मनाई जाएगी।

आषाढ़ अमावस्या तिथि 2024

हिंदू कैलेंडर के अनुसार, आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि 5 जुलाई को सुबह 4:57 बजे शुरू होगी। यह तिथि 6 जुलाई को सुबह 4 बजकर 26 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में आषाढ़ अमावस्या 5 जुलाई 2024 को मनाई जाएगी।

पितरों की आत्मा की शांति के लिए हर महीने की अमावस्या तिथि पर दान और तर्पण करना शुभ होता है। ऐसे में इस दिन यह कार्य जरूर करने चाहिए।

पितरों के तर्पण की विधि

- पितरों को तर्पण देने का सबसे अच्छा समय सूर्योदय का होता है।
- सूर्योदय के समय स्नान-ध्यान करने के बाद पितरों को तर्पण करना चाहिए।
- पितरों को तर्पण देने के लिए सफेद फूल, काले तिल और कुशा का उपयोग करें।
- पितरों का तर्पण दक्षिण दिशा की तरफ मुख करके करना चाहिए।
- तर्पण के दौरान पितरों का ध्यान करना चाहिए।

कहा जाता है कि अमावस्या तिथि पर कौवा, कुत्ते या गाय को भोजन जरूर खिलाना चाहिए। इसके साथ ही आषाढ़ अमावस्या के दिन पीपल या बरगद के पेड़ पर जल अर्पित करें। इससे पितरों का आशीर्वाद मिलता है।

दुर्लभ संयोग में 22 जुलाई से शुरू होगा सावन का महीना, दिन होंगे 29 और पड़ेंगे 5 सोमवार

पंचांगीय गणना के अनुसार इस बार 22 जुलाई से श्रावण मास की शुरुआत हो रही है। श्रावण की शुरुआत सोमवार के दिन होगी तथा समापन पर भी सोमवार का दिन रहेगा। एक माह में पांच सोमवार का विशेष अनुक्रम बन रहा है। हालांकि तिथि की घट बढ़ के कारण श्रावण 30 के बजाय 29 दिन का रहेगा। विशेष यह है कि श्रावण की शुरुआत श्रवण नक्षत्र में होगी, जो जनमानस के लिए शुभ व कल्याणकारी मानी जा रही है।

श्रावण मास में दो तिथियों का क्षय

ज्योतिषाचार्य पंडित अमर डब्बावाला ने बताया 22 जुलाई को सोमवार के दिन, श्रवण नक्षत्र, प्रीति योग तथा मकर राशि के चंद्रमा की साक्षी में श्रावण मास की शुरुआत होगी। इस बार श्रावण मास में दो तिथियों का क्षय है, इस दृष्टि से यह माह 29 दिन का रहेगा। श्रावण की शुरुआत सोमवार के दिन होगी तथा समापन पर भी सोमवार रहेगा।

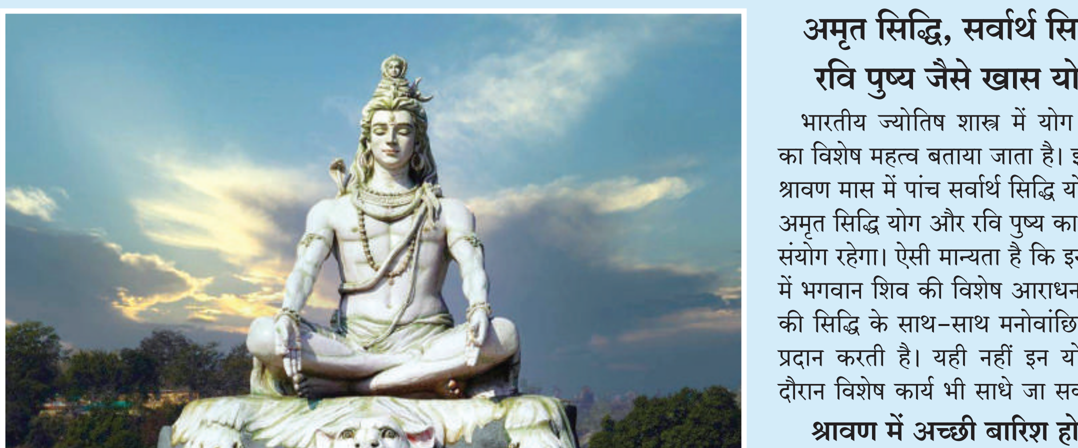

कुल पांच सोमवार आएंगे

इस माह में कुल पांच सोमवार आएंगे। धर्म आराधना की दृष्टि से पंचांग की यह स्थितियां शुभ हैं। शिव आराधना के लिए विशेष माह श्रावण मास में सोमवार का विशेष महत्व है, क्योंकि श्रावण का महीना भगवान शिव की आराधना के लिए विशेष माना जाता है और भगवान शिव का दिन भी सोमवार बताया गया है। खासकर श्रवण नक्षत्र में सावन का आरंभ श्रवण नक्षत्र में सोमवार का दिन विशेष रूप से फल देने वाला बताया जाता है।

अमृत सिद्धि, सर्वार्थ सिद्धि रवि पुष्य जैसे खास योग

भारतीय ज्योतिष शास्त्र में योग संयोग का विशेष महत्व बताया जाता है। इस बार श्रावण मास में पांच सर्वार्थ सिद्धि योग एक अमृत सिद्धि योग और रवि पुष्य का विशेष संयोग रहेगा। ऐसी मान्यता है कि इन योगों में भगवान शिव की विशेष आराधना कार्य की सिद्धि के साथ-साथ मनोवांछित फल प्रदान करती है। यही नहीं इन योगों के दौरान विशेष कार्य भी साधे जा सकते हैं।

श्रावण में अच्छी बारिश होगी

काल की गणना तथा ऋतु चक्र की मान्यता से श्रावण माह में अच्छी बारिश के योग बनेंगे। संपूर्ण विश्व में इस माह के दौरान अलग-अलग प्रकार से वर्षा की दृष्टि का अनुपात संतुलित अवस्था में कहीं-कहीं दिखाई देगा। इस माह वर्षा की स्थिति श्रेष्ठ होगी।

क्या आपकी रसोई में भी रहती है छिपकली, जानें ये अच्छा है या बुरा

छिपकली को देवी लक्ष्मी का दूत माना जाता है, जो समृद्धि और धन की देवी हैं। घर में छिपकली का दिखना शुभ संकेत माना जाता है, जो आर्थिक लाभ और सफलता का प्रतीक है। इसे ज्ञान और आत्मज्ञान का प्रतीक भी माना जाता है। इसका कारण यह है कि छिपकली अक्सर ऊंचे स्थानों पर रहती है, जो आध्यात्मिक ऊंचाई का प्रतीक है। लेकिन, कुछ मान्यताओं के अनुसार, छिपकली नकारात्मकता और बुरी आत्माओं का प्रतीक भी हो सकती है। खासकर अगर यह घर में मृत पाई जाए तो इसे अशुभ माना जाता है। सौभाग्य, बुद्धि, और सुरक्षा का प्रतीक मानी जाने वाली छिपकली का आपके घर में दिखना कब शुभ और कब अशुभ होता है आइए जानते हैं।

छिपकली के शुभ-अशुभ संकेत

छिपकली किचन या घर के मंदिर में नजर आए तो यह और भी शुभ माना जाता है। किचन में छिपकली का दिखना रसोई घर में छिपकली का दिखना अच्छा ही माना जाता है। ज्यादा घबराने की आवश्यकता नहीं है, अच्छा ही होगा और आपको धन लाभ के योग भी बनेंगे।

अगर छिपकली रोज़ मंदिर में नजर आए तो इसका अर्थ होता है कि आपको जल्द ही कोई शुभ समाचार मिलने का संकेत दे रहा है।

अगर आपको काली चिपकली नजर आती है तो इसे अलक्ष्मी का संकेत माना जाता है। अलक्ष्मी देवी लक्ष्मी की बहन देवी लक्ष्मी की बड़ी बहन है और इनके आगमन से जीवन में आर्थिक हानि होती है।

अगर आपको शुक्रवार के दिन अचानक से घर के मंदिर में छिपकली दिख जाए तो इसे शुभ माना जाता है।

हिंदू धर्म की मान्यताओं के अनुसार, मंदिर में मरी हुई छिपकली दिखे तो यह अशुभ होता है। लेकिन, अगर आपको सुबह-सुबह ही छिपकली नजर आ जाए तो यह उन्नति और लाभ का प्रतीक माना जाता है।

मंदिर के फर्श पर चलती हुई छिपकली देखने का अर्थ होता है कि आपको जल्द ही आर्थिक लाभ हो सकता है।

वहीं अगर पूजा करने के दौरान छिपकली आपके ऊपर चढ़ जाएं या शरीर पर छिपकली गिर जाए तो माना जाता है कि बहुत जल्दी ही आपकी मनोकामना पूरी होने वाली है।

दीवाली या अन्य किसी बड़े पर्व पर अचानक से घर के मंदिर में छिपकली नजर आ जाए तो इसे शुभ मानते हैं। दीवाली का पर्व देवी लक्ष्मी को समर्पित होता है और इस दिन अगर आपको उनके प्रतीक के रूप में छिपकली नजर आ जाए तो यह अतिशुभ ही कहलाएगा। वहीं अगर कटी हुई छिपकली या जख्मी छिपकली घर में नजर आए तो ये अशुभ संकेत हो सकता है। इससे घर में कलह और क्लेश बढ़ता है।

घर में छिपकली दिखना शुभ माना जाता है, खासकर मंदिर और किचन में। छिपकली को देवी लक्ष्मी का रूप माना गया है। अगर छिपकली किचन या मंदिर में दिखे, तो यह धन लाभ और शुभ समाचार का संकेत हो सकता है। वहीं, काली छिपकली को अलक्ष्मी का प्रतीक माना जाता है, जिससे आर्थिक हानि हो सकती है। शुक्रवार के दिन छिपकली दिखना और भी शुभ होता है। दिवाली पर छिपकली दिखना अतिशुभ माना जाता है।

तेजपत्ता करेगा आपकी हर इच्छा पूरी, बस कर लीजिए ये काम

आमतौर पर सभी घरों में तेजपत्ते का प्रयोग मसाले के रूप में किया जाता है. तेजपत्ता भोजन में स्वाद और सुगंध बढ़ाने का काम करता है । इसी के साथ तेजपत्ता में कई गुण भी पाए जाते हैं। इसलिए आयुर्वेद में औषधि के रूप में इसका प्रयोग किया जाता है।

वहीं ज्योतिष में तेजपत्ते से जुड़े ऐसे चमत्कारी उपायों के बारे में बताया गया है,जो बेहद लाभकारी है। गुणों से भरपूर तेजपत्ता आपकी कई समस्याओं को भी दूर करने की क्षमता रखता है। आइये जानते हैं तेजपत्ते के उपायों से कौन सी समस्या होती है दूर।

धनलाभ के लिए तेजपत्ता के उपाय

धन संबंधी समस्या से छुटकारा पाने के लिए भी तेजपत्ते का यह उपाय कारगर माना जाता है। यदि खूब मेहनत करने के बाद भी आर्थिक तंगी बनी रहती है या पैसा टिकता नहीं है तो आप शुक्रवार के दिन मां लक्ष्मी के चरणों में तेजपत्ते की पत्तियां अर्पित करें। फिर इनमें से कुछ पत्तियों को उठाकर अपने पर्स और तिजोरी आदि में रखें।

नकारात्मकता दूर करने के लिए तेजपत्ता के उपाय

कई घरों में धन का कोई अभाव नहीं रहता फिर भी कलह-क्लेश जैसे माहौल बने रहते हैं। आपसी मतभेद और लड़ाई-झगड़े होते रहते हैं। इसका एक कारण घर पर मौजूद नकारात्मक ऊर्जा हो सकती है। तेजपत्ता के उपाय से नकारात्मक ऊर्जा को दूर किया जा सकता है। इसके लिए शनिवार के दिन पांच तेजपत्ता को पांच काली मिर्च के साथ जला दें और पूरे घर पर इसके धुएं को फैला दें। ऐसा आप प्रत्येक शनिवार के दिन करें। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा खत्म हो जाती है।

बुरे सपने या अज्ञात भय के लिए तेजपत्ते का उपाय

अगर आपको अज्ञात भय सताता है या फिर अक्सर नींद में बुरे और डरावने सपने आते हैं तो आप सोते समय सिरहाने तेजपत्ता रखें। आप अपने तकिए के नीचे भी तेजपत्ते की कुछ पत्तियां रख सकते हैं। इस उपाय से बुरे सपने नहीं आएंगे।

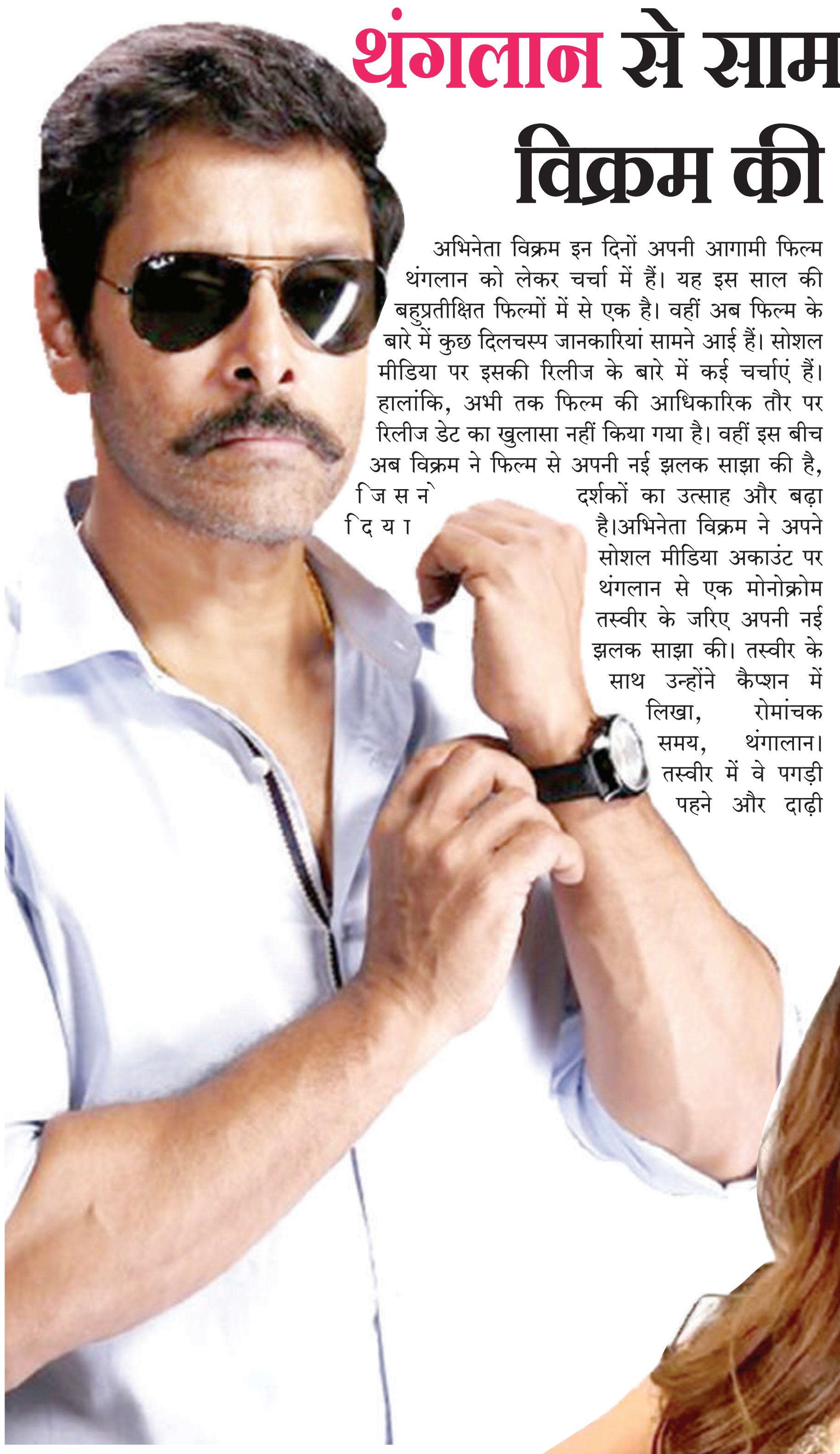

थंगलान से सामने आई अभिनेता विक्रम की नई झलक

अभिनेता विक्रम इन दिनों अपनी आगामी फिल्म थंगलान को लेकर चर्चा में हैं। यह इस साल की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। वहीं अब फिल्म के बारे में कुछ दिलचस्प जानकारियां सामने आई हैं। सोशल मीडिया पर इसकी रिलीज के बारे में कई चर्चाएं हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म की आधिकारिक तौर पर रिलीज डेट का खुलासा नहीं किया गया है। वहीं इस बीच अब विक्रम ने फिल्म से अपनी नई झलक साझा की है, जिसने दर्शकों का उत्साह और बढ़ा दिया है।अभिनेता विक्रम ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर थंगलान से एक मोनोक्रोम तस्वीर के जरिए अपनी नई झलक साझा की। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, रोमांचक समय, थंगालान। तस्वीर में वे पगड़ी पहने और दाढ़ी रखे हुए दिखाई दे रहे हैं। वे कैमरे की तरह गंभीर भाव से घूर रहे हैं। अब दर्शकों को फिल्म पर मिले नए अपडेट पर खुशी हो रही हैं, क्योंकि कुछ दिनों से फिल्म की रिलीज में संभावित देरी होने की खबरें सामने आ रही थीं।इस बीच चर्चा है कि फिल्म के निर्माताओं ने इसकी रिलीज के लिए भी तारीख तय कर ली है। हालांकि, फिल्मांकन पिछले साल पूरा हो गया था, लेकिन थंगलान की अभी तक कोई निश्चित रिलीज तिथि तय नहीं हुई है। वहीं सोशल मीडिया पर खबरें हैं कि अधूरी शूटिंग के कारण अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2: द रूल की रिलीज में देरी हो सकती है। इस संभावित देरी से थंगलान को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है।इस बीच चर्चा है कि फिल्म के निर्माताओं ने इसकी रिलीज के लिए भी तारीख तय कर ली है। हालांकि, फिल्मांकन पिछले साल पूरा हो गया था, लेकिन थंगलान की अभी तक कोई निश्चित रिलीज तिथि तय नहीं हुई है। वहीं सोशल मीडिया पर खबरें हैं कि अधूरी शूटिंग के कारण अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2: द रूल की रिलीज में देरी हो सकती है। इस संभावित देरी से थंगलान को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 15 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है।

शिमरी गोल्डन ब्लाउज और लॉन्ग स्कर्ट में किलर लग रहीं मोनालिसा

भोजपुरी क्वीन मोनालिसा हमेशा अपनी बोल्डनेस और हॉटनेस से इंटरनेट पर कहर बरपाती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका किलर अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से उनके हुस्न के कायल हो गए हैं।एक्ट्रेस मोनालिसा हमेशा अपनी बोल्ड और स्टनिंग फोटोज शेयर कर फैंस का सारा अटेंशन अपनी ओर खींच लेती हैं।वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट करती हैं तो अक्सर लोगों के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है।इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मोनालिसा ने गोल्डन कलर का ब्लाउज पहना हुआ है और साथ ही थाई स्लिट लॉन्ग स्कर्ट पहनकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।

मोनालिसा ने अपनी लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज देते हुए सोशल मीडिया पर कहर ढा दिया है।एक्ट्रेस मोनालिसा अपनी इन फोटोज में अपना कर्वी फिगर जमकर फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। साथ ही फैंस उनके स्टनिंग लुक्स की तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।कानों में इयररिंग्स, नेकलेस, रिंग्स, चूड़ियां और हाई हील्स पहनकर एक्ट्रेस मोनालिसा ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है।मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी जबरदस्त है।

ट्विंकल अरोड़ा के आरामदायक कपड़े क्रॉप टॉप लूज़ पैंट हैं, डेट नाइट के लिए क्लासी पसंद

अभिनेत्री ट्विंकल अरोड़ा ने इस बात पर ज़ोर दिया है कि लोग फ़ैशन ट्रेंड के पीछे कैसे हद से ज़्यादा आगे निकल जाते हैं। उन्होंने अपने आरामदायक कपड़ों और डेट नाइट आउटफिट्स के लिए अपनी पसंद का खुलासा किया।उड़ारियां में अपने काम के लिए मशहूर ट्विंकल का कहना है कि वह फ़ैशन ट्रेंड के पीछे नहीं भागती हैं।उनके लिए फ़ैशन के मामले में आराम सबसे ज़्यादा मायने रखता है।उन्होंने कहा फ़ैशन ट्रेंड बदलते रहते हैं और मैं उनमें से एक हूँ जो सक्रिय रूप से उनका अनुसरण नहीं करती। कभी-कभी मुझे लगता है कि यह एक मुश्किल काम है क्योंकि मैं फ़ैशन बैकग्राउंड से नहीं हूँ। इसलिए इसके साथ बने रहने के लिए मुझे प्रयास करना पड़ता है।उन्होंने बताया कि एक अभिनेत्री के तौर पर उन्हें स्टाइल करने के लिए मजबूर नहीं किया जाता है, बल्कि वह मौके और जगह के हिसाब से कपड़े पहनने में विश्वास करती हैं।फैशन ट्रेंड के बारे में आगे बात करते हुए ट्विंकल ने कहा: कभी-कभी मैं देखती हूं कि लोग जो पहन रहे हैं, उसमें सहज नहीं हैं। लेकिन यही फैशन है। पहनने के बारे में फैसला करते समय आपको जिस चीज पर ध्यान देना चाहिए, वह है शान और आराम। आउटफिट चुनते समय ये दो चीजें मेरे मुख्य विचार हैं। ट्विंकल के आरामदायक कपड़े ढीले पैंट और क्रॉप टॉप हैं, उन्होंने कहा कि इन्हें पहनना आसान है और ये अच्छे लगते हैं।उन्होंने कहा, ये पहनने में भी आरामदायक हैं। इसके बाद, पजामा या कोई भी ऐसा कपड़ा जो आरामदायक लगे, ये मेरे आरामदायक कपड़े हैं। कुछ ऐसे कपड़े जो मैं आसानी से पहन सकती हूं और जो प्रेजेंटेबल हों, जैसे को-ऑर्ड्स।डेट नाइट के लिए, वह आरामदायक, खूबसूरत और क्लासी ड्रेस चुनती हैं या फिर बेसिक लॉन्ग पैंट और क्रॉप टॉप पहनती हैं।

साई धरम तेज ने की नई पैन-इंडिया हाई-एक्शन ड्रामा फिल्म एसडीटी18 की घोषणा

विरुपाक्ष और ब्रो की एक अरब रुपये की ब्लॉकबस्टर सफलताओं के बाद, अभिनेता मेगा सुप्रीम हीरो साई दुर्गा तेज एक और महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए कमर कस रहे हैं। उनकी आने वाली फिल्म रोहित केपी की निर्देशन में पहली फिल्म है। निर्माता, प्राइमशो एंटरटेनमेंट के के.निरंजन रेड्डी और चैतन्य रेड्डी।निर्माताओं ने फिल्म की घोषणा का पोस्टर जारी कर दिया है। बारूदी सुरंगों से घिरे रेगिस्तान के बीच एक अकेला हरा पेड़ दिखाते हुए, पोस्टर संभावित रूप से सार्वभौमिक विषय वाली कहानी का संकेत देता है। एक नेता भूमि के लिए उठता है की थीम के साथ पोस्टर आकर्षक लग रहा है।यह फिल्म एक भव्य प्रोडक्शन होगी जिसे उच्च बजट पर बनाया जाएगा। इस हाई-ऑक्टेन, पीरियड-एक्शन ड्रामा में साई दुर्गा तेज एक शक्तिशाली किरदार निभा रही हैं। पहले शेड्यूल के लिए विशेष रूप से बनाए गए एक विशाल सेट पर पहले शेड्यूल की शूटिंग चल रही है।फ़िलहाल एसडीटी18 शीर्षक वाली इस फ़िल्म को तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में पूरे भारत में रिलीज़ करने की योजना बनाई जा रही है।फिल्म का पहला पोस्टर जारी करते हुए अभिनेता ने अपनी नई फिल्म की घोषणा की। घोषणा पोस्टर ने दर्शकों का ध्यान खींचा। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आगामी फिल्म अभिनेता साई धर्म तेज के करियर में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकती है, क्योंकि इसे बड़े बजट पर बनाए जाने की चर्चा है। यह फिल्म तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज होने वाली है, जो विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक दर्शकों तक पहुंचेगी।

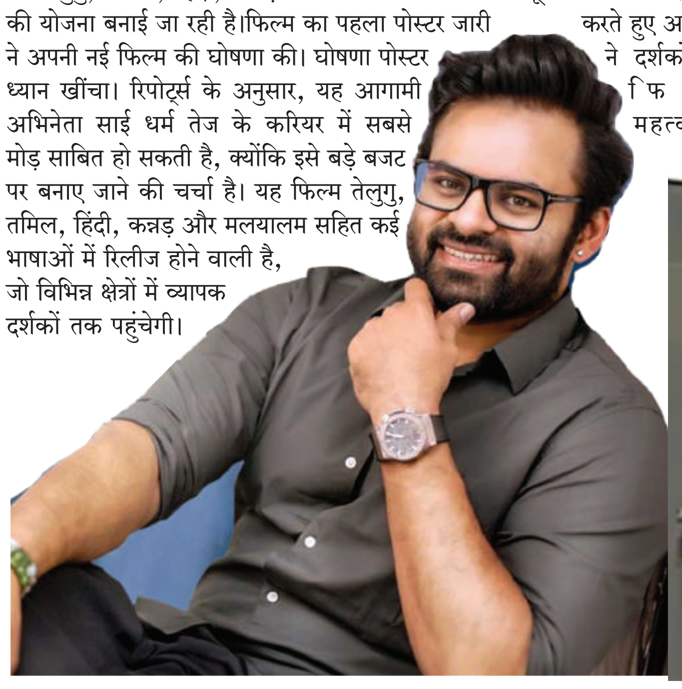

आयुष्मान आरोग्य मंदिर में उपलब्ध होंगी बेहतरीन स्वास्थ्य सुविधाएं

लखनऊ, 01 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाने में लगातार प्रयास कर रहे हैं। यही वजह है कि योगी सरकार लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक के बाद एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर रही है।

सरकार के प्रयासों का ही नतीजा है कि अब तक प्रदेश के 256 स्वास्थ्य इकाइयों को नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एन्क्वास) सर्टिफिकेट मिल चुका है। यह प्रमाण पत्र प्रदेश की स्वास्थ्य इकाइयों को गुणवत्तापूर्ण इलाज, स्वास्थ्य के मानकों को पूरा करने एवं उस पर खरा उतरने पर मिला है।

योगी सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के आयुष्मान आरोग्य मंदिर में लोगों को घरों के नजदीक ही वर्ल्ड क्लास हेल्थ फैसिलिटीज मिलें। साथ ही प्रदेश की जनता अपनी गाढ़ी कमाई निजी अस्पतालों या अप्रशिक्षित चिकित्सकों की क्लिनिक में इलाज पर न खर्च कर अपने परिवार के पालन-पोषण और खुशहाली पर खर्च कर सके। इतना ही नहीं योगी सरकार ने वर्ष 2026 तक प्रदेश की सभी स्वास्थ्य इकाइयों को एन्क्वास सर्टिफिकेशन के दायरे में लाने का लक्ष्य रखा है, जबकि दिसंबर 2025 तक प्रदेश की 50 प्रतिशत स्वास्थ्य इकाइयों को एन्क्वास प्रमाण पत्र से लैस करने का लक्ष्य रखा गया है।

एनएचएम के महाप्रबंधक डॉ. निशांत कुमार जायसवाल ने बताया कि केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय केवल उन्हीं स्वास्थ्य इकाइयों को यह प्रमाणपत्र प्रदान करता है जो मरीजों के इलाज और देखभाल के हर मानक को पूरा करते हैं।

अगले तीन महीने में इतनी ही और स्वास्थ्य इकाइयों को एन्क्वास के दायरे में लाने के हरसम्भव प्रयास जारी हैं। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर क्वालिटी इन हेल्थ केयर (आईएसक्यूए) द्वारा प्रमाणित होने के कारण एन्क्वास प्रमाणित स्वास्थ्य इकाइयां अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा कर रही हैं। इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि 256 एन्क्वास प्रमाणित स्वास्थ्य इकाइयां लोगों को घरों के पास गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर रही हैं, इससे सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति उनका विश्वास भी बढ़ा है।

एन्क्वास के प्रमुख क्लीनिकल सेवाओं के तहत पीएचसी में क्लीनिकल सेवाओं की गुणवत्ता को मापते हैं। इसमें परामर्श, प्रवेश, मूल्यांकन, देखभाल की निरंतरता, नर्सिंग देखभाल, दवा सुरक्षा, मानक उपचार दिशा निर्देशों का उपयोग, आपातकालीन सेवाएं, प्रयोगशाला सेवाएं, चिकित्सा रिकॉर्ड और डिस्चार्ज प्रक्रिया के मानक शामिल हैं।

प्रसव पूर्व देखभाल, प्रसवोत्तर देखभाल, नवजात देखभाल, बाल स्वास्थ्य, किशोर स्वास्थ्य, परिवार नियोजन और नैदानिक सेवाओं से संबंधित नैदानिक प्रक्रियाओं से संबंधित हैं। संक्रमण नियंत्रण क्षेत्र के तहत हाथ धोने की सुविधाएं, व्यक्तिगत सुरक्षा, उपकरण प्रसंस्करण, पर्यावरण नियंत्रण और बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन का मूल्यांकन होता है। एन्क्वास के मानक गुणवत्ता प्रबंधन के तहत गुणवत्ता टीम, आंतरिक, वाह्य गुणवत्ता आश्वासन, रोगी संतुष्टि सर्वेक्षण और मानक संचालन प्रक्रियाओं से संबंधित चार मानक शामिल हैं।

एन्क्वास के मानकों पर खरा उतरने वाले बहराइच के कैसरगंज ब्लॉक के परसेंडी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेश ने बताया कि जब से इसे एन्क्वास सर्टिफिकेट मिला है, तब से यह केंद्र बड़े-बड़े निजी अस्पतालों को भी मात दे रहा है। सभी मानकों को पूरा करने वाला यह जिले का पहला स्वास्थ्य उपकेंद्र है। केंद्र को अगस्त 2023 में न केवल भारत सरकार के एन्क्वास प्रमाणन से सम्मानित किया गया, बल्कि बदलाव में भागीदार बने। साथ ही यहां के स्वास्थ्य कर्मियों को राज्य स्तर पर सम्मानित भी किया गया। परसेंडी ग्राम के साकिर अली ने बताया कि पहले गांव के लोग प्रसव व दूसरी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए जिला मुख्यालय, सीएचसी या प्राइवेट अस्पताल जाते थे। अब परसेंडी में ही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने से न सिर्फ गांव के गरीब-अमीर बल्कि दूसरे ब्लॉक के लोग भी यहां आते हैं। इस केंद्र की गुणवत्ता ऐसी ही बनी रहे इसके लिए हम सभी लोग भी साफ़-सफाई का पूरा ध्यान रखते हैं।

वाराणसी के पहले एन्क्वास प्रमाणित आयुष्मान आरोग्य मंदिर खरगरामपुर के बारे में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संदीप चौधरी ने बताया कि चार साल पहले सेंटर (जच्चा-बच्चा केंद्र) पर एएनएम द्वारा नियमित टीकाकारण, प्रसव पूर्व जांच (एएनसी) और परिवार नियोजन परामर्श सेवाएं दी जाती थीं। वहीं स्वास्थ्य विभाग के प्रयासों से वर्ष 2022 से सेंटर पर ओपीडी, प्रसव संबंधी सुविधाएं, मातृ व शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, किशोर-किशोरी स्वास्थ्य सेवाएं, संचारी व गैर संचारी रोग संबंधी सेवाएं, नियमित टीकाकारण, परिवार नियोजन सेवाएं व परामर्श के साथ 14 प्रकार की पैथालोजी जांच, टेली मेडिसिन सुविधा लगातार प्रदान की जा रही हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) सीमा देवी, एएनएम और आशा कार्यकर्ता इन सेवाओं को घर के नजदीक ही प्रदान करने में बेहतर भूमिका निभा रही हैं।

गोरखपुर की उपलब्धियों में जुड़ा स्वर्णिम अध्याय

गोरखपुर सैनिक स्कूल में पढ़ाई शुरू

प्रवेश परीक्षा के बाद कक्षा 6 और 9 में 75-75 सीटों पर हुआ है दाखिला

गोरखपुर, 01 जुलाई (एजेंसियां)। पहली जुलाई की तारीख गोरखपुर की उपलब्धियों में स्वर्णिम अध्याय जोड़ने वाली रही। इस तिथि से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट गोरखपुर सैनिक स्कूल में पढ़ाई शुरू हो गई। प्रवेश परीक्षा के जरिये सैनिक स्कूल में कक्षा 6 और 9 में 75-75 सीटों पर दाखिला पहले ही हो गया था। गोरखपुर सैनिक स्कूल का औपचारिक उद्घाटन भी इसी माह होने की उम्मीद है।

सैनिक स्कूल में पहले सत्रारंभ के पहले दिन प्रधानाचार्य ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच नारियल फोड़कर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। गोरखपुर का सैनिक स्कूल खाद कारखाना परिसर में आवंटित 50 एकड़ भूमि पर बना है। डेढ़ सौ करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाले इस स्कूल का शिलान्यास मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 23 जुलाई 2021 को किया था। 'युवाओं को शिक्षा, देश की रक्षा' के ध्येय से निर्माणाधीन इस शैक्षिक प्रकल्प में कक्षा 6 से 12 तक बालक-बालिकाओं को आवासीय व्यवस्था के तहत शिक्षा प्रदान करने का शुभारंभ सोमवार को हुआ। यहां छात्र-छात्राओं के लिए अलग-अलग कैंपस हैं। स्कूल का प्रशासनिक भवन प्राचीन भारतीय संस्कृति व परंपरा का दर्शन कराने वाला बना है। सैनिक स्कूल के विद्यार्थियों के खेलकूद की गतिविधियों के लिए खेलों के कई कोर्ट व मैदान भी विकसित हुए हैं।

गोरखपुर का सैनिक स्कूल सीएम योगी की उच्च प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में सम्मिलित है। इसके शिलान्यास के बाद भी वह कई बार इसके निर्माण कार्यों का भौतिक निरीक्षण करने आते रहे हैं। फरवरी माह में जब वह सैनिक स्कूल का निरीक्षण करने आए थे, तभी उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया था कि जुलाई सत्र से यहां पढ़ाई शुरू हो जानी चाहिए। यही नहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष के बजट में इस सैनिक स्कूल के लिए सरकार ने वित्तीय प्रावधान भी इसीलिए किए था कि सत्र संचालन में किसी प्रकार की बाधा न आए। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप गोरखपुर सैनिक स्कूल में एक जुलाई से नियमित कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ हो गया है।

पानी की टंकी गिरने पर तीन फर्मों पर एफआईआर, तीन निलंबित

लखनऊ/मथुरा, 01 जुलाई (एजेंसियां)। सरकारी कार्य में लापरवाही को लेकर सख्त योगी सरकार ने फिर एक बार बड़ी कार्रवाई की है। मथुरा में रविवार को मथुरा पेयजल पुनर्गठन योजना थ्रू गोकुल बैराज पार्ट-1 के अन्तर्गत कृष्णा विहार कॉलोनी, मथुरा में 2500 किली./20 मीटर क्षमता वाली पानी की टंकी के क्षतिग्रस्त होकर गिरने की घटना को सीएम योगी ने गंभीरता से लिया है। सीएम योगी के निर्देश पर उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) द्वारा सोमवार को दोषी अधिकारियों व अनुबन्धित फर्मों के विरूद्ध सख्त एक्शन लिया गया है। साथ ही मामले की जांच के लिए उच्च स्तरीय जांच कमेटी भी गठित की गई है।

उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय) द्वारा तीन फर्मों (मेसर्स एसएम कान्स्ट्रक्शन, मेसर्स बनवारी और मेसर्स त्रिलोक सिंह रावत) एवं अन्य कर्मियों के विरूद्ध कोतवाली, मथुरा में धारा 304 व 338 के अधीन एफआईआर दर्ज कराई गई है। इसके अतिरिक्त योजना पर तैनात सहायक अभियंता ललित मोहन, जूनियर इंजीनियर बीरेन्द्र पाल एवं रविन्द्र प्रताप सिंह को निलम्बित करते हुए जांच के आदेश दिए गए हैं। इसके अतिरिक्त तत्कालीन सहायक अभियंता दिव्यांशु कुमार सिंह के विरूद्ध अनुशासनिक जांच के निर्देश दिए गए हैं।

मामले में अधिशासी अभियंता महाराज सिंह, कुमकुम गंगवार, दयानन्द शर्मा एवं तत्कालीन सहायक अभियंता राम प्रकाश यादव पर प्रशासनिक नियंत्रण उप्र जल निगम (ग्रामीण) का होने के कारण इनके विरूद्ध तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए प्रबंध निदेशक, उप्र जल निगम (ग्रामीण) को पत्र लिखा गया है।

इसके अतिरिक्त प्रकरण में तकनीकी कमियों की जांच के लिए मुख्य अभियंता (गाजियाबाद क्षेत्र), उप्र जल निगम (नगरीय), गाजियाबाद की अध्यक्षता में जांच समिति का गठन भी किया गया है। जांच समिति घटना की जांच के लिए आईआईटी दिल्ली या आईआईटी कानपुर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से सहयोग प्राप्त कर आख्या उपलब्ध कराएगी।

अनुप्रिया की चिट्ठी, कुर्मी वोट बैंक खिसकने की घबराहट तो नहीं

लखनऊ, 01 जुलाई (एजेंसियां)। अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने ओबीसी व एसटी के लिए आरक्षित पदों पर भर्ती को लेकर बेअवसर सवाल उठाकर भले ही सियासी सुर्खियां बटोरने का प्रयास किया है, लेकिन इसके पीछे कुर्मी वोट बैंट के खिसकने की घबराहट को एक बड़ी वजह माना जा रहा है। सियासी गलियारों में इस बात की भी चर्चा है कि खुद को अपनी जाति का एकमात्र नेता मान चुकीं अनुप्रिया को इस बार लोकसभा चुनाव में कड़े संघर्ष में बमुश्किल जीत मिली थी, उससे वह काफी दबाव में हैं।

दरअसल, लोकसभा चुनाव में अपनी परंपरागत सीट पर अनुप्रिया को बड़ी मशक्कत और कड़े संघर्ष में जीत मिली थी, वहीं, राबर्टगंज सीट उनके हाथ से निकल गई। इसके अलावा अनुप्रिया द्वारा एक दर्जन से अधिक सीटों पर कुर्मी जाति का प्रभाव होने का दावा किया जा रहा है, उनमें से अधिकांश सीटों पर भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा है। भाजपा द्वारा परिणामों की समीक्षा में यह बात सामने आने के बाद से ही अनुप्रिया एनडीए में अपनी साख बचाने को लेकर परेशान थीं।

ये अलग बात है कि कुर्मी बहुल सीटों पर हार के बावजूद भी भाजपा नेतृत्व ने उनको न सिर्फ केंद्र में फिर से मंत्री बनाया, बल्कि उन्हें वह अहमियत भी दी है, जो पहले थाइसके बावजूद अनुप्रिया द्वारा ओबीसी-एसटी वर्ग के लिए आरक्षित पदों पर भर्ती पर सवाल उठाना भाजपा के लिए हैरानी का सबब बन गया है। अनुप्रिया के इस सियासी कदम का उन्हें आगे क्या फायदा होगा, यह तो आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन इतना जरूर है कि उन्होंने इस मुद्दे को उछालकर अपनी बिरादरी पर कमजोर होती पकड़ को फिर से मजबूत करने की कोशिश की है। वहीं, दूसरी ओर से अनुप्रिया के इस कदम को दबाव की राजनीति के तौर पर भी देखा जा रहा है।

चुनाव परिणाम में कुर्मी वोट बैंक के खिसकने के बाद से ही अनुप्रिया को यह चिंता सताने लगी थी कि अगर एक बार वोट बैंक खिसका तो उसे दुबारा वापस पाना पार्टी के लिए कड़ी चुनौती होगी। इसलिए, उन्होंने आरक्षित पदों पर भर्ती को लेकर सवाल उठाकर एक तरह से डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश की है। हालांकि भर्ती आयोग के नियमावली के आधार पर अपर मुख्य सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक देवेश चतुर्वेदी ने सरकार की ओर से अनुप्रिया के पत्र का जवाब भेजकर स्थिति को साफ कर दिया है। फिर भी उनके इस सियासी पैंतरे को लेकर चर्चा थम नहीं रही है। माना जा रहा है कि बिना सही तथ्यों से अवगत हुए ऐसा मुद्दा उठाना अनुप्रिया की बड़ी सियासी चूक है।

भाजपा खेमा भी अब अनुप्रिया द्वारा पत्र लिखने के पीछे की वजहों की तलाश में जुटा गया है। दरअसल, भाजपा खेमे में इस बात की जोरदार चर्चा है कि अनुप्रिया ने यह कदम अनायास ही नहीं उठाया है। इसके पीछे किसी न किसी का हाथ जरूर है। वह हाथ किसका है, इसका पता लगाया जाएगा। यह भी माना जा रहा है लोकसभा चुनाव में चुनाव जीतने वाले दो मंत्रियों के स्थान पर प्रदेश मंत्रिमंडल में होने वाले विस्तार और एमएलसी के रिक्त पदों पर चुनाव को देखते हुए ही अनुप्रिया ने यह कदम उठाया है। जिससे प्रदेश सरकार पर दबाव बनाया जा सके। वह पहले से ही प्रदेश सरकार में अपने कोटे से एक और मंत्री बनाने का मुद्दा उठाती रही हैं।

दरअसल, हाल में ही सपा सांसद और कुर्मी चेहरा लालजी वर्मा ने हाल में ही एसजीपीजीआई की भर्ती में ओबीसी अभ्यर्थियों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया था। एसजीपीजीआई में जिस डॉ. सर्वेश कुमार चौधरी का मुद्दा उठा है, वह लालजी वर्मा के रिश्तेदार हैं। सोशल मीडिया पर वर्मा द्वारा उठाए गया यह मुद्दा गरम हुआ तो इससे अनुप्रिया पर भी दबाव बढ़ गया। माना जा रहा है कि उनको यह लगा कि कहीं इस मुद्दे के जरिए लालजी वर्मा कुर्मी बिरादरी में उनके लिए मुश्किल न खड़ी कर दें। लालजी वर्मा और अनुप्रिया एक ही बिरादरी की हैं। दोनों इस मुद्दे के जरिए बिरादरी का वोटबैंक अपने पाले में करने की जुगत में लगे हैं।

2500 सोलर मास्ट लाइटिंग सिस्टम से लैस होंगे प्रदेश के कई जिले

लखनऊ, 01 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की उन्नति का मार्ग प्रशस्त कर रही योगी सरकार प्रदेश में सौर ऊर्जा व स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए भी लगातार प्रयास कर रही है। प्रदेश में सौर ऊर्जा के प्रसार को बढ़ाने व आम लोगों में इसके प्रति जागरूकता लाने के भी विभिन्न प्रयास कर रही है। ऐसे में, प्रदेश के विभिन्न जिलों को सौर ऊर्जा चालित सोलर मास्ट लाइटिंग सिस्टम से लैस करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

उल्लेखनीय है कि सीएम योगी की मंशा अनुसार उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई थी। इस कार्ययोजना को क्रियान्वित करते हुए उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा अभिकरण (यूपीनेडा) ने प्रदेश के विभिन्न जिलों को 2500 सोलर मास्ट लाइटिंग से लैस करने के लिए ई-निविदा माध्यम के जरिए एजेंसी निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रक्रिया के पूरा होने पर कार्य प्राप्त करने वाली एजेंसी को 4 माह के भीतर 29.78 करोड़ रुपए की लागत से इन लाइट्स की सप्लाई, इंस्टॉलेशन, टेस्टिंग, व कमीशनिंग प्रक्रिया को पूर्ण करना होगा। इन कार्यों को अतिरिक्त, लैंड बैंक मैनेजमेंट पोर्टल व विभिन्न स्कीमों को बढ़ावा देने के लिए आईवीआर तथा डैशबोर्ड मॉनिटरिंग सिस्टम के भी विकास कार्य पर यूपीनेडा फोकस कर रहा है।

योजना के अनुसार, प्रदेश के विभिन्न जिलों की चयनित साइट्स

पर सोलर पीवी ड्राइव्ड एलईडी लाइट हाई मास्ट लाइट सिस्टम को लगाया जाएगा। ये सौर ऊर्जा चालित मास्ट लाइट्स कई मायनों में विशिष्ट हैं। यह लिथियम फेरो फॉस्फेड बैटरी बेस्ड सिस्टम होगा जो 12.8 वोल्ट कैपेसिटी पर कार्य करेगा और ड्राइट लाइट होने के बावजूद यह अल्ट्रा वॉयलेट रेज का एमीशन नहीं करेगा। यह 135 ल्यूमेंट प्रतिवाट के हिसाब से प्रकाश उत्पन्न करेगा। यानी, आउटडोर्स में ये लाइटें प्रकाश तो अच्छा उत्पन्न करेंगी ही साथ ही जीरो से लेकर 60 डिग्री तक के तापमान में भी यह आसानी से संचालित हो सकेंगी। इन लाइटों को लगाने वाली एजेंसी द्वारा न केवल इनकी गुणवत्ता को सुनिश्चित करेगी बल्कि 5 वर्ष के वारंटी पीरियड के अंतर्गत संचालन व रखरखाव की प्रक्रिया को भी सुनिश्चत करेगी।

यूपीनेडा द्वारा लैंड बैंक मैनेजमेंट एप्लिकेशन के विकास के लिए भी कार्य शुरू कर दिया गया है। इस क्रम में, यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) को जिम्मा सौंपा गया है जो अपने यहां इंपैनल्ड सॉफ्टवेयर डेवलमेंट एजेंसी के जरिए इस कार्य को पूर्ण कराएगी। कार्य के पूरा होने के उपरांत यूपीनेडा की वेबसाइट पर लैंड बैंक पोर्टल के जरिए आउटलाइन एप्लिकेशन मैनेजमेंट, रेगुलर कॉम्पलायंस, डॉक्यूमेंट्स व कॉन्ट्रैक्ट्स एसेसमेंट, टेनेंट व फाइनेंशियल मैनेजमेंट जैसे तमाम कार्यों को बेहतर तरीके से पूरा कर सकेगा। साथ ही, हितधारकों के साथ संवाद कायम करने में भी यह एक अच्छा माध्यम साबित होगा। यह एप्लिकेशन 3 टीयर बेस्ड सिस्टम पर आधारित होगी।

एक ओर, यूपीनेडा द्वारा लैंड बैंक मैनेजमेंट एप्लिकेशन के विकास की प्रक्रिया शुरू की गई है, वहीं दूसरी ओर वह पीएम सूर्य घर योजना तथा पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत होने वाले कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए जेनरेटिव एआई बेस्ड आईवीआर व डैशबोर्ड मॉनिटरिंग सिस्टम का विकास भी करवा रही है। यूपीनेडा द्वारा इस कार्य का जिम्मा भी यूपी इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीएलसी) को ही सौंपा गया है। गौरतलब है कि यूपीनेडा द्वारा पराली को बायो फ्यूल में कन्वर्ट करने के लिए एक ऐसे पोर्टल का विकास किया जा रहा है जहां किसान पराली बेच सकेंगे और यूपीनेडा इस पराली को बायो फ्यूल में कन्वर्ट कर सकेगा। इस पोर्टल के विकास के साथ ही अब जेनरेटिव एआई की मदद से आईवीआर व डैशबोर्ड मॉनिटरिंग सिस्टम का भी विकास किया जा रहा है। यह पीएम सूर्य घर योजना तथा पीएम कुसुम योजना के अंतर्गत लाभान्वितों को ट्रैक व मॉनिटर करने में सक्षम होगा

प्रदेश में तीन नए कानून लागू, बिना दिक्कत दर्ज होने लगी एफआईआर

लखनऊ, 01 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहले से ही 1 जुलाई यानी आज से लागू होने वाले तीन नए कानून को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई थी। ऐसे में सोमवार को भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत प्रदेश के विभिन्न थानों में एफआईआर दर्ज की गई। यह जानकारी डीजीपी प्रशांत कुमार ने साझा की।

डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि प्रदेश में 1 जुलाई से लागू तीन नए कानून के तहत सबसे पहले अमरोहा और बरेली में एफआईआर दर्ज की गई। साथ ही वर्तमान में बिना किसी दिक्कत के सभी जगह एफआईआर दर्ज की जा रही है। इसके अलावा आज प्रदेश के सभी थानों में इसको लेकर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। उन्होंने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तीनों नए कानून को लागू करने के लिए पहले से ही तैयारी कर ली गई। इसके तहत ट्रेनिंग और आवश्यक उपकरणों की खरीदारी कर ली गई थी। इतना ही नहीं टेक्निकल विंग द्वारा सभी स्थानों पर आवश्यक नेटवर्किंग को उपलब्ध करा दिया गया था। इसमें आवश्यक सॉफ्टवेयर और भारत सरकार की सामग्री भी शामिल है।

रोहित और विराट के एक साथ संन्यास लेने से स्तब्ध था : शमी

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां) ।

टी20 विश्व कप 2024 चैंपियन बनने के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली ने टी20 फॉर्मेट से संन्यास लेने की घोषणा की। इन दिग्गजों के एक साथ संन्यास लेने के फैसले से न सिर्फ क्रिकेट फैंस बल्कि तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी स्तब्ध हैं।

ब्रिजटाउन के केंसिंग्टन ओवल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की जीत के साथ भारत ने अपना दूसरा टी20 विश्व कप जीता। इसके बाद विराट कोहली को उनकी 59 गेंदों में 76 रन की पारी के लिए प्लेयर-ऑफ-द-मैच पुरस्कार दिया गया। फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए विराट ने कहा कि यह उनके अंतरराष्ट्रीय करियर का आखिरी टी20 था।

दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का अंत भारत के लिए इस प्रारूप में दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी के रूप में किया, उन्होंने 125 मैचों में 48.69 की औसत और 137.04 की स्ट्राइक रेट से 4188 रन बनाए।

इसके बाद, रोहित ने पोस्ट मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की कि वह भी अपना टी20 इंटरनेशनल करियर यहीं खत्म कर रहे हैं, उन्होंने 159 मैचों में 4231 रन बनाकर अपना टी20 करियर सबसे ज्यादा स्कोर करने वाले खिलाड़ी के रूप में समाप्त किया। उनके नाम पुरुषों के टी20 में सबसे ज्यादा शतकों का रिकॉर्ड भी है।

शमी ने कहा, रोहित शर्मा और विराट कोहली का टी20 से संन्यास लेना एक झटका था। वो भारत के लिए दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं, 15-16 सालों तक देश के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करते रहे और व्हाइट-बॉल क्रिकेट के बादशाह के रूप में खुद को स्थापित किया।

दोनों का एक साथ संन्यास लेना चौंकाने वाला है, लेकिन यह स्वाभाविक भी है। जब एक खिलाड़ी जाता है, तो दूसरा आता है। हालांकि, टीम में ऐसे सितारों की जगह लेना एक बड़ी चुनौती होगी। मैं रोहित और विराट दोनों को टीम के लिए मैच जीतने, भारत के लिए अद्भुत पारियां खेलने और इस दौरान रिकॉर्ड तोड़ने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

भारत की खिताबी जीत पर शमी ने टीम इंडिया और सहयोगी स्टाफ को जीत के लिए बधाई दी और पूरे अभियान के दौरान टीम का मनोबल बढ़ाने के लिए प्रशंसकों का आभार जताया।

शमी ने कहा, विश्व कप का हिस्सा बनने वाले खिलाड़ी भाग्यशाली होते हैं कि उन्हें यह अवसर मिलता है। केवल 10 प्रतिशत खिलाड़ियों को अपने जीवन काल में विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा बनने का मौका मिलता है।

भारत की जीत के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा फोन कॉल पर टीम इंडिया को बधाई देने पर शमी ने कहा, मैं वास्तव में सराहना करता हूं कि हमारे प्रधानमंत्री में खेल के लिए जुनून है और वे व्यक्तिगत रूप से टीम को उनकी जीत के बाद बधाई देते हैं। इससे वास्तव में टीम का आत्मविश्वास बढ़ता है।

न्यूज ब्रीफ

खिलाड़ियों की रवानगी से पहले विदाई समारोह में मांडविया बोले- भारत की पदक तालिका में होगा सुधार

नई दिल्ली । पेरिस ओलंपिक की शुरुआत 26 जुलाई से होगी। इससे पहले पेरिस जाने वाले एथलीटों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने आगामी टूर्नामेंट में भारतीय दल द्वारा नया मानदंड स्थापित करने की उम्मीद जताई गई। इस बात पर जोर दिया गया कि हाल के वर्षों में सरकार के लिए खेल प्राथमिकता रहे हैं। इस विदाई समारोह में एथलीटों, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में खेलों से पहले एथलीटों के समर्थन में सरकार की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के बारे में बताया गया। मांडविया ने पेरिस जाने वाले एथलीटों की औपचारिक विदाई और किट के अनावरण के दौरान कहा, मुझे विश्वास है कि यह दल खेलों में भारत के विकास को बनाए रखेगा। हमने 2016 रियो में दो पदकों से बढ़कर तोक्यो में सात पदक हासिल किए। नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक से भारत तालिका में 67वें से 48वें (स्थान) पर पहुंच गया। मुझे उम्मीद है कि हमारे एथलीट हमें इस बार पदक तालिका में और भी ऊपर ले जाएंगे। पेरिस जाने वाले भारतीय दल की तीन किट (औपचारिक पोशाक, खेल पोशाक, और यात्रा पोशाक) का अनावरण किया गया। मांडविया ने आगे कहा, यह कार्यक्रम सिर्फ किट और औपचारिक पोशाक के अनावरण के बारे में नहीं है, बल्कि उन अरबों भारतीयों के सपनों और आकांक्षाओं का प्रतीक है जो एथलीटों के पीछे एकजुट हैं। आईओए प्रमुख उषा ने कहा कि पेरिस में एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ सहायता प्रणाली प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा, हमने डॉ. दिनशॉ पारदीवाला के नेतृत्व में एक मजबूत टीम इकट्ठी की है। इसमें खेल चिकित्सा विशेषज्ञ, कल्याण विशेषज्ञ, पोषण विशेषज्ञ, फिजियोथेरेपिस्ट और एक नींद वैज्ञानिक शामिल हैं। भारतीय दल में करीब 120 एथलीट शामिल हैं, जिनमें भाला फेंक में ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, 16 सदस्यीय पुरुष हॉकी टीम और रिकॉर्ड 21 निशानेबाज शामिल हैं।

दक्षिण अफ्रीकी टीम अब भी बदल नहीं पाई दबाव में बिखरने की आदत क्लूजनर से क्लासेन तक वही कहानी टीम ने फिर दोहराई

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीकी टीम एक बार फिर दबाव में बिखरने के मिथक को गलत साबित नहीं कर पायी है। टीम को लेकर बड़े मुकाबले में दबाव के बीच बिखरने की जो बातें कहीं जाती रही हैं। वे एक बार फिर टी20 विश्वकप में सही साबित हुई हैं। दक्षिण अफ्रीकी टीम इस टूर्नामेंट में सभी मैच जीतकर फाइनल में पहुंची थी पर इसे बाद भी उसे करीबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा। इस हार से दक्षिण अफ्रीकी प्रशंसकों के मस्तिष्क में लांस क्लूजनर की यादें फिर ताज हो गयी हैं। ये भी साफ हो गया है कि क्लूजनर से हेनरिक क्लासेन तक हालात नहीं बदले हैं। इसी कारण उसने हाथ में आया हुआ मैच खो दिया। दक्षिण अफ्रीकी टीम को अंतिम 30 गेंदों पर 30 रन की जरूरत थी और 6 विकेट हाथ में थे। उस समय हेनरिक क्लासेन आक्रामक बल्लेबाजी कर रहे थे।

आईएल टी20 क्रिकेट लीग में खेलेंगे नरेन , रसेल ओर बोल्ट जैसे दिग्गज

दुबई । संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में टी20 अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग अगले साल की शुरुआत में होगी। इस लीग के 13 जनवरी से शुरु होने की संभावना है। इसमें अंतराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने वाले खिलाड़ी ही खेल सकते हैं। ऐसे में इसमें दिग्गज क्रिकेटर सुनील नरेन, आंद्रे रसेल , ट्रेंट बोल्ट, एलेक्स हेल्स, मोईन अली, वनिंदु हसरंगा आदि खेलते हुए नजर आयेंगे। इसमें 6 टीमें भाग लेंगीं और 34 मैच खेले जाएंगे। इसमें सभी टीमें एक-दूसरे के खिलाफ दो-दो मैच खेलेंगी। इसके बाद प्लेऑफ मुकाबले होंगे। इस लीग के दौरान ही दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और बांग्लादेश में टी20 लीग खेली जाएंगी। दक्षिण अफ्रीका की एसए 20लीग 10 जनवरी से 11 फरवरी तक खेली जानी है। वहीं ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग दिसंबर में शुरू होकर 4 फरवरी तक चलेगी जबकि पाक की पीएसएल लीग 9 फरवरी से शुरू हो रहा है।

भयंकर तूफान, एयरपोर्ट बंद, लैंड स्लाइड की चेतावनी... हेरिकेन ने बारबाडोस में मचाई तबाही, कब और कैसे आएगी टीम इंडिया

ब्रिजटाउन, 01 जुलाई (एजेंसियां) ।

बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल स्टेडियम में टीम इंडिया ने इतिहास रचा। उसने साउथ अफ्रीका को रोमांचक फाइनल में 7 रन से हराने के बाद दूसरी बार टी20 विश्व कप की ट्रॉफी उठाते हुए 140 करोड़ भारतीय क्रिकेट फैंस का सपना पूरा किया। टीम इंडिया लगभग 3 महीने से क्रिकेट खेल रही है। खिलाड़ी टी20 विश्व कप खेलने से लगभग 2 महीने तक आईपीएल 2024 खेले और देखा जाए तो इस दौरान वे कभी कभार ही घर गए। अब जब विश्व विजेता होने की जंग जीत ली है तो खिलाड़ी स्वदेश आने को बेसब्र होंगे, लेकिन उनकी राह में सबसे बड़ा रुकावट तूफान हेरिकेन रोड़ा बनी।

हेरिकेन बेरिल ने मचाई तबाही, बारबाडोस में होटल में बंद टीम इंडिया

हेरिकेन बेरिल के तेज होने के कारण बारबाडोस हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है, जिसके कारण भारतीय क्रिकेट टीम को अपने होटल के अंदर ही रहना पड़ रहा है। खबर आई थी कि 29 जून को टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के द्वीप राष्ट्र में फंसने की संभावना है। बेरिल के पहुंचने की उम्मीद थी। बेरिल के बारबाडोस में पहुंचने के बाद इसके गंभीर परिणाम होने की आशंका है। रिपोर्ट की मानें तो दूसरा सबसे गंभीर तूफान है।

कर्फ्यू जैसा माहौल, 6 से 9 फीट ऊंची तूफानी लहर का अनुमान

बारबाडोस हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया है और कर्फ्यू जैसी स्थिति है, क्योंकि किसी को भी बाहर निकलने की अनुमति नहीं है। टीम इंडिया के खिलाड़ी होटल में फंसे हैं और लाइन में लगकर खाना खाते नजर आए। वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, बेरिल के 130 मील प्रति घंटे से अधिक की हवाओं के साथ विंडवर्ड द्वीप समूह से टकराने की उम्मीद है।

तूफान केंद्र ने 6 से 9 फीट ऊंची तूफानी लहर और 3 से 6 इंच तक बारिश का अनुमान लगाया है। बारबाडोस में 2004 के बाद सबसे खतरनाक तूफान मौसम विभाग के अनुसार, तूफान के कारण बारबाडोस और विंडवर्ड द्वीप समूह में 3 से 6 इंच बारिश होने की उम्मीद है। बेरिल का ग्रेनेडा और सेंट विंसेंट और ग्रेनेडाइंस के विंडवर्ड द्वीप समूह के पास से गुजरना एक शक्तिशाली कैटिगरी 4 तूफान के रूप में इसे 2004 में आए तूफान इवान के बाद से सबसे शक्तिशाली तूफान बना देगा।

एजेंसी ने कहा कि टोबैगो को रेड लेवल की चेतावनी के तहत रखा गया था। सबसे अधिक खतरा त्रिनिदाद और टोबैगो को है।

बारबाडोस की प्रधानमंत्री मिया अमोर मोटली ने द्वीप पर सभी गैर-जरूरी व्यवसायों को बंद करने का आग्रह किया था। बारबाडोस मौसम विज्ञान सेवाओं ने कहा कि बेरिल का केंद्र किसी समय द्वीप के लगभग 75 मील दक्षिण में से गुजरने की उम्मीद है। तूफानी हवाएं, भारी बारिश, बाढ़ और लैंड स्लाइड जैसी गंभीर स्थिति आ सकती है।

बारबाडोस में ऐसा रहा है तूफानों का इतिहास उल्लेखनीय है कि यह अब अटलांटिक महासागर का तीसरा सबसे जल्दी आने वाला प्रमुख तूफान है। सबसे पहले 8 जून, 1996 को तूफान अल्मा आया था, उसके बाद तूफान ऑड्रे आया, जो 27 जून, 1957 को प्रमुख तूफान की स्थिति में पहुंच गया था। इस तूफान ने जून में उष्णकटिबंधीय अटलांटिक में बनने वाले सबसे पूर्वी तूफान का रिकॉर्ड पहले ही बना लिया है, जिसने 1933 में बनाए गए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। मध्य और पूर्वी अटलांटिक पारंपरिक रूप से अगस्त में ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं, आंशिक रूप से इसलिए क्योंकि महासागर के तापमान को गर्म होने और विकासशील प्रणालियों को बढ़ावा देने का समय मिल जाता है।

आईसीसी की विश्वकप टीम ऑफ द टूर्नामेंट में रोहित सहित छह भारतीय खिलाड़ी शामिल

दुबई, 01 जुलाई (एजेंसियां) ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने विश्वकप की टीम ऑफ द टूर्नामेंट की घोषणा कर दी है। इसमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या सहित छह भारतीय खिलाड़ियों को जगह मिली है। हैरानी की बात ये है कि इसमें भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को जगह नहीं मिली है जबकि विराट ने टी20 विश्वकप के फाइनल में शानदार पारी खेलते हुए 76 रन बनाये थे। आईसीसी की इस टीम में भारत की ओर से कप्तान रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, के अलावा ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और अर्शदीप सिंह व जसप्रीत बुमराह और अक्षर पटेल को भी शामिल किया गया है। अफगानिस्तान के 3 खिलाड़ी, वेस्टइंडीज, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के 1-1 खिलाड़ियों को इस टीम में शामिल किया गया है।

वहीं दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्किया को 12वें खिलाड़ी के तौर पर रखा गया है। दक्षिण अफ्रीक के विश्वकप में 15 विकेट लिए थे।

रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने पहली बार विश्वकप जीता। रोहित ने इस टूर्नामेंट में 3 अर्धशतकों की सहायता से कुल 257 रन बनाए। वहीं विश्वकप फाइनल में शानदार बल्लेबाजी करने के अलावा डेडिड मिलर का कैच पकड़ कर मुकाबला भारतीय टीम की ओर करने वाले सूर्यकुमार यादव को भी टीम में जगह मिली है। जसप्रीत बुमराह ने विश्व कप में कसी हुई गेंदबाजी करते हुए 4.17 की इकोनोमी से रन दिए और 15 विकेट लिए। इसके अलावा युवा अर्शदीप सिंह ने 17 विकेट लेकर इस विश्व कप में रिकॉर्ड बनाया।

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मार्कस स्टोइनिस ने 169 रन बनाने के साथ साथ 10 विकेट भी चटकाए। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। पंड्या के प्रदर्शन भी गेंद और बल्ले से अच्छा रहा। इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। वहीं अफगानिस्तान की ओर से विश्वकप में शानदार शुरुआत करने वाले रहमनुल्लाह गुरबाज को भी इस टीम में रखा गया है। गुरबाज ने तीन अर्धशतकों की सहायता से 281 रन बनाए थे। गुरबाज ने 124.33 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये। इसके अलावा वेस्टइंडीज के विकेटकीपर निकोलस पूरन को भी इस टीम में शामिल किया गया है। निकोलस ने 228 रन बनाये और उनका स्ट्राइक रेट 146.15 रहा। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने 14 विकेट इस कारण उन्हें भी टीम में जगह मिली है। इसके अलावा अफगान तेज गेंदबाज फजहलक फारूकी ने इस विश्व कप में 17 विकेट लिए।

पंजाब के लिए गर्व का पल, तीन खिलाड़ियों को मिली देश की कमान, क्रिकेट-फुटबॉल और हॉकी की करेंगे कप्तानी

चंडीगढ़, 01 जुलाई (एजेंसियां) ।

भारत ने टी20 वर्ल्ड कप पर कब्जा कर लिया है। 13 साल बाद देश को विश्व कप मिला है। इस जीत से पूरे देश में खुशियां हैं। क्रिकेट टीम को हर कोई बधाई दे रहे हैं। सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। अर्शदीप सिंह के प्रदर्शन पर न सिर्फ पंजाब में पूरे देश में भी चर्चा हो रही है। इस बीच पंजाब के लिए एक और गर्व का पल सामने आया है।

पंजाब के तीन खिलाड़ियों को देश की कमान मिली है। तीनों खिलाड़ी अपनी-अपनी टीम की कप्तानी करेंगे। पंजाब के लिए यह ऐतिहासिक क्षण है। इससे पूरा पंजाब गर्व महसूस कर रहा है। इन खिलाड़ियों को मिली कमान बता दें कि कुछ महीने बाद भारतीय टीम जिम्बाब्वे दौरे पर जाएगी। इसके लिए टीम का ऐलान हो गया है। पंजाब के लाल शुभमन गिल को इसकी कमान मिली है। शुभगमन गिल भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे। वहीं, आगामी पेरिस ओलंपिक में हरमनप्रीत सिंह हॉकी टीम की कप्तानी करेंगे।

फुटबॉल टीम की कमान गुरबीर संधू संभालेंगे। पंजाब के लिए यह बड़ी उपलब्धि है। 6 जुलाई से मैच शुरू पेरिस ओलंपिक 2024 और पैरालंपिक खेल फ्रांस में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा। ओलंपिक खेल 26 जुलाई से 11 अगस्त तक होंगे। वहीं, भारतीय टीम का जिम्बाब्वे दौरा 6 जुलाई से शुरू होगा। इस दिन दोनों टीमें हरारे में पहले टी20 में आमने सामने होंगी। दूसरा टी20 सात जुलाई को हरारे में ही खेला जाएगा। तीसरा मैच 10 को, चौथा 13 को जबकि पांचवां और आखिरी टी20 मैच 14 जुलाई को खेला जाएगा।

अभिषेक शर्मा भी चमके खास बात है कि पंजाब के अभिषेक शर्मा को भी भारतीय क्रिकेट टीम में जगह मिली है। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए ओपनिंग करने वाले अभिषेक शर्मा ने आईपीएल 2024 में अपनी ताबतोड़ बल्लेबाज़ी से सभी को दीवाना बनाया था। मूल रूप से अमृतसर के रहने वाले अभिषेक शर्मा ने आईपीएल के 16 मैचों में 32.27 की औसत और 204.22 के बेहद ही शानदार स्ट्राइक रेट से 484 रन बनाए थे।

गाजीपुर के राजकुमार पाल का भारतीय हॉकी ओलंपिक टीम में सिलेक्शन, पेरिस में दिखाएंगे दमखम

गाजीपुर, 01 जुलाई (एजेंसियां) ।

पेरिस में होने वाले हॉकी ओलंपिक में गाजीपुर के राजकुमार पाल को भारतीय हाकी टीम से खेलने का मौका मिला है. गाजीपुर की सैदपुर के करमपुर गांव के रहने वाले राजकुमार पाल पहले हाकी खिलाड़ी हैं, जिनका चयन ओलंपिक टीम में हुआ है. राजकुमार को अब 2024 में पेरिस में हो रहे ओलंपिक खेलों में प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा. राजकुमार 16 सदस्यीय टीम में मिडफील्डर के तौर पर खेलेंगे. मेघबरन सिंह स्टेडियम के प्रबंधक अनिकेत सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी साझा की।

अनिकेत सिंह ने बताया कि मेघबरन सिंह स्टेडियम के दो खिलाड़ियों राजकुमार पाल और ललित उपाध्याय का चयन ओलंपिक के लिए हुआ है. ललित उपाध्याय मूलरूप से वाराणसी के रहने वाले हैं. ललित पिछले ओलपिंक में कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम का हिस्सा रहे. हालांकि ललित ने अपने कॅरियर की शुरुआत इसी स्टेडियम से की थी. वहीं गाजीपुर को राजकुमार पाल के रूप में पहला ओलंपियन मिला है. इसका श्रेय स्टेडियम के संस्थापक स्वर्गीय तेज बहादुर सिंह को जाता है। राजकुमार पाल के दो बड़े भाई जोखन पाल और राजू पाल इसी स्टेडियम के खिलाड़ी रहे हैं. फिलहाल वे स्पोर्ट्स कोटे से सरकारी नौकरी में हैं. राजकुमार पाल के कोच इन्द्रदेव ने बताया कि राजकुमार पाल ने 8 साल की उम्र से खेलना शुरू कर दिया था. बचपन से ही वह बहुत अनुशासित खिलाड़ी रहा है. राजकुमार के अंदर सीखने की ललक शुरू से ही थी. जिसकी वजह से वह लगातार आगे बढ़ता रहा और आज ओलंपिक में जाने वाले गाजीपुर का पहला खिलाड़ी बन गया है।

राजकुमार पाल पिछले चार साल से नेशनल टीम का हिस्सा हैं और इनके बेहतरीन खेल की वजह से ओलंपिक टीम में चयन किया गया है. इससे पहले कई अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं. 2020 में बेल्जियम के खिलाफ अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था. फिलहाल राजकुमार बेंगलुरु में ट्रेनिंग कैम्प अटेंड कर रहे हैं और ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं. 8 जुलाई को राजकुमार हॉलैंड जाएंगे और वहां कुछ प्रैक्टिस मैच खेलेंगे और वहीं से पेरिस के लिए रवाना हो जाएंगे।

जो हो गया उसे छोड़ो, गलतियों से सीखो, मजबूत होकर वापसी करोः सिंधु का ओलंपिक मंत्र

नई दिल्ली, 01 जुलाई (एजेंसियां) ।

पेरिस ओलंपिक में अब एक महीने से भी कम समय रह गया है, इसलिए उम्मीदें अपने चरम पर हैं और प्रशंसकों को उम्मीद है कि दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु इस चतुष्कोणीय ओलंपिक में पदकों की हैट्रिक पूरी करेंगी।

लेकिन, सिंधु की पेरिस यात्रा कठिन रही है क्योंकि चोट के कारण लंबी छुट्टी से वापस आने के बाद वह पिछले साल कोई भी खिताब जीतने में असफल रहीं। इस बीच, उन्होंने अपने दक्षिण कोरियाई कोच पार्क ताए-सांग से नाता तोड़ लिया और मलेशिया के हाफ़िज़ हाशिम को नियुक्त किया, लेकिन वांछित परिणाम प्राप्त करने में विफल रहने के कारण छह महीने बाद ही वह अलग हो गईं।

निराशाजनक नतीजों की श्रृंखला के कारण सिंधु विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 से भी बाहर हो गईं। उन्होंने धीरे-धीरे गति पकड़ी और रेस टू पेरिस रैंकिंग सूची में 12वें स्थान पर रहने के बाद लगातार तीसरे ओलंपिक के लिए स्थान पक्का कर लिया।

पेरिस गेम्स के लिए टिकट हासिल करने के बाद, सिंधु ने लगभग एक साल में अपना पहला फाइनल खेला जब वह पिछले महीने मलेशिया मास्टर्स के शिखर मुकाबले में पहुंची जहां वह चीन की वांग झी यी से खिताब हार गईं।

भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा एक मीडिया बातचीत में, जब सिंधु से पूछा गया कि जब वह अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर नहीं थीं, तब उन्होंने उस चुनौतीपूर्ण चरण का सामना कैसे किया, तो उन्होंने कहा कि गलतियों से सीखना, जो हुआ उसे छोड़ना और मजबूत होकर वापस आना महत्वपूर्ण है। देखिए, आप जानते हैं, मुझे लगता है कि ऐसे मैच होते हैं जहां कभी-कभी आप आगे रह सकते हैं और कभी-कभी आप हार भी सकते हैं। मलेशियाई मास्टर्स में मेरे साथ ऐसा हुआ था। ऐसा नहीं है कि मैं अच्छी स्थिति में नहीं थी, लेकिन मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ खेला और कभी-कभी आप नेतृत्व कर रहे होते हैं और ऐसा होता है और यह ठीक है, मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है। एक सवाल के जवाब में कहा, मेरे लिए जब मैं कोई मैच हार जाती हूं या जब आपके सामने कोई और प्रतियोगिता आने वाली होती है, तो मुझे लगता है कि यह महत्वपूर्ण है कि आप अपनी गलतियों से सीखें और मजबूत होकर वापस आएं और जो हो गया उसे छोड़ दें और सिर्फ अगले टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करें। मेरा मतलब है, हर कोई एक-दूसरे के खेल को जानता है। बात सिर्फ इतनी है कि उस दिन, जो अच्छा खेलता है और सर्वश्रेष्ठ देता है वह विजेता होता है। इसलिए, मलेशिया मास्टर्स में जो हुआ है, मुझे पता है कि यह थोड़ा दुखद है कि मैं वह जीत हासिल कर सकती थी। मैं 11-3 से आगे थी, यह सिर्फ उन 11 अंकों की बात है और मैं चैंपियनशिप जीत सकती थी लेकिन मुझे लगा कि यह मेरा दिन नहीं था क्योंकि मैंने सब कुछ किया और यह काम नहीं आया, लेकिन, यह ठीक है, मैंने जीत हासिल की, कुछ गलतियों से बहुत कुछ सीखा। इस जनवरी में सिंधु ने पेरिस 2024 से पहले अपने नए गुरु प्रकाश पादुकोण के करीब रहने के लिए अपना आधार हैदराबाद से बेंगलुरु स्थानांतरित कर लिया और अपने नए इंडोनेशियाई कोच एगस सांतोसो के साथ प्रशिक्षण शुरू किया। सांतोसो को भारत में कोचिंग का पूर्व अनुभव है। उन्होंने 2020 और 2021 में किदांबी श्रीकांत और बी साई प्रणीत सहित भारतीय एकल खिलाड़ियों के कोच के रूप में कार्य किया और टोक्यो 2020 ओलंपिक के लिए भारतीय बैडमिंटन दल के साथ थे। सिंधु ने कहा, मैं जनवरी से एगस के साथ खेल रही हूं, जाहिर है, कुछ महीने पहले और अब तक यह अच्छा रहा है। एक कोच और एथलीट को एक-दूसरे को समझने में निश्चित रूप से समय लगता है। इसलिए हम इस पर काम कर रहे हैं और एगस पहले से ही पुरुष (एकल) के लिए भारत में थे इसलिए वह जानते हैं कि यह कैसे काम करता है, यह पहली बार है जब मैं और एगस एक साथ काम कर रहे हैं और यह बहुत मजेदार रहा है।

संपादकीय

आपातकाल के जिक्र से कांग्रेस को परेशानी क्यों?

संविधान की प्रति हाथ में लेकर 'संविधान हितैषी' होने का दावा करनेवाले कांग्रेस के नेता संविधान और लोकतंत्र की हत्या के उदाहरण 'आपातकाल' के जिक्र से परेशान क्यों हो रहे हैं? यदि सही अर्थों में उन्हें संविधान और लोकतंत्र की चिंता है, तब उन्हें आपातकाल के जिक्र पर नाराज होने की बजाय कहना चाहिए कि आपातकाल जैसी भयंकर गलती किसी को नहीं दोहरानी चाहिए। एक ओर कांग्रेसी नेता यह भी दावा करते हैं कि आपातकाल थोपने के लिए स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश से माफी माँगी थी और राहुल गांधी भी माफी माँग चुके हैं। यदि कांग्रेस मानती है कि आपातकाल संविधान और लोकतंत्र पर हमला था, तब उसकी 50वीं बरसी पर लोकसभा अध्यक्ष द्वारा प्रस्ताव रखने का विरोध क्यों किया जा रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर आपातकाल पर प्रस्ताव लाने का विरोध किया है। इसी प्रकार, जब राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने अपने अभिभाषण में आपातकाल का जिक्र किया, तो उसके बाद से कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर ही विवाद खड़ा करने की कोशिशें कर रहे हैं। सवाल उठाया जा रहा है कि 50 वर्ष पुराने मुद्दे को भाजपा क्यों उखाड़ रही है? यह अतार्किक सवाल है। इतिहास का जिक्र इसलिए भी होता है ताकि वर्तमान पीढ़ी उससे सीख ले सके। जब कांग्रेस दावा कर रही है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार संविधान को बदलना चाहती है और उन्होंने देश में अघोषित आपातकाल लगा रखा है, तब यह बताया जाना आवश्यक हो जाता है कि आपातकाल क्या होता है? पूर्व प्रधानमंत्री एवं कांग्रेस की प्रेरणा स्रोत इंदिरा गांधी द्वारा थोपे गए आपातकाल में किस प्रकार आम नागरिकों के संवैधानिक एवं मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे? किस तरह छोटी-छोटी बातों के लिए लोगों को गिरफ्तार करके जेल में डाला गया था? इंदिरा गांधी की जरा-सी आलोचना करने पर आलोचक को किस प्रकार की यातनाएं झेलनी पड़ती थीं? यह सब जब देश के सामने आएगा, तब ही तो पता चलेगा कि आपातकाल का अर्थ क्या होता है? अन्यथा कांग्रेस सहित विपक्षी दल 'अघोषित आपातकाल' का झूठा विमर्श खड़ा करते रहेंगे। संविधान लहराकर उसकी रक्षा करने का दावा करनेवालों ने किस प्रकार संविधान की आत्मा की हत्या की है, यह तथ्य भी तो जनता के सामने समय-समय पर आते रहने चाहिए। आपातकाल का लाभ लेकर कम्युनिस्टों के सहयोग से कांग्रेस ने संविधान की प्रस्तावना ही बदल दी, जिसे संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने 'संविधान की आत्मा' कहा था। इसके अतिरिक्त कितने ही संविधान संशोधन करके उसके मौलिक स्वरूप को बदलने का प्रयास कांग्रेस की सरकारों ने किया है। संविधान और लोकतंत्र पर जब भी बात होगी, तब इतिहास से अनेक उदाहरण जनता के सामने रखे जाएंगे, यह स्वाभाविक ही है। राजनीति में ऐसा नहीं हो सकता कि कांग्रेस दूसरों पर जो चाहे आरोप लगाए और दूसरा पक्ष उसे आईना भी न दिखाए। और फिर आपातकाल के संबंध में तो विशेष प्रसंग बन गया है। आपातकाल थोपे जाने की घटना को 50 वर्ष हो रहे हैं, ऐसे में विशेष प्रयोजन करके जनता को आपातकाल के पीड़ादायक अध्याय से परिचित कराना ही चाहिए। साथ ही कांग्रेस ने जब संविधान पर बहस शुरू ही कर दी है तब संविधान और लोकतंत्र की हत्या से जुड़े इस दुर्भाग्यपूर्ण अध्याय का जिक्र होना स्वाभाविक ही है। कांग्रेस को चाहिए कि वह आपातकाल के जिक्र पर परेशान होने की अपेक्षा धैर्य रखकर पश्चाताप करे।

'संविधान हितैषी' होने का दावा करनेवाले कांग्रेस के नेता संविधान और लोकतंत्र की हत्या के उदाहरण 'आपातकाल' के जिक्र से परेशान क्यों हो रहे हैं? यदि सही अर्थों में उन्हें संविधान और लोकतंत्र की चिंता है, तब उन्हें आपातकाल के जिक्र पर नाराज होने की बजाय कहना चाहिए कि आपातकाल जैसी भयंकर गलती किसी को नहीं दोहरानी चाहिए। एक ओर कांग्रेसी नेता यह भी दावा करते हैं कि आपातकाल थोपने के लिए स्वयं पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश से माफी माँगी थी और राहुल गांधी भी माफी माँग चुके हैं। यदि कांग्रेस मानती है कि आपातकाल संविधान और लोकतंत्र पर हमला था, तब उसकी 50वीं बरसी पर लोकसभा अध्यक्ष द्वारा प्रस्ताव रखने का विरोध क्यों किया जा रहा है? नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर आपातकाल पर प्रस्ताव लाने का विरोध किया है। इसी प्रकार, जब राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने अपने अभिभाषण में आपातकाल का जिक्र किया, तो उसके बाद से कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर ही विवाद खड़ा करने की कोशिशें कर रहे हैं। सवाल उठाया जा रहा है कि 50 वर्ष पुराने मुद्दे को भाजपा क्यों उखाड़ रही है? यह अतार्किक सवाल है।

राहुल को देशभर में निकाली गई यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है

राहुल गांधी का कद भी बढ़ा एवं राजनीतिक कौशल भी

ललित गर्ग

दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा।

राहुल गांधी लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता बन गये हैं, यह उनका पहला संवैधानिक पद है, इससे पहले वे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे हैं। इस बड़े पद के साथ उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ जायेंगी। दस वर्षों बाद लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद मिला है। वैसे इस बार के चुनाव एवं चुनाव में मिली शानदार जीत के बाद राहुल गांधी का न केवल आत्मविश्वास बढ़ा है, बल्कि उनमें राजनीतिक कौशल एवं परिपक्वता भी देखने को मिल रही है, इससे यह प्रतीत होता है कि वे प्रतिपक्ष नेता के पद के साथ न्याय करते हुए अपनी राजनीति को चमकायेंगे एवं रसातल में जा चुकी कांग्रेस को सुदृढ़ करेंगे। वैसे देखा गया है कि प्रतिपक्ष के नेता बनने वाले अधिकांश लोग प्रधानमंत्री तक पहुंचे हैं। लेकिन राहुल गांधी को इसके लिये अभी लम्बा संघर्ष करना होगा, परिपक्व राजनीति एवं देश के प्रति अपनी जिम्मेदारी को साबित करना होगा। निश्चित ही राहुल गांधी का कद बढ़ा है और अब वे स्वल्प समय में ही कद्दावर नेता की तरह राजनीति करने लगे हैं। राहुल को देशभर में निकाली यात्राओं एवं चुनाव प्रचार में निभाई सशक्त भूमिका ने मजबूती दी है। राहुल की राजनीति को चमकाने में कन्याकुमारी से कश्मीर तक की 'भारत जोड़ो यात्रा' के अलावा मणिपुर से मुंबई तक की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अब प्रतिनेता के रूप में उनकी एक नई यात्रा शुरु हो रही है जो उन्हें नई राजनीतिक ऊंचाई दे सकती है। देश को 10 साल बाद राहुल गांधी के रूप में विपक्ष का नेता मिला है, जो संसदीय राजनीति के लिए एक अच्छी खबर है। इससे लोकतंत्र को मजबूती मिलेगी एवं जनता की आवाज को जोरदार तरीके से उठाने एवं सरकार की नीतियों-योजनाओं पर तीखी नजर रखने एवं प्रभावी सवाल उठाने की स्थितियों को बल मिलेगा। लेकिन विपक्ष की नुमाइंदगी का मतलब यह नहीं कि वह हर मामले में सत्ता पक्ष के खिलाफ हो, बल्कि यह है कि वह हमेशा जनता के साथ हो और उसकी ओर से मुद्दे उठाए। नेता प्रतिपक्ष पद से सरकार के साथ ही विपक्ष पर भी जवाबदेही का दबाव बढ़ता है। राहुल की सुविधाएं बढ़ने के साथ जिम्मेदारियां भी बढ़ गयी है। 16वीं और 17वीं लोकसभा में कांग्रेस या अन्य विपक्षी दलों के पास इस पद के लिए आवश्यक 10 प्रतिशत सदस्य नहीं थे। कांग्रेस

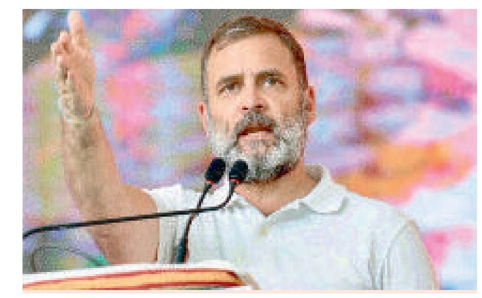

ने इस बार लोकसभा चुनाव में 99 सीट जीतकर इस पद को हासिल किया है। नेता प्रतिपक्ष के तौर पर राहुल गांधी केंद्रीय सतर्कता आयोग, केंद्रीय सूचना आयोग और राष्ट्रीय मानवाधिकार से जुड़े चयन के अलावा लोकपाल, मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्तों, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) निदेशक जैसी प्रमुख नियुक्तियों पर महत्वपूर्ण पैनल के सदस्य भी होंगे। प्रधानमंत्री इन पैनल के प्रमुख होते हैं। नेता प्रतिपक्ष के रूप में राहुल गांधी को लोकसभा में पहली पंक्ति में सीट मिलेगी। यह सीट डिप्टी स्पीकर की सीट के बगल वाली होगी। इसके अलावा संसद भवन में सचिवीय तथा अन्य सुविधाओं से युक्त एक कमरा भी मिलेगा। विपक्ष के नेता को औपचारिक अवसरों पर कुछ विशेषाधिकार भी प्राप्त होते हैं। एक केन्द्रीय मंत्री को मिलने वाली सभी सुविधाएं राहुल गांधी को मिलेगी। राहुल गांधी इस बार उत्तर प्रदेश के रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से निर्वाचित हुए हैं। इससे पहले वह लोकसभा में केरल के वायनाड और उत्तर प्रदेश के अमेठी का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। वह पांचवीं बार लोकसभा पहुंचे हैं। इस बार के लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस पार्टी को पुनर्जीवन दिया है। इस बार के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल को मनोवैज्ञानिक लाभ पहुंचाया है, जो उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि बनी है। इससे कांग्रेस ने अपना आत्मविश्वास फिर से पा लिया है, जो कोई छोटी बात नहीं। और यह राहुल और प्रियंका गांधी की गतिविधियों में साफ झलकता है। साथ ही, अब इस बात को लेकर भी कांग्रेस में कोई दुविधा नहीं रह गई है कि गांधी परिवार ही सर्वोच्च है और पार्टी पर उसका पूरा नियंत्रण होगा। इसका यह भी मतलब है कि टीम-राहुल का सभी मामलों में फैसला अंतिम होगा। पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने के बाद से राहुल के पास कांग्रेस की कोई जिम्मेदारी नहीं थी। सदन के भीतर पहली बार वह कोई पद संभालने जा रहे हैं। ऐसे में राहुल के सामने चुनौती होगी कि वह किस तरह पूरे विपक्ष को साथ लेकर चलते हुए रचनात्मक विरोध की भूमिका को आकार देते हैं। कांग्रेस का सबसे बड़ा काम दलित और पिछड़े मतदाताओं ने यूपी में जो उनकी मदद की है, उनका विश्वास बनाए रखने का है। यह बड़ी सचाई है कि आज भी देश के महत्त्व के राज्यों में भाजपा को क्षेत्रीय दल शिकस्त दे रहे हैं। अगर क्षेत्रीय दलों के साथ कांग्रेस का गठजोड़ बना रहे, तो ही भाजपा पर दबाव आएगा। बड़ा सच यह भी है कि न भाजपा बदली है ना उसकी विचारधारा। भाजपा एवं नरेन्द्र मोदी को भले ही चुनावों में पूर्ण बहुमत न मिला हो, लेकिन वह ही आज ताकतवर है। यह भी समझना होगा कि भाजपा विपक्ष की ताकत से नहीं, बल्कि सरकार की बड़ी गलतियों एवं पार्टी के अति उत्साह से नुकसान में पहुंची है। यह भी एक तथ्य है कि मुस्लिमों के सक्रिय-समर्थन के बिना कांग्रेस को कामयाबी नहीं मिल सकती थी। निश्चित ही मुसलमानों के वोट की अहमियत कुछ-कुछ सीटों पर हार-जीत का फैसला कर गई है। भाजपा अपनी आगे की रणनीति इसी आधार पर बनाएगी और वो पिछले चुनावों के जैसी ही होगी। मतलब कि भाजपा कोई नई भाषा नहीं बोलने वाली है। वह आरोप लगाती रहेगी कि कांग्रेस अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण करती है। कांग्रेस के सामने चुनौती होगी कि वो इस आरोप को अपने पर आने न दे, ताकि भाजपा हिंदुओं के हितों की एकमात्र रक्षक है, ऐसा दावा ना कर सके। कांग्रेस को इस हिंदू-मुस्लिम राजनीतिक बवंडर से बचने के लिये अपनी रणनीति को बनाना होगा। बिना हिन्दू वोट के कांग्रेस सफल राजनीतिक पारी नहीं खेल सकती है। इसके साथ ही कांग्रेस को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सफलता और निष्फलता का सही आकलन कर लेना जरूरी है। जनता के समक्ष अपना आत्मविश्वास बढ़ाए रखना अच्छी बात है, लेकिन मोदी आज जिस जमीन पर खड़े हैं, जनता के बीच उनकी जो स्वीकार्यता है उसका सही आकलन करना कांग्रेस की आगे की रणनीति के लिए बेहद जरूरी होगा।

दृष्टि कोण

पंजाब में आसन्न संकट की आहट

इस बार लोकसभा में भाजपा का सफाया हो गया और शिअद एक सीट, कांग्रोस 7 और आप को तीन सीटों पर कामयाबी मिली है। पंजाब के इस आसन्न संकट को देखते हुए केन्द्र सरकार को सुनियोजित तरीके से खालिस्तानियों पर नकेल कसने की रणनीति पर काम करना होगा, ताकि खालिस्तान के उनके ख्वाब को सदैव के लिए खत्म किया जा सके। पंजाब में आसन्न संकट की आहट गत 6 जून को 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' की चालीसवीं बरसी पर कईं खालिस्तान समर्थकों द्वारा अमृतसर स्थित 'हर मन्दिर साहिब/'स्वर्ण मन्दिर' में हर साल की तरह इस बार भी कट्टरपंथी अलगाववादी नेता जनरैल सिह भिण्डरावाले, हरदीप सिह निज्जर, क्षतिग्रस्त अकाल तख्त के चित्र लगी तथा खालिस्तान जिन्दाबाद लिखी तख्तियाँ उठाये, खालिस्तानी झण्डे लिए, 'खालिस्तान जिन्दाबाद' के नारे लगाये, इससे पहले 18वीं लोकसभा चुनाव में इस राज्य से खालिस्तान समर्थक दो निर्दलीय उम्मीदवारों की बडे अन्तर से जीत, यह पंजाब के भावी आसन्न संकट की आहट है। यह सब देखसुनकर पंजाब लोगों में से शायद ही किसी को वुछ आर्यं हुआ होगा। इसका कारण यह है कि पंजाब के लोग यहाँ की इस जमीनी सच्चाईं से भली-भाँति परिचित हैं। वे चाहकर भी इसका विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं। वैसे भी खालिस्तानी कईं तरह की हरकतों के जरिए इस राज्य में ये अपनी उपस्थिति दिखाते आए हैं, इसमें खालिस्तान समर्थकों द्वारा चुनाव लड़ना, ऑपरेशन ब्लू स्टार के दिन मातम मानना, दीवारों पर खालिस्तानी नारे लिखना या फिर अपना झण्डा फहराना रहा है। कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन समेत कईं देश उनके बड़े अड्डे बने हुए हैं। इनमें से कनाडा तो बेशमा से खुलकर उनकी हिमायत करता आ रहा है। इसी 12 जून को खालिस्तानियों ने इटली के पुगालिया में आयोजित जी-7 सम्मेलन से पहले महात्मा गाँधी की प्रतिमा खण्डित कर उसके नीचे अपने नेता हरदीप सिह निज्जर का नाम लिख दिया। इससे पहले ये कनाडा,अमेरिका में महात्मा गाँधी की प्रतिमाएँ तोड़ने के साथ-साथ हिन्दुओं के मन्दिरों पर खालिस्तानी नारे लिखने और लन्दन स्थित भारतीय उच्चायुत्त कार्यालय पर तोड़फोड़ कर चुके हैं,किन्तु वहाँ की पुलिस ने इनके खिलाफ अपेक्षित कार्रवाईं नहीं की है। इस बार के लोकसभा के चुनाव में खालिस्तान समर्थक प्रत्याशियों को चुनाव लड़न के लिए अमेरिका समेत दूसरे देशों से धन भी मिला है। 6 जून, 1984 को हुए ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद खालिस्तानियों के खत्मे के लिए चली मुहिम ने उनकी कमर जरूर तोड़ दी थी, पर वुछ लोगों की मन से अभी तक खालिस्तान का विचार/चाहत का अन्त नहीं हुआ है, क्योंकि लोभ या फिर भय के कारण देश की सभी सियासी परटियाँ इनके खिलाफ खुलकर बोलने से बचती आयी हैं। यहाँ तक कि वुछ परटियों का उन्हें मौन समर्थन भी मिलता रहा है और अब भी प्राप्त हो रहा है। इस साल के बरसी के कार्यंव्राम में खालिस्तान समर्थकों में अकाली दल (अमृतसर) के पूर्व सांसद सिमरनजीत सिह मान भी शामिल थे, जो संगरूर लोकसभा सीट से 26 जून, 2022 उपचुनाव में जीते थे, पर इस बार इन्हें आप के प्रत्याशी गुरमीत सिह हेयर ने हरा दिया है। ये न केवल चुनाव हार गए हैं, बल्कि तीसरे स्थान पर रहे हैं। इन्होंने ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में 'भारतीय पुलिस सेवा' (आइ.पी.एस.) से त्यागपत्र दिया था। पूर्व सांसद ध्यान सिह मण्ड के गुट समेत विभिन्न संगठनों के कार्यंकर्ताओं ने सिखों की सर्वोच्च संस्था अकाल तख्त पर नारे लगाये। अलगाववादी नेता जनरैल सिह भिण्डरावाले कट्टरपंथी सिख संगठन दमदमी टकसाल का प्रमुख था। 6 जून, 1984 को पंजाब में जनरैल सिह भिण्डरावाले के नेतृत्व में सिख उग्रवाद को रोकने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी के आदेश पर भारतीय सेना द्वारा स्वर्ण मन्दिर पर धावा बोला गया। भिण्डरावाले ने स्वर्ण मन्दिर परिसर में भारी मात्रा में घातक हथियार जमा किये हुए थे। स्वर्ण मन्दिर परिसर में उग्रवादियों को बाहर निकालने के लिए ऑपरेशन ब्लू स्टार के दौरान वह अपने हथियारबद्ध अनुयायियों के साथ मारा गया था। अब जनरैल सिह भिण्डरावाला सरीखा दिखने वाला अमृतपाल सिंह देशद्रोह के आरोप में 'राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम' (एनएसए) में गिरतार और इस समय असम की डिब्रूगढ़ जेल में बन्द है। उसने जेल में रहकर पंजाब की खडूर साहिब लोकसभा सीट से काँग्रेस के प्रत्याशी वुलबीर सिह जीरा को 1.97 मतों से जीत हासिल की है। इसके अलावा प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गाँधी के अंगरक्षक रहे और उनके हत्यारे बेअन्त सिह का बेटा सरबजीत सिह खालसा फरीदकोट साहिब लोकसभा (सुरक्षित सीट) से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीता है।

कुछ अलग

चीन द्वारा मानव अधिकारों का उल्लंघन

हांगकांग में लोकतंत्र की हत्या, ऊइगर मुसलमानों पर अत्याचार एवं हांगकांग के मीडिया मुगल जैक मा को हिरासत में लिए जाने को लेकर चीन की भत्र्सना की जा रही है। कहा जा रहा है कि चीन अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन में अपनी जनता के मानव अधिकारों का हनन कर रहा है। इस संदर्भ में 1948 में संयुक्त राष्ट्र द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानव अधिकार घोषणा पत्र की धाराओं पर पुनर्विचार करना चाहिए। घोषणा पत्र की धारा 29 में व्यक्ति के अधिकारों को प्राथमिक बताया गया है यद्ापि यह भी कहा गया है कि व्यक्ति के अधिकारों को समाज के हित में सीमित किया जा सकता है। लेकिन प्राथमिकता व्यक्ति के अधिकारों की ही बनी रहती है। इसका अर्थ यह हुआ कि व्यक्ति विशेष समाज के हितों के विपरीत तब तक काम कर सकता है जब तक सरकार उसके अधिकारों को सीमित न करें। जैसे छात्रों को सिखाया जाए कि चोरी तब तक की जा सकती है जब तक पुलिस न पकड़े। यह न सिखाया जाए कि चोरी करना गलत है। इसी प्रकार घोषणा पत्र कहता है कि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत हितों को तब तक बढ़ा सकता है जब तक समाज उसे न रोके। चाणक्य ने कहा था कि व्यक्ति को परिवार के लिए, परिवार को गांव के लिए और गांव को देश के लिए त्याग देना चाहिए। मानव अधिकार घोषणा पत्र इसके ठीक विपरीत है। व्यक्ति को प्राथमिक रखा गया है जबकि चाणक्य के अनुसार गांव और देश को प्राथमिक रखा जाना चाहिए। इसलिए इस धारा पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। घोषणा पत्र की धारा 29.1 में कहां गया है कि व्यक्ति का समाज के प्रति दायित्व है लेकिन इस दायित्व का निर्वाह करना व्यक्ति के लिए अनिवार्यं नहीं है। इसलिए व्यक्ति द्वारा समाज के प्रति अपने दायित्व का निर्वाह न भी किया जाए तो भी वह अपने व्यक्तिगत अधिकारों की मांग कर सकता है जैसा कि आतंकवादी करते हैं। इसका परिणाम यह है कि जो व्यक्ति समाज के विपरीत काम करते हैं उनके अधिकारों की रक्षा की जाती है और उनके समाज के विपरीत कार्यो को पर्दे के पीछे छिपा दिया जाता है। घोषणा पत्र की धारा 29.3 में कहा गया कि संयुक्त राष्ट्रीय के सिद्धांतों के विरुद्ध कोईं व्यक्ति कार्यं नहीं करेगा। अब विचार कीजिए कि संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों में एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य होंगे जिनके पास वीटो पॉवर होगा। शेष 200 देशों को नीचा दर्जा दिया गया है। इसलिए इस असमानता के विरुद्ध आवाज उठाना मानव अधिकार घोषणा पत्र के विपरीत है। एक तरफ घोषणा पत्र संपूर्ण विश्व के नागरिकों के समान अधिकार की बात करता है और वही घोषणा पत्र दूसरी तरफ वुछ विशेष देशों के विशेष अधिकारों को सुरक्षित करता है और संपूर्ण विश्व को इस असमानता के प्रति आवाज उठाने से भी मना करता है। घोषणा पत्र की एक प्रमुख विसंगति आर्थिक असमानता को पुष्ट करने की है। धारा 13 में कहा गया कि किसी भी व्यक्ति को अपने देश की सीमा में यात्रा का अधिकार होगा। धारा 21.2 में कहा गया कि देश की सीमाओं में व्यक्ति को सार्वजनिक सुविधाओं के उपयोग का अधिकार होगा। धारा 22 में कहा क्या कि हर व्यक्ति को देश की सीमा में सामाजिक सुरक्षा जैसे रोटी, कपड़ा और मकान का अधिकार होगा। प्रश्न यह है यदि संपूर्ण विश्व एक ही है तो इन आर्थिक अधिकारों को देश की सीमा में क्यों बांध दिया गया? यानि राजनीतिक अधिकारों में संपूर्ण विश्व एक है। विषय महत्वपूर्ण है क्योंकि राजनीतिक अधिकारों को अंतर्राष्ट्रीय बनाने से अमीर देशों को गरीब देशों में दखल करने का अवसर मिल जाता है जबकि आर्थिक अधिकारों को सीमा के अंदर बांध देने से अमीर देश अपनी अमीरी को सुरक्षित रख सकते हैं। इस पृष्ठभूमि में हमें चीन द्वारा मानव अधिकारों के हनन को समझना चाहिए।

देश दुनिया से

नीट सहित अहम प्रतियोगिताओं में पेपर लीक मामले दुर्भाग्यपूर्ण

पेपर लीक की समस्या सिर्प उत्तर प्रदेश या बिहार जैसे पिछडा समझे जाने वाले राज्यो तक ही सीमित ही नही है। पेपर लीक की समस्या एक महामारी की तरह एक संगठित रूप से संचालित मशीनरी की तरह काम कर रही है, जिसमे छात्र माफिया, कोचिग सेंटर, प्रिसिपल और अधिकारी तक शामिल है। जम्मू से लेकर उत्तर प्रदेश, कर्नाटक से लेकर गुजरात और अरुणाचल प्रदेश तक पिछले 5 वषरे मे पेपर लीक के 41 मामलो की आधिकारिक मामलो मे पुष्टि हुईं है। महामारी की तरह पैली हुईं इस बीमारी को रोकने मे शिक्षा बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग और अन्य भता एजेंसिया पूरी तरह से असफल हुईं है। पता चला है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अध्यादेश की जरिये इन मामलो को रोकने के लिए आजीवन कारावास-समेत एक करोड़ रुपए तक के फाइन का प्रावधान कर दिया है, अब देखना है कि इतनी सख्त सजा के प्रावधान के बावजूद परीक्षाओं के पेपर लीक के मामलो मे कमी आयेगी या नही।

अभी आम चुनावों से वुछ माह पूर्व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा आयोजित पुलिस भता परीक्षा के पेपर लीक का मामला थमा ही नही था कि पूरे देश मे मेडिकल की पढाईं के लिए प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली परीक्षा नीट मे भारी गड़बड़ी और पेपर लीक के मामले ने पूरे देश मे मेडिकल मे प्रवेश के इच्छुक छात्रों के मन मे निराशा और अशांति पैला दी है। पेपर लीक की समस्या सिर्प उत्तर प्रदेश या बिहार जैसे पिछडा समझे जाने वाले राज्यो तक ही सीमित ही नही है। पेपर लीक की समस्या एक महामारी की तरह एक संगठित रूप से संचालित मशीनरी की तरह काम कर रही है, जिसमे छात्र माफिया, कोचिग सेंटर, प्रिसिपल और अधिकारी तक शामिल है। जम्मू से लेकर उत्तर प्रदेश, कर्नाटक से लेकर गुजरात और अरुणाचल प्रदेश तक पिछले 5 वषरे मे पेपर लीक के 41 मामलो की आधिकारिक मामलो मे पुष्टि हुईं है। महामारी की तरह पैली हुईं इस बीमारी को रोकने मे शिक्षा बोर्ड, कर्मचारी चयन आयोग और अन्य भता एजेंसिया पूरी तरह से असफल हुईं है। पता चला है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अध्यादेश की जरिये इन मामलो को रोकने के लिए आजीवन कारावास समेत एक करोड़ रुपए तक के फाइन का प्रावधान कर दिया है, अब देखना है कि इतनी सख्त सजा के प्रावधान के बावजूद परीक्षाओं के पेपर लीक के मामलो मे कमी आयेगी या नही। अब यह समस्या एक सामाजिक समस्या बन गयी है, चुनाव के समय हर राजनीतिक दल अपने अपने समर्थको को मुफ्त की रेविड़यां बांटने की घोषडा करता है जिससे उन्हे वोट मिल सके। पर कोई भी दल युवाओ को इस तरह का आश्वासन देने की हिम्मत नही करता कि हम देश मे युवाओ को प्रतियोगी परीक्षाओं में निष्पक्ष पारर्दशिता पूर्ण परीक्षा दे पायेंगे। इस मामले मे संघ लोक सेवा आयोग को छोड़कर सारे भता बोर्ड या भता एजेंसिया असफल रहे हैं। वर्ष 2022 मे राजस्थान मे धोखाधड़ी विरोधी कानून भी पारित किया गया और इसमे सजा के तौर पर आजीवन कारावास के प्रावधान को शामिल किया गया। भारतीय संसद द्वारा फरवरी 2024 मे इसी तरह का कानून पारित करने के बावजूद आज भी इस अपराध मे सैकड़ो लोग गिरफ्तार किये गए है। युवाओ के लिए पेपर लीक की घटनाएं पीड़ादायक और विनाशकारी है, यह जिदगी मे रुकावट, तनाव पूर्ण परिवार और तार तार हो जाने वाले को जन्म देती है और राज्य की निष्पक्ष रूप मे भता परीक्षा आयोजित करने मे असमर्थता प्रर्दषित करती हैं और ये राज्य की सेवा मे आयी अक्षमता भी दर्शाती है। जब वेंद्र सरकार के शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान सांसद के रूप मे शपथ लेने जा रहे थे तो पूरे विपक्ष मे नीट नीट के नारे लगाकर उन्हे हूट किया, जो उचित नही है। यह सच है कि सिविल स्रविस और आईं आईं टी के पात नीट देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा मानी जाती है और इसके पेपर लीक होना और वुछ सेलेक्टेड लोगो को ग्रेस मार्व देना बहुत ही दुर्भाग्य पूर्ण है। इस समस्या के प्रति सभी दलों को पाटा लाइन से हटकर संजीदगी से रोकने की आवश्यकता है क्योकि एक दूसरे पर दोषारोपण से इस समस्या से छुटकारा नही मिलने वाला। विपक्षी गठबंधन इंडिया की सबसे बड़ी पाटा कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि पिछले पांच वषरे मे राजस्थान मे अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस के कार्यं काल मे सबसे अधिक पेपर लीक हुए और उसी कांग्रेस के सांसद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को नीट नीट करके हूट कर रहे थे, वही इंडिया गठबंधन के सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल के तीन वरिष्ठ नेता लालू यादव, तेजस्वी यादव और राबड़ी देवी पर लैंड फॉर जाब स्वैम्प मे चार्ज शीट दाखिल हो चुकी है। ऐसी घटनाओ से व शिक्षित युवा जिनके पास न पैसा है न जुगाड़ है, निराश और हताश होकर आत्म हत्त्या जैसे कदम उठाते है। एक समय लोक सभा मे अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियो के लिए पदोन्नति मे आरक्षण के लिए बहस चल रही थी और इस बिल के विरोध मे बोलते हुए समाजवादी पाटा के नेता मुलायम सिह यादव ने कहा कि यदि प्रमोशन मे भी आरक्षण दिया गया तो हमे वुशल और दक्ष सचिव और वैबिनेट सचिव स्तर के अधिकारी नही मिलेंगे और मेरे विचार मे श्री मुलायम सिह यादव के विचारों पर बहस या चर्चा की जा सकती है और आरक्षण का विरोध करने वाले यह भी तर्व देते है कि यदि 30™ अंक प्राप्त करने वाले डॉक्टर बनेंगे तो मरीजो का इलाज वैसे होगा। यदि हमे पुलिस और प्रशासन को दक्ष बनाना है तो प्रतियोगी परीक्षाओं मे पेपर लीक और सोल्व गैंग को जड़ से उखाड़ देना होगा, इसके लिए सभी राजनीतिक दलों को अपने मतभेद भुलाकर इस समस्या का हल निकालना होगा। जहां आज हमने पूरे विश्व के समक्ष एक मजबूत आर्थिक शत्ति के रूप मे स्थापित करने मे सफलता पायी है पर वही हम सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षा मे प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षाओं मे पूरी निष्पक्षता और पारर्दषिता स्थापित करने मे पूरी तरह से असफल रहे है और यही हमारा दुर्भाग्य है।

आप का नजरिया

जनप्रातिनिधियों के लिए शैक्षिक योग्यता की जरूरत

आज के युग में जहां एक छोटे से पद की नौकरी के लिए लाखों बेरोजगार शिक्षितों की कतार खड़ी होती हो, बहुत सारी टेस्ट तथा प्रातियोगितामूलक परीक्षाओं में सफल होने के बाद ही उन्हें नौकरी मिलती हो, हमारे देश की प्राजातांत्रिक व्यवस्था का एक भद्दा मजाक देखिए, देश के शासन की डोर तथा भाग्यविधाता बनने के लिए कोईं विशेष शिक्षा या योग्यता की आवश्यकता ही नहीं, इसका सीधा प्राभाव, आप माने या नहीं, देश की सारी व्यवस्थाओं पर पड़ता है और शायद आज भारत की गरीबी, बेरोजगारी तथा अव्यवस्था का मूल कारण इसी शिक्षा व्यवस्था का जरूरी न होना, गुणात्मक प्राभाव इसके पिछड़ेपन में नजर आता है। आप बहस कर जीत सकते हैं, पर एक बात मानकर चलिए कि देश सिर्प बाबुओं की मनमानी तथा जनता के प्रातिनिधियों के इसी कारण की वजह से जनता या देश की प्रागति प्राभावित हो रही है और आगे होती रहेगी। दुख है आज की तारीख में इस बात की बहस न प्रिंट मीडिया न ही इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में हो रही। जब एक छोटे से व्यापार या कार्यालय के कार्यंकलाप को संपादित करने के लिए शिक्षात्मक मापदंड अनिवार्यं है तो देश, खासकर भारत जैसे विशाल देश को चलाने के लिए ऐसी व्यवस्था हमारे संविधान में क्यों नहीं की गईं, शायद इसका कारण उस समय के शासनलोभी नेताओं ने अपने लाभ को देखकर न करने की योजना बनाईं होगी। मुझे तो ऐसा प्रातीत होता है कि भारत की राजनीति तीन एमएस (मनी, मुश्किल एवं मैज्योरिटी) के खेल में सिमट गईं है जहां अच्छे प्राशासक, जनप्रातिनिधि जिनमें प्राशासनिक, प्रागतिशील विचारधारा तथा सच्चे नेतृत्व करने की क्षमता हो, ऐसी व्यवस्था ही नहीं की गईं। हो सकता है मेरे इस लेख की आलोचना भी हो पर एक बड़ा देश जो आजादी के 70 वर्षो के बाद भी पिछड़ा बना रहे, जहां की 60 प्रातिशत जनता आज गरीबी रेखा के नीचे, किसी भी आधुनिक सुख-सुविधा से वंचित रहे, अपने आपमें लज्जाजनक बात है। इस बात को थोड़ा और अच्छी तरह समझने के लिए हमें स्वाधीनता से वुछेक दशक पहले जाना पड़ेगा, जब भारतवर्ष बर्मा से अफगानिस्तान तक पैला था। हजारों छोटेछोटे शासकों के बीच एक बड़ा भारतवर्ष, अपनी बहुत सारी अच्छाइयों के लिए विश्व के समृद्ध देशों में इसकी गणना होती थी, जिसे पाने के लिए अरब साम्राज्य यूरोपीय देशों के अलावा कितने शासकों की होड़ लगी रही थी। एक ओर विशाल भारतवर्ष में मौर्यं, गुप्त, मुगल साम्राज्यों ने देश को एक बनाकर रखा तो दूसरी ओर छोटे-छोटे शासकों के बीच वर्चस्व की लड़ाईं, विद्रोह, मतभेद भी रहे। इसका फायदा विदेशों से आए छोटे पर मजबूत यूरोपियन देशों के राजाओं या कहें तो व्यापारियों को मिला और एक बड़ा देश छोटे से देश के राजा/रानी के हाथ चला गया और हमारे विभाजित, कमजोर, मतलबी शासक मूकदर्शक बन बैठे। मैं यहां इस बात की चर्चा इसलिए कर रहा हूं कि देश जिसे हम महान कहते हैं, सैकड़ों वर्षो तक अंग्रेजों के अधीन बना रहा, क्योंकि यहां की जनता या फिर विभाजित शासकों को इस बात का पता ही नहीं चला कि भारत देश हजारों छोटे-छोटे राज्यों या राजघरानों से बना है, उनका शत्रु बगल वाला राजघराना या राजा नहीं और कोईं है।

विवादों से जूझ रहे बोइंग ने स्पिरिट एयरोसिस्टम्स के अधिग्रहण का ऐलान किया, 4.7 अरब डॉलर में सौदा

नई दिल्ली,01 जुलाई (एजेंसियां)।

विवादों से जूझ रही हवाई जहाज निर्माता कंपनी बोइंग ने 4.7 अरब डॉलर में विनिर्माण फर्म स्पिरिट एयरोसिस्टम्स के अधिग्रहण की घोषणा की है। स्पिरिट एयरोसिस्टम्स पहले से ही बोइंग की विनिर्माण श्रृंखला का हिस्सा है।

वर्जीनिया के आर्लिंगटन में स्थित बोइंग ने देर रात एक बयान में इस खरीदारी की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि इस अधिग्रहण का इक्विटी मूल्य 4.7 बिलियन डॉलर यानी प्रति शेयर 37.25 डॉलर है।

सौदे का कुल मूल्य लगभग 8.3 बिलियन डॉलर है, जिसमें स्पिरिट की ओर से रिपोर्ट किया गया शुद्ध ऋण शामिल है।

स्पिरिट ने अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया पर भी इस सौदे की घोषणा की है। बोइंग के अध्यक्ष और सीईओ डेव कैलहोन ने बयान में कहा, हमारा मानना है कि यह सौदा उड़ान भरने वाले लोगों, हमारे एयरलाइन ग्राहकों, स्पिरिट और बोइंग के कर्मचारियों, हमारे शेयरधारकों और देश के सर्वोत्तम हित में है।

स्पिरिट एयरोसिस्टम्स पहले भी बोइंग के स्वामित्व में था और अब अधिग्रहण के बाद एक बार फिर बोइंग के तहत कंपनी के आने से विमान निर्माता के विमानों की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार होगा। बोइंग फिलहाल नियामकों और कांग्रेस की जांच के दायरे में है। कैलहौन ने कहा, स्पिरिट को फिर से एकीकृत करके, हम अपनी सुरक्षा और गुणवत्ता प्रबंधन प्रणालियों सहित अपने वाणिज्यिक उत्पादन प्रणालियों और हमारे कार्यबल को समान प्राथमिकताओं, प्रोत्साहनों और परिणामों के लिए इस्तेमाल कर सकेंगे। यह फैसला सुरक्षा और गुणवत्ता पर केंद्रित हैं।

न्यूज ब्रीफ

100 रुपए पर आया आईपीओ, 311 पर हुई लिस्टिंग, एक ही दिन में निवेशकों को 211 फीसदी का मुनाफा

नई दिल्ली। शिवालिक पावर कंट्रोल के आईपीओ ने बंपर रिटर्न देकर निवेशकों को मालामाल कर दिया है। इसका आईपीओ 100 रुपये के इश्यू प्राइस पर आया था और लिस्टिंग 311 रुपये पर हुई। इसका मतलब कि आईपीओ निवेशकों को 211 फीसदी का बंपर रिटर्न मिला है। शिवालिक पावर का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 24 जून से 26 जून तक के लिए खुला था। इश्यू 250 गुना से अधिक सब्सक्राइब हुआ। कंपनी ने आईपीओ में 64.32 लाख फ्रेश शेयर बेचे। वह आईपीओ से मिली रकम का इस्तेमाल अन्य कंपनियों को खरीदने के लिए करेगी। साथ ही, पूंजीगत व्यय समेत दूसरे कामकाजी खर्च भी देखे जाएंगे। क्या करती है शिवालिक पावर शिवालिक पावर कंट्रोल इलेक्ट्रिक पैनल बनाती है। इनका इस्तेमाल टांसफार्मर और जनरेटर जैसे विद्युत उपकरणों में किया जाता है। शिवालिक ट्रेक्नोलॉजी ड्रिवन कंपनी है, जो पिछले दो दशक से बिजनेस कर रही है। इसका क्वालिटी, डिजाइन और प्रोडक्ट डेवलपमेंट पर दमदार पकड़ है। शिवालिक के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में पीसीसी पैनल्स, आईएमसीसी पैनल्स, स्मार्ट पैनल्स, एमसीसी पैनल्स, डीजी सिंक्रनाइजेशन पैनल्स और आउटडोर पैनल्स जैसी चीजें भी शामिल हैं। इसके प्रोडक्ट नेपाल, बांग्लादेश, युंगाडा, केन्या, नाइजीरिया और अल्जीरिया समेत 15 से अधिक देशों में निर्यात होते हैं। कैसे है कंपनी की वित्तीय सेहत शिवालिक की वित्तीय सेहत लगातार बेहतर हो रही है। पिछले तीन साल से इसके मुनाफे में जोरदार ग्रोथ देखी जा रही है। वित्त वर्ष 2021 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 67.28 लाख रुपये रहा। वित्त वर्ष 2022 में यह 1.75 करोड़ रुपये और फिर वित्त वर्ष 2023 में 7.16 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू सालाना 25 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि दर से बढ़कर 82.69 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। अगर सिर्फ पिछले वित्त वर्ष यानी 2023-24 की बात करें, इसकी अप्रैल-दिसंबर तिमाही में शिवालिक को 7.60 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ। वहीं रेवेन्यू 63.79 करोड़ रुपये रहा।

भारत सबसे बड़ा विवाह स्थल, हर साल होती हैं एक करोड़ तक शादियां:जेफरीज की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली । भारत दुनिया का सबसे बड़ा विवाह स्थल है। यहां हर साल 80 लाख से एक करोड़ शादियां होती हैं, जबकि चीन में 70-80 लाख और अमेरिका में 20-25 लाख विवाह होते हैं। खास बात है कि आम देशवासी शिक्षा (स्नातक तक) की तुलना में विवाह समारोह पर दोगुना खर्च करते हैं। अमेरिकी जैसे देशों में यह खर्च शिक्षा की तुलना में आधे से भी कम है। ब्रोकरेज फर्म जेफरीज की रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय विवाह उद्योग का आकार करीब 10 लाख करोड़ रुपये का है। यह अमेरिका के विवाह उद्योग का लगभग दोगुना है। हालांकि, चीन की तुलना में छोटा है। अमेरिका में विवाह उद्योग का आकार 5.84 लाख करोड़ रुपये (70 अरब डॉलर) का है, जबकि चीन में यह 14.2 लाख करोड़ (170 अरब डॉलर) का है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय शादी कई दिनों तक चलती हैं और साधारण से लेकर बेहद भव्य तक होती हैं। इसमें क्षेत्र, धर्म और आर्थिक पृष्ठभूमि की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। लाख करोड़ है भारतीय विवाह उद्योग का आकार, अमेरिका की तुलना में करीब दोगुना भारत में एक शादी पर औसतन 12.50 लाख रुपये (15,000 डॉलर) खर्च होते हैं। यह रकम प्रति व्यक्ति या घरेलू आय का कई गुना है। शादियों में होने वाले कुल खर्च में दुल्हन के आभूषणों की हिस्सेदारी आधे से अधिक होती है।

सस्ता हुआ कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर तेल कंपनियों ने 30 रुपए घटाए दाम

नई दिल्ली । कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में भी बदलाव किया गया है। तेल विपणन कंपनियों की ओर से कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन करने का फैसला किया गया है। 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 30 रुपये की कटौती की गई है। दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की खुदरा बिक्री कीमत 1646 रुपये हो गई है। हाल के महीनों में लगातार वाणिज्यिक सिलेंडर की कीमतों में कटौती की गई है। 1 जून को 19 किलोग्राम के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 69.50 रुपये की कटौती की गई थी, जिससे कीमत घटकर 1,676 रुपये हो गई थी। इससे पहले 1 मई, 2024 को प्रति सिलेंडर 19 रुपये की एक और कटौती हुई थी।

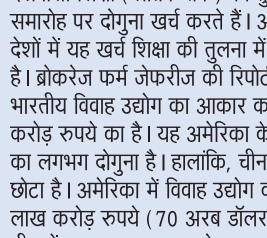

प्रथम पृष्ठ का शेष...

महिला को घसीट...

अमित मालवीय पश्चिम बंगाल के प्रभारी भी हैं। दूसरी तरफ टीएमसी विधायक हमीदुल रहमान ने उम्मीद के मुताबिक ही बयान दिया है। हमीदुल ने पीड़ित महिला को दुष्ट जानवर बताया और अपने चमचे ताजेमुल को इस्लाम का हवाला देकर इंसाफ करने वाला बताया। इस बयान पर आम नागरिकों को शर्मिंदगी महसूस हुई, लेकिन हमीदुल जैसे लोगों को शर्म नहीं आती। बंगाल पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स से रश्मि सामंत का वह वीडियो हटाने को कहा है, जिसमें ताजेमुल द्वारा की जाने वाली बर्बर मारपीट की घटना कैद है। हालांकि घटना का वीडियो भारतीय जनता पार्टी के अमित मालवीय और सीपीआई के मोहम्मद सलीम ने भी पोस्ट किया। यह वीडियो देख कर आपको लगेगा कि यह भारत की नहीं, बल्कि किसी खाड़ी देश या अफगानिस्तान की घटना है। एक महिला को और एक पुरुष को घेरा बनाकर अमानुषिक तरीके से सड़क पर घसीट घसीट कर पीटा जाना भारत में तो असंभव माना जाता है। लेकिन असलियत यही है कि यह दर्दनाक दृश्य भारत का है।

पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर में खुलेआम भीड़ के सामने एक महिला की बर्बर पिटाई का दृश्य पूरे देश में निंदा का विषय बना हुआ है। लोग सवाल उठा रहे हैं कि क्या पश्चिम बंगाल में शरीयत कानून लागू हो गया है? ऐसा इसीलिए, क्योंकि जिस ताजेमुल ने इस घटना को अंजाम दिया है वह इलाके में शरीयत कानून के तहत त्वरित सजा और न्याय देने के लिए मुकर्रर किया गया है। पुलिस और अदालत की उसके सामने कोई कीमत नहीं। वह चोपरा के टीएमसी विधायक हमीदुल रहमान का चमचा है।

भाजपा और सीपीआई (एम) - दोनों ही विपक्षी दलों ने कहा कि ताजेमुल तृणमूल कांग्रेस का कार्यकर्ता है। वीडियो में एक महिला के अलावा एक पुरुष को भी जमीन पर पटक कर पीटे जाते हुए देखा गया। संवेदनहीनता की पराकाष्ठा देखिए कि तृणमूल कांग्रेस के विधायक हमीदुल रहमान ने अपने करीबी का बचाव करते हुए जिस महिला की पिटाई हुई उसे ही दुष्ट जानवर कह दिया। साथ ही उसने कहा कि उक्त महिला की गतिविधियां असामाजिक थीं। चोपरा के विधायक ने कहा कि मुस्लिम राष्ट्र के हिसाब से कुछ संहिता और न्याय होते हैं।

उधर, इस्लामपुर के एसपी जॉबी थॉमस के ने कहा कि पुलिस ने सोशल मीडिया पर वीडियो देखने के बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है। उन्होंने घटना की जांच कराने की बात कही। टीएमसी विधायक हमीदुल रहमान ने कहा कि पीड़िता की तरफ कोई एफआईआर नहीं दर्ज कराई गई है। दहशतगर्द समुदाय के बीच फंसी कोई महिला वहां से निकल कर थाने में एफआईआर कैसे दर्ज कराए, यह आसानी से समझा जा सकता है। यह बात पुलिस ने भी मानी है कि उस क्षेत्र में सालिशी सभा नाम से समानांतर इस्लामी अदालत (कंगारू कोर्ट) चलती है, जहां न्याय और सजा दी जाती है।

अमित मालवीय ने घटना का वीडियो शेयर करते हुए कहा है कि पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के शासन का यह एक भयावह चेहरा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि भीड़ के बीच एक महिला और एक पुरुष को जमीन पर पटक कर पीटा जा रहा है। हमलावर की पहचान ताजेमुल के रूप में हुई है, जिसे स्थानीय लोग जेसीबी नाम से बुलाते हैं। वह त्वरित न्याय देने के लिए जाना जाता है। उसकी नजर में पुलिस-कोर्ट की कोई हैसियत नहीं। अमित मालवीय ने बताया कि चोपरा के विधायक हमीदुल रहमान का वो करीबी (चमचा) है। मालवीय ने कहा, भारत को टीएमसी द्वारा संचालित पश्चिम बंगाल में शरीयत अदालतों की वास्तविकता से अवगत होना चाहिए। हर गांव में एक संदेशखाली है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं के लिए अभिशाप हैं। पश्चिम बंगाल में कानून और व्यवस्था का कोई नामोनिशान नहीं है। क्या ममता बनर्जी इस राक्षस के खिलाफ कार्रवाई करेंगी या उसका बचाव करेंगी जैसे उन्होंने शेख शाहजहां के लिए खड़ी हुई थीं? संदेशखाली में जनजातीय समाज की महिलाओं का यौन शोषण करने वाले शेख शाहजहां और उसके गुर्गों को बचाने के लिए बंगाल सरकार ने दिन-रात एक कर दिया था।

महिला और युवक को बर्बरता से पीटे जाने की घटना उत्तर दिनाजपुर स्थित चोपरा विधानसभा क्षेत्र के लक्ष्मीकांतपुर की है। राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्लू) को भी इससे अवगत करा दिया गया है। पश्चिम बंगाल में इस तरह से एक इस्लामी कट्टरपंथी द्वारा कंगारू कोर्ट चलाए जाने का वीडियो आने के बाद एक बार फिर से राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। भाजपा के कई कार्यकर्ता अब तक पार्टी दफ्तर में परिवार के साथ रहने को मजबूर हैं। गांव के गांव खाली हो गए हैं। वीडियो में दिख रहा है कि ताजेमुल महिला को डंडे से मार रहा था। महिला बार-बार उसे छोड़ने की गुहार लगा रही थी लेकिन ताजेमुल रुकने का नाम नहीं ले रहा। उसने महिला को तब तक मारा जब तक वह बेहोश नहीं हो गई। इसके बाद उसने महिला के अचेत होते ही उसे लात मारी। वीडियो में महिला के अलावा एक अन्य व्यक्ति को भी पीटते हुए देखा जा रहा है।

महिला से मारपीट मामले की वीडियो सामने आने के बाद भाजपा और सीपीआई (एम) - दोनों ही विपक्षी दलों ने दावा किया था कि ताजेमुल के संबंध तृणमूल कांग्रेस का कार्यकर्ता है। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने भी इस घटना के बाद ताजेमुल से अपना पल्ला झाड़ लिया है। टीएमसी के पूर्व राज्यसभा सांसद शांतनु सेन ने कहा, पार्टी ने कभी ऐसे हरकतों को बर्दाश्त नहीं किया है। भाजपा को इस मामले में कुछ बोलने से पहले अपने राज्यों में हालात देखने चाहिए। वायरल वीडियो देखने के बाद सोशल मीडिया पर बड़ी तादाद में इसकी आलोचना हो रही है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की पूर्व अध्यक्ष रश्मि सामंत ने ऐसी हरकत को तालिबानी हरकतों से जोड़ा और कहा कि ये अफगानिस्तान नहीं बल्कि बंगाल है। एक्स से रश्मि का ट्वीट और वीडियो हटाने के लिए बंगाल पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई पर रश्मि ने कहा, बंगाल में एक महिला की आवाज उठाने पर अकाउंट बंद करवाने की कोशिश हो रही है। तानाशाही जिंदा है और फल-फूल भी रही है।

बंगाल से आए दिन महिलाओं को लेकर ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं, जो भद्र लोक को लज्जा में डालने के लिए पर्याप्त हो सकती हैं। मगर भद्र लोक का प्रदेश कहे जाने वाले बंगाल में इन घटनाओं को लेकर बंगाली भद्रलोक और लुटियन जोन के पत्रकारों के साथ ही, लड़की हूं, लड़ सकती हूं, जैसी बातें करने वाली प्रियंका गांधी भी एकदम चुप हैं। सबसे बढ़कर बंगाल के सत्ताधारी राजनेताओं का जो रवैया सामने है, वह अत्यंत दुखद और शर्मनाक है। जो लोग संविधान बचाओ की बातें करते हैं, उनके प्रदेश में बर्बर मुस्लिम कानून कब और कैसे लागू हो गया कि वहां कोई भी कट्टरपंथी अधर्मी महिलाओं को सड़क पर बर्बतापूर्वक पीटे और पूरा प्रदेश तमाशा देखता रहे? अभी बहुत दिन नहीं हुए जब ममता बनर्जी समेत तमाम विपक्षी नेता अपने अपने हाथ में संविधान की कॉपी लेकर यह कहते हुए चुनाव प्रचार करते पाए जाते थे कि वे संविधान की रक्षा करने के लिए यह चुनाव लड़ रहे हैं, नहीं तो मोदी जी संविधान बदल देंगे। मगर उनके ही प्रदेश में संविधान बदला ही नहीं गया है, बल्कि संविधान को अस्वीकार कर दिया गया, यह उन्हें दिख नहीं रहा? पश्चिम बंगाल में 88 फास्ट ट्रैक अदालतों में से 55 अदालतें केवल महिलाओं के लिए हैं, यह कहने वाली ममता बनर्जी आज चुप क्यों है? हाल ही में एक ऐसा ही वीडियो जारी हुआ था जिसमें भाजपा की एक मुस्लिम कार्यकर्ता रोसोनारा खातून को कूचबिहार में उनके घर से बाहर निकालकर निर्वस्त्र कर दिया गया था। इस विषय में भी बेशर्म संविधान-रक्षकों ने चुप्पी साधे रखी। संदेशखाली में भी पीड़ित महिलाओं को तत्काल इंसाफ की चर्चा रही थी। उस कांड में पूरे देश ने देखा था कि कैसे आरोपी को बचाने के लिए महिला मुख्यमंत्री ने एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था।

पश्चिम बंगाल के उत्तर दिनाजपुर में हुई यह घटना एक महिला के साथ महज मारपीट का मसला नहीं है। यह भारतीय संविधान को क्षत-विक्षत करने का मामला है। यह घटना संसद को दी गई सीधी चुनौती है। देश में विधि द्वारा स्थापित भारतीय संविधान का शासन चलेगा या अब यहां बर्बर इस्लामिक आचार-विचार चलेंगे? देश के नागरिक यह सवाल पूछ रहे हैं।

जो खुद...

बड़े कृत्य को छिपाया नहीं जा सकता। विपक्ष के नेता ने कहा कि जो अपने आप को हिंदू कहते हैं, वह हिंसा करते हैं, हिंसा की बात करते हैं। इनको शायद मालूम नहीं है कि करोड़ों लोग खुद को गर्व से हिंदू कहते हैं। क्या वे सभी लोग हिंसा करते हैं। हिंसा की भावना को किसी धर्म के साथ जोड़ना अनुचित और असंसदीय है। इसके लिए राहुल को माफी मांगनी चाहिए। शाह ने कहा, मैं उनसे एक गुजारिश भी करना चाहता हूं कि इस्लाम में अभयमुद्रा, इस पर इस्लाम के विद्वानों का मत एक बार वो ले लें। गुरुनानक साहब की अभयमुद्रा पर एसजीपीसी का मत वो ले लें। अभय की बात इनको करने का कोई हक नहीं है। आपातकाल में पूरे देश को इन्होंने भयभीत किया है। लाखों लोगों को जेल में डाला गया। वैचारिक आतंक कभी था तो आपका आपतकाल था।

अपरिपक्व बुद्धि...

राहुल गांधी ने हिंदुओं पर जो टिप्पणियां की हैं वह सत्य से परे भारत की मूल आत्मा को लहुलुहान करने जैसा है। भारत माता को लहुलुहान करने के लिए उन्हें माफी मांगना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी को लेकर जिन लोगों ने कुछ भ्रम पाला होगा, उनका भ्रम टूट गया होगा। कांग्रेस को राहुल गांधी को भारत की जनता से माफी मांगने के लिए कहना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि हिंदू भारत की मूल आत्मा है, हिंदू सहिष्णुता, उदारता और कृतज्ञता का पर्याय है। यह बात स्वयं को एक्सीडेंटल हिंदू कहने वाली जमात के शहजादे को कैसे समझ में आएगी। उन्होंने कांग्रेस को मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति में डूबी हुई बताया।

अयोध्या में ...

चरित्र को एक बार फिर से बेनकाब कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबने राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव में झूठे और गुमराह करने वाले वक्तव्य देते हुए देखा है। संविधान का गला घोंटने वाले लोगों ने संविधान के बारे में गुमराह करने वाले वक्तव्य देने के लिए विदेशी पैसे से के बल पर चुनाव को प्रभावित करने का प्रयास किया था। 1 लाख का फर्जी बॉन्ड भरवा कर भारत की माताओं और बहनों को गुमराह करने का कार्य किया। आज फिर इन्होंने झूठा बयान दिया है जो कि अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक है।

सीएम योगी ने कहा कि हर कोई जानता है कि अयोध्या को उसकी पहचान से किसने वंचित किया है। राहुल गांधी और उनके सहयोगियों ने न केवल अयोध्या को वनवास दिया था, बल्कि सरयू को भी रक्तरंजित किया था। आज जब अयोध्या अपने वैभव को पुन:प्रतिष्ठापित करते हुए पूरी दुनिया को अपनी ओर आकर्षित कर रही है तो कांग्रेस इसे कैसे अच्छा मान सकती है। कांग्रेस झूठ का पुलिंदा है। सच यह है कि 1733 करोड़ रुपए केवल मुआवजे के लिए अयोध्या वासियों को उपलब्ध कराए हैं। चाहे रामपथ हो, भक्तिपथ हो, जन्मभूमि पथ हो या एयरपोर्ट हो, जिसकी जमीन, दुकान, मकान इसमें शामिल थी, उन्हें मुआवजा दिया गया है। जिनके पास पीछे दुकान बनाने की जगह थी, उनके दुकान बने हैं, जिनके पास स्पेस नहीं था उन्हें मल्टी लेवल कॉम्प्लेक्स बनाकर दुकान देने के कार्य को आगे बढ़ाया गया। राहुल का बयान सत्य से परे झूठ का पुलिंदा हैं। यह यूपी और अयोध्या को बदनाम करने की साजिश है। यह भारत और अयोध्या की छवि को खराब करने की उस मानसिकता का हिस्सा है जो ये एक्सीडेंटल हिंदू आजादी के बाद से लगातार करते आ रहे हैं।

पुराना कानून...

इन विधेयकों को लोकसभा ने 20 दिसंबर 2023 को और राज्यसभा ने 21 दिसंबर 2023 को मंजूरी दे दी। राज्यसभा में विधेयकों को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किए जाने के बाद ध्वनि मत से पारित किया गया था। इसके बाद 25 दिसंबर 2023 को राष्ट्रपति से मंजूरी के बाद विधेयक कानून बन गए। लेकिन इनके प्रभावी होने की तारीख 1 जुलाई 2024 रखी गई थी। संसद में तीनों विधेयकों पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि इनमें सजा देने के बजाय न्याय देने पर फोकस किया गया है।

तीन नए आपराधिक कानून लागू होने पर पुडुचेरी की पूर्व एलजी और पूर्व आईपीएस अधिकारी किरण बेदी ने कहा कि इससे मुझे जो सबसे बड़ा लाभ दिखाई देता है, वह यह है कि इससे पुलिस को जवाबदेही, पारदर्शिता, तकनीक, पीड़ितों के अधिकार, अदालतों में त्वरित सुनवाई, अभियुक्तों के अधिकारों के लिए पुनः प्रशिक्षण मिल रहा है।

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के तहत हर केस की जांच वैज्ञानिक व निष्पक्ष तरीके से होगी। इसके लिए हर पुलिसकर्मी को अपने मोबाइल पर ई-प्रमाण ऐप डाउनलोड करना जरूरी होगा। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के मुताबिक, ऐप के जरिए मौके से जब्त सामान, निरीक्षण आदि की ऑडियो-वीडियो बनानी होगी। इन साक्ष्यों को 48 घंटे में अदालत में पहुंचाना होगा। दिल्ली पुलिसकर्मियों को कानून की धाराएं और ऐप की जानकारी हर जिला कार्यालय में दी जा रही है।

नए कानूनों में सभी राज्य सरकारों के लिए गवाह सुरक्षा योजना लागू करना अनिवार्य है, ताकि गवाहों की सुरक्षा व सहयोग सुनिश्चित की जाए और कानूनी प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता व प्रभाव बढ़ाया जाए। वहीं, बीएनएस में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच को प्राथमिकता मिलेगी। इसके तहत मामले दर्ज किए जाने के दो माह के भीतर जांच पूरी की जाएगी। पीड़ितों को 90 दिन के भीतर मामले की प्रगति पर नियमित रूप से जानकारी पाने का अधिकार होगा। पीड़ित महिलाओं व बच्चों को सभी अस्पतालों में निशुल्क प्राथमिक उपचार या इलाज मुहैया कराया जाएगा।

नए कानूनों के तहत किसी मामले के जांच अधिकारी को वीडियो तुरंत ऐप पर अपलोड करनी होगी। वीडियो को लोड करने पर ऐप में यूनिफार्म रिसोर्स लोकेटर यानी वेब एड्रेस (यूआरएल) और हैश वैल्यू दिखाई देगी। इनका उल्लेख केस डायरी में करना अनिवार्य होगा। आम आदमी हो या पुलिसकर्मी बीएनएस की धारा 36 (4) के तहत यह लिखकर देगा कि वीडियो के साथ किसी तरह की छेड़छाड़ नहीं की गई है।

धारा 105 - ऐप वाले मोबाइल से ऑडियो-वीडियो के जरिए तलाशी और जब्ती की रिकॉर्डिंग की जाएगी। 173 (1) (2) (बी)- संज्ञेय मामलों में सूचना रिकार्ड करने के अलावा असाधारण परिस्थितियों में पीड़िता और शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम पीड़ितों से जुड़े मामले में तुरंत वीडियोग्राफी की जाएगी। 185 (2)- जांच के दौरान तलाशी कार्रवाई की वीडियोग्राफी ऐप से होगी। 176 (3)- सात वर्ष या अधिक सजा वाले अपराधों में वीडियोग्राफी की जाएगी। 180 (3)- पुलिस द्वारा गवाह की जांच, ऑडियो-वीडियो की गई रिकॉर्डिंग। ऐप में एफआईआर नंबर, वर्ष, डीडी नंबर, दिनांक, जिला, यूनिट, पुलिस स्टेशन का नाम और ऑडियो-वीडियो की जानकारी दर्ज होगी।

वीडियो बनाने के बाद संबंधित विवरण यानी बोले गए शब्दों को भी लिखा जाएगा। इसके अतिरिक्त वीडियो नोट भी जोड़े जा सकते हैं और सेव बटन दबाकर उन्हें ऐप में सुरक्षित रखा जा सकेगा। अपलोड किए गए साक्ष्य टैब में देखे जा सकते हैं। नए कानून में जुड़ा एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि गिरफ्तारी की सूरत में व्यक्ति को अपनी पसंद के किसी व्यक्ति को अपनी स्थिति के बारे में सूचित करने का अधिकार मिलेगा। इससे गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत सहयोग मिल सकेगा। इसके अलावा गिरफ्तारी विवरण पुलिस थानों और जिला मुख्यालयों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा, ताकि गिरफ्तार व्यक्ति के परिवार और मित्र महत्वपूर्ण सूचना आसानी से प्राप्त कर सकेंगे।

पीड़िता को अधिक सुरक्षा देने व दुष्कर्म के किसी अपराध के संबंध में जांच में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए पीड़िता का बयान पुलिस की ओर से ऑडियो-वीडियो के जरिए दर्ज किया जाएगा। महिलाएं, पंद्रह वर्ष की आयु से कम उम्र के बच्चे, 60 वर्ष की आयु से अधिक के लोगों, दिव्यांग या गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को पुलिस थाने आने से छूट मिलेगी और वे अपने निवास स्थान पर ही पुलिस सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

नए कानूनों का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले दिल्ली पुलिस के जवानों का कहना है कि घटनास्थल पर साक्ष्यों की प्रक्रिया को पूरा करने में दिक्कत आ सकती है। जवानों ने नाम उजागर नहीं करने के शर्त पर बताया कि नए कानून में भारतीय साक्ष्य अधिनियम के तहत घटनास्थल, तलाशी लेने और जब्ती करने के दौरान की वीडियोग्राफी अनिवार्य है, लेकिन कई जगहों पर हालात ऐसे होते हैं, जहां पुलिसकर्मी को अपनी पहचान उजागर किए बिना ही कार्रवाई पूरी करनी पड़ती है।

अपराधियों के पकड़ने के साथ-साथ हथियार भी बरामद किए जाते हैं, लेकिन पुलिसकर्मी हथियार लेकर आए बदमाश को पकड़ने के दौरान वीडियोग्राफी करेगा तो उसे पकड़ पाना मुमकिन नहीं होगा। ऐसे में घटनास्थल पर वीडियोग्राफी करना पुलिसकर्मियों के लिए भी घातक होगा।द्वारका जिले में तैनात एक हवलदार ने बताया कि किसी थाना इलाके में कुछ देर के अंतराल पर झपटमारी की कई वारदातें होती हैं। साथ ही, अन्य घटनाएं भी होती हैं। इन मामलों में एक ही जांच अधिकारी को कई मामले सौंपे जाते हैं।

ऐसे में जांच अधिकारी के लिए सभी घटनास्थलों पर पहुंचना, वीडियोग्राफी करना और मामले की जांच करना एक साथ संभव नहीं हो पाएगा। घटना होने के बाद जांच अधिकारी से आला अधिकारी घटनास्थल के हालात के बारे में भी जानकारी लेते हैं, ऐसे में मोबाइल से वीडियो बना रहे जांच अधिकारी के लिए यह सब करना संभव नहीं हो पाएगा। एक सहायक उप निरीक्षक ने बताया कि दिल्ली के कुछ ऐसे इलाके हैं, जहां छोटे झगड़ों के दौरान दोनों पक्षों की ओर से पथराव हो जाता है। ऐसे में जांच अधिकारी साक्ष्य के लिए वीडियोग्राफी करेगा या फिर हालात पर नियंत्रण करने की कोशिश करेगा।

भारतीय न्याय...

इससे लोगों को वहां से गुजरने में परेशानी हो रही थी। उप-निरीक्षक ने उसे रेहड़ी हटाने के लिए कहा। लेकिन रेहड़ी मालिक ने अपनी मजबूरी बताई। वहां से नहीं जाने पर पुलिस कर्मी ने रेहड़ी वाले के खिलाफ सरकारी जमीन पर अतिक्रमण करने और आमजन के आने जाने में दिक्कत करने का मामला दर्ज किया है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सीपी छाया शर्मा ने बताया कि पुराने मामलों को आईपीसी के तहत निपटाया जाएगा। एक जुलाई से जब नए मामले दर्ज किए जाएंगे, तो उन पर बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धाराएं लागू होंगी। सभी को इन धाराओं का पालन करना होगा। अब नए मामलों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धाराओं के तहत निपटाया जाएगा।

झारखंड के ...

जिन बूथ पर बढ़ोतरी हुई है, उनमें से अधिकांश गंगा के पार दियारा क्षेत्र में स्थित हैं और इनकी सीमा पश्चिम बंगाल से सटी हुई है।

राजमहल विधानसभा में वोटरों की संख्या में एकाएक बढ़ोतरी को लेकर स्थानीय भाजपा विधायक अनंत ओझा ने राज्य के चुनाव आयोग से शिकायत की है। विधायक अनंत ओझा ने इस मामले में जानकारी भी साझा की है। विधायक ओझा ने बताया कि 2014 से 2019 के बीच जिन इलाकों में 9000 वोट बढ़ा था वहां 2019 से 2024 के बीच 24000 वोट बढ़ गया, जो कि आशंकित करता है। ओझा ने बताया कि उनकी विधानसभा में जहां पश्चिम बंगाल के सीमाई इलाकों में वोट बेतहाशा बढ़े हैं, वहीं हिंदू बहुल बूथ पर यह वोट कम हो गए हैं। उन्होंने बताया कि 17 ऐसे बूथ हैं, जहां हिंदुओं के वोट पिछले पांच वर्ष में घट गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 2024 लोकसभा चुनाव में कई ऐसे हिंदू वोटर थे, जिनके पास वैध मतदाता पहचान पत्र होने के बाद भी उन्हें वोट नहीं डालने का मौका मिला। उनका नाम लिस्ट से गायब था।

विधायक ओझा ने बताया कि ऐसे वोट न डाल पाने वाले मामले बड़ी संख्या में हैं और इनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं जो खुद उपमुखिया हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर हमने राज्य चुनाव आयोग से शिकायत की है। चुनाव आयोग से 73 ऐसे बूथ की शिकायत की गई है।

अब चुनाव आयोग इस विषय में जांच करने जा रहा है। मतदाताओं के भौतिक सत्यापन के कयास भी इस मामले में लगाए जा रहे हैं। यह शक जताया जा रहा है कि बांग्लादेशी अवैध घुसपैठिए इस इलाके में बंगाल के रास्ते आकर कब्जा कर रहे हैं। इसी को लेकर चिंताएं और बढ़ गई हैं। इस मामले में राज्य सरकार के कर्मचारियों पर भी प्रश्न उठे हैं। विधायक अनंत ओझा ने कहा है कि स्थानीय कर्मचारियों ने इस मामले में लापरवाही बरती है, अगर वह ऐसा न करते तो न ही वोट बेतहाशा बढ़ते और न ही हिंदू वोटर वो न डाल पाने की शिकायतें करते।

भारत विरोधी एजेंडा...

जिसके कारण अब वह नौकरी नहीं कर पाएंगे। दूसरी तरफ टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस प्रशासन ने कहा है कि अगर उसे टाटा एजुकेशन ट्रस्ट से पैसा मिल गया तो इन लोगों को नौकरी पर वापस बुला लिया जाएगा, अगर ऐसा नहीं होता तो इनकी नौकरी चली जाएगी। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस इससे पहले भी कई बार विवादों में रहा है।

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भीमा कोरेगांव हिंसा मामले में जांच करते हुए बताया था कि टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस और जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के कुछ छात्रों को आतंकी संगठन भाकपा (माओवादी) ने भर्ती किया था। यह संगठन इनसे आगे आतंकी गतिविधियां करवाना चाहता था। इनके पकड़े जाने पर छात्र होने के आधार पर सहानुभूति बटोरने की भी योजना बनाई गई थी। इन छात्रों को भीमा कोरेगांव हिंसा के आरोपियों ने भर्ती किया था। यह चाहते थे कि भारत में एक समानांतर सरकार खड़ी की जाए। एनआईए ने यह सारी जानकारी कोर्ट में दी थी।

गौरतलब है कि भाकपा (माओवादी) भारत सरकार द्वारा प्रतिबंधित आतंकी संगठन है। यह भारत में नक्सलवाद के सहारे दशकों से आंतरिक सुरक्षा का खतरा बना हुआ है। इस संगठन के कारण हजारों अर्धसैनिक और पुलिस बलों समेत आम नागरिक अपनी जान गंवा चुके हैं। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के भीतर वामपंथी जहर लंबे समय से पसरा हुआ है। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के कुछ छात्रों ने बताया था कि पुलवामा हमले में 40 जवानों के मारे जाने के बाद टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के एक व्हाट्सऐप ग्रुप में भारतीय सेना के जवानों पर निर्दोषों की हत्या और रेप करने का आरोप लगा कर उनकी वीरगति का मजाक उड़ाया गया था। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस का एक छात्र इन जवानों के मारे जाने पर हंस रहा था।

टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के भीतर लगातार देश विरोधी कृत्य भी होते रहे हैं। यहां प्रधानमंत्री मोदी को गाली दिए जाने वाले पोस्टर छात्र अपने कमरों पर लगाते हैं। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के छात्रों ने मुंबई के गेटवे ऑफ इंडिया पर सीएए और एनआरसी के खिलाफ प्रदर्शन किया था। यह लोग बांग्लादेश, अफगानिस्तान और पाकिस्तान में प्रताड़ित होने वाले हिंदुओं को भारत में नागरिकता दिए जाने पर गुस्सा थे। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के छात्र संगठन ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 के हटाए जाने को लेकर भी प्रलाप किया था। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस के भीतर पूर्वोत्तर को भारत से काटने की बात करने वाले शरजील इमाम के समर्थन में भी नारे लगे थे। टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस में भारत को तोड़ने की बातें खुले तौर पर चलती आई हैं। फरवरी 2020 में एक समीक्षा कार्यक्रम के दौरान टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस में कश्मीर को आजाद करो, कश्मीर पर से कब्जा हटाओ जैसे पोस्टर दिखाई दिए थे। इन्हें कलाकारी के नाम पर लगाया गया था। इनमें सीएए-एनआरसी हटाने की बात कही गई थी। इसके अलावा टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस में छपने वाले रिसर्च पेपरों में भी लगातार कश्मीर पर जहर उगला जाता रहा है। प्रगतिशील होने का दावा करने वाले वामपंथी यह जहर फैलाते रहे हैं।

ऐसे ही एक रिसर्च पेपर में अनन्या कुंडू नाम की एक रिसर्चर ने लिखा था, भारत ने कश्मीर पर कब्जा करने के लिए यहां की आवाजों को दबाया और नैरेटिव को नियंत्रित किया। कश्मीर की कहानी कश्मीर नहीं, भारत ने लिखी। आज जिस कश्मीर को हम जानते हैं, वो भारतीय सोच के हिसाब से ही। महिलाओं के खिलाफ यौन हिंसा हुई। पितृसत्तात्मक भारतीय सेना कश्मीरी समाज को तोड़ने के लिए महिलाओं के शरीर को निशाना बनाती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 02 जुलाई, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

एसबीआई हैदराबाद सर्कल डिजिटल बैंकिंग क्षेत्र में सबसे आगे : राजेश कुमार

हैदराबाद सर्कल ने उत्साह एवं उत्सव के साथ मनाया 69वां स्टेट बैंक दिवस

सीएसआर के तहत पांच एनजीओ को 50 लाख रुपए मूल्य की पांच गाड़ियां दीं दान

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। एसबीआई हैदराबाद सर्कल ने तेलंगाना की सभी शाखाओं और कार्यालयों में 69वां स्टेट बैंक दिवस बहुत ही उत्साह एवं उत्सव के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर बैंक ने कई कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व उठाए। पौधरोपण सहित विभिन्न गतिविधियों पर आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। बैंक दिवस के अवसर पर सीजीएम ने कर्मचारियों को उनकी अटूट प्रतिबद्धता, अथक परिश्रम एवं समर्पण के लिए बधाई दी। इस मौके पर एक विशेष सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया और बैंक ने सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारियों को भी सम्मानित किया और राज्य में बैंक के विकास में उनके योगदान को सराहा। एसबीआई एलएचओ हैदराबाद ने भी बैंक के डॉक्टरों को सम्मानित कर डॉक्टर दिवस मनाया।

इस विशेष दिन पर, मुख्य महाप्रबंधक राजेश कुमार ने स्टेट बैंक दिवस की शपथ दिलाई। इस अवसर पर बोलते हुए, राजेश कुमार ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक के राज्य में 2 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं। बैंक की पूरे राज्य में 1321 कार्यालयों के साथ उपस्थिति है और यह राज्य में अग्रणी बैंक है।

प्रौद्योगिकी-संचालित नवाचारों की एक सतत धारा के साथ हैदराबाद सर्कल डिजिटल बैंकिंग क्षेत्र में सबसे आगे बना हुआ है। सर्किल ने विभिन्न चैनलों- मोबाइल, एटीएम, इंटरनेट और शाखाओं में अपनी पेशकश बढ़ा दी है।

उन्होंने कहा कि एसबीआई अपनी प्रगति के लिए समुदाय को वापस लौटाने के उद्देश्य से प्रेरित है। वित्त वर्ष 2023-2024 के दौरान बैंक ने स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, पर्यावरण, स्वच्छता, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण, युद्ध के दिग्गजों के कल्याण और आजीविका पर ध्यान केंद्रित करते हुए सीएसआर खर्च दोगुना कर दिया है।

बैंक दिवस के अवसर पर एसबीआई हैदराबाद सर्कल के सीजीएम राजेश कुमार ने 5 एनजीओ- सहरुदय ओल्ड एज होम, हेवन्स होम सोसाइटी, विवेकानंद सेवा संगम, सत्य हरिश्चंद्र फाउंडेशन और चेरिश फाउंडेशन को लगभग 50 लाख रुपए मूल्य की पांच गाड़ियां दान में दीं।

इसके अलावा, बैंक ने सतत विकास लक्ष्य के रूप में नवीकरणीय सौर ऊर्जा उत्पादन के लिए विवेकानन्द सेवा संगम को 20 किलोवाट सौर छत सौर प्रणाली दान में दी। बैंक ने नादेर-गुल, हैदराबाद में उनके द्वारा संचालित वरिष्ठ नागरिक गृह के समर्थन के रूप में सत्य हरिश्चंद्र फाउंडेशन को फाउलर कॉट और गद्दे दान में दिए।

डॉक्टर दिवस के अवसर पर राजेश कुमार ने हमारे दैनिक नायकों- डॉक्टरों की उनके अथक प्रयासों, निस्वार्थता और समर्पण की सराहना की और एक स्वस्थ और खुशहाल समाज के निर्माण में मानवता के प्रति उनकी अटूट सेवा के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

बैंक दिवस के अवसर पर राजेश कुमार ने गांधीपेट, इंद्रेशम (पटनचेरु) में नई शाखाओं का उद्घाटन किया। एसीबी नारायणपेट, एसीबी सदाशिवपेट और उच्च न्यायालय शाखाओं के पुनर्निर्मित/नए परिसर का भी उद्घाटन किया। बैंक दिवस समारोह पर एसबीआई लेडीज़ क्लब हैदराबाद की अध्यक्ष रश्मि सिन्हा ने अध्यक्षता में चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का संचालन किया गया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को रश्मि सिन्हा और राजेश सिन्हा द्वारा सम्मानित किया गया।

एसबीआई स्थानीय प्रधान कार्यालय, हैदराबाद द्वारा आयोजित 69वें स्टेट बैंक दिवस समारोह के दौरान इंडियन आइडल विजेता एल. वी. रेवंत कुमार के शानदार प्रदर्शन से सभी कर्मचारी मंत्रमुग्ध हो गए।राजेश कुमार ने बैंक दिवस की शुभकामनाएं दीं और अपने सभी ग्राहकों को उनके मूल्यवान समर्थन और विश्वास के लिए धन्यवाद दिया।

अग्रवाल समाज वारंगल की नई कार्यकारिणी गठित

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री अग्रसेन भवन वारंगल में समाज की सर्व साधारण बैठक सम्पन्न हुई। अध्यक्ष कैलाश अग्रवाल ने समाज द्वारा किए गए कार्यों का ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। निर्माणाधीन भवन में बन्धुओं द्वारा प्रदान सहायता के लिये धन्यवाद दिया गया। हैदराबाद बन्धुओं द्वारा प्रदत्त सहयोग की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। युवा मंडल एवं महिला समिति ने अपने अपने क्रिया कलापों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। समाज हित में एवं भवन में भविष्य में किये जाने वाले कार्यों की रूपरेखा बनाई गई। साथ ही नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से दौलत नरसिंहपुरिया को अध्यक्ष, अनिल गोयल को उपाध्यक्ष, सीए चंचल अग्रवाल को महामंत्री, कैलाश अग्रवाल को कोषाध्यक्ष, डॉ. अशोक बंसल को सह मंत्री, ललित अग्रवाल एवं किशनगोपाल को कार्यकारिणी सदस्य नियुक्त किया गया।

बनवारी लाल गोयल एवं शिवकुमार गोयल को सलाहकार तथा कैलाश अग्रवाल को केंद्रीय समिति सदस्य नियुक्त किया गया। धन्यवाद प्रस्ताव एवं भोजन प्रसाद के साथ सभा की कार्यवाही सम्पन्न हुई।

अग्रवाल समाज अशोक नगर शाखा की कार्यकारिणी बैठक में लिए गए कई निर्णय

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज अशोक नगर शाखा की कार्यकारणी बैठक संजीव अग्रवाल के निवास स्थान पर हुई। यह जानकारी शाखा की संस्थापिका पूजा गुप्ता ने दी। उन्होंने बताया कि अग्रसेन महाराज के आशीर्वाद से कार्यकारिणी सभा का आरंभ सत्यनारायण गुप्ता की अध्यक्षता में हुआ। सभा में सभी कार्यकारिणी सदस्यों ने अपना अपना परिचय दिया व आपसी परस्पर मिलन किया। शाखा द्वारा आगामी 14 जुलाई को मेडिकल कैंप का आयोजन किया जाएगा, इसकी तारीख निर्धारित की गई। साथ ही 11 अगस्त को सावन की सैर के लिए सदस्यों को लेकर जाया जाएगा अपने इष्ट मित्रों के साथ इसकी भी तारीख निर्धारित की गई। संस्थापिका पूजा गुप्ता ने शाखा विस्तार के लिए शाखा में नए सदस्यों को जोड़ने के लिए ज़ोर दिया। सावन की सैर के लिए संजीव कुमार अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, सुलभ अग्रवाल एवं रितेश सांधी की कमेटी बनाई गई। अध्यक्ष सतनारायण गुप्ता ने सभी सदस्यों से आग्रह किया उक्त कार्यक्रमों में सभी सदस्य बढ़-चढ़कर हिस्सा लें एवं कार्यक्रम को सफल बनाएं। अवसर पर उपस्थित सभी कार्यकारिणी सदस्यों को अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा प्रिविलेज कार्ड की जो सुविधा अग्र बंधुओं के लिए है उसका सबको अवलोकन कराया गया एवं प्रिविलेज कार्ड सभी को प्रदान किए गए। केंद्रीय समिति सदस्य फकीरचंद बंसल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन दिया गया।

बैठक में संस्थापिका पूजा गुप्ता, अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता, उपाध्यक्ष जय भरतीया, मानद मंत्री हेमंत अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुलभ अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य फकीरचंद बंसल, कार्यकारिणी सदस्य संजीव कुमार अग्रवाल, अनूप बंसल, रितेश सांधी, यश भरतीया एवं महेश कुमार अग्रवाल उपस्थित रहे।

प्रौद्योगिकी के विकास में वैज्ञानिक कौशल अति आवश्यक है : सी. मुरलीधर

ईसीआईएल में तकनीकी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्नन

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। इलेक्ट्रॉ निक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) हैदराबाद में आंध्रप्रदेश राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग के वरिष्ठ प्राध्यापकों के लिए तीन सप्ताह का तकनीकी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कॉरपोरेशन के महाप्रबंधक, एरोस्पेस तथा अनुसंधान एवं विकास सी. मुरलीधर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित थे। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी के विकास के लिए मौलिक विज्ञान का अध्ययन अत्यंत आवश्यक है। विज्ञान के अध्ययन से ही प्रौद्योगिकी का अत्याधुनिक विकास किया जा सकता है।

उन्होंने अपने अध्यक्षीय अभिभाषण में सभी वरिष्ठ प्राध्यापकों से कहा कि वे अपने छात्रों में विज्ञान को पढ़ने, समझने और उसका प्रौद्योगिकी में निरंतर उपयोग करने का अनुप्रयोग करें। कार्यक्रम के प्रारंभ में ईसीआईएल के प्रबंधक एवं प्रभारी, कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास, डॉ. राजनारायण अवस्थी ने विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने में यह प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। कार्यक्रम में तकनीकी शिक्षा निदेशालय, आंध्रप्रदेश सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में ईसीआईएल के तकनीकी प्रभागों ऐन्टेना उत्पााद एवं साटकॉम प्रभाग, सामरिक इलेक्ट्रॉनिक प्रभाग, सर्वो प्रणाली प्रभाग, निगमित व्यापार विकास वर्ग, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं प्रभाग, उपकरण प्रणाली प्रभाग, अभियांत्रिकी सेवा प्रभाग, दूरसंचार प्रभाग, इलेक्ट्रॉनिकी विनिर्माण एवं सेवा प्रभाग, कंप्यूटर शिक्षा प्रभाग, निगमित अनुसंधान एवं विकास, प्रणाली गुणता आश्वासन वर्ग, विकिरण संसूचन एवं उपकरण प्रभाग, सुरक्षा प्रणाली उत्पाद प्रभाग, नियंत्रण एवं उपकरणीकरण प्रभाग, संचार प्रणाली वर्ग, सॉफ्टवेयर प्रणाली समाधान प्रभाग, स्मार्ट अभिशासन समाधान प्रभाग, नियंत्रण एवं स्वरचालन प्रभाग, रिएक्टेर परियोजना प्रभाग तथा विशेष उत्पाद प्रभाग की कार्य प्रणाली से अवगत कराया गया। इस तकनीकी कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागी वरिष्ठ प्राध्यापकों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र एवं ईसीआईएल के कॉरपारेट स्मृति चिह्न से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में विद्या जंगम, अधिकारी (मानव संसाधन), आर. स्वामी, अनुभाग सहायक, डॉ. सीएच. अंबेडकर, वी कनका श्री महालक्ष्मीप, कनि. हिन्दी अनुवादक तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक एवं बी. विद्यासागर, अवर श्रेणी लिपिक ने महत्वदपूर्ण योगदान दिया।

विद्यार्थियों में वितरित किए खाद्य पदार्थ एवं भोजन पात्र

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्र महिला मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग व साथी हाथ बढ़ाना संस्था के राम गोपाल गुप्ता के नेतृत्व एवं संयुक्त तत्वावधान में प्रभात नगर, बोराबंडा स्थित प्राइमरी सरकारी विद्यालय में 300 विद्यार्थियों को भोजन के लिए प्लेट्स, ग्लास, मीठा, नमकीन देकर सहायता की गई।

यह जानकारी देते हुए अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि इस प्रकार के सेवा कार्यों में महिलाएं एवं पुरुष सहर्ष रूप से अपना सहयोग प्रदान करते हैं। इसकार्यक्रम में मुख्य सहयोग संतोष गर्ग, मंजू केजरीवाल, सरोज टिबरेवाल, मंत्राणी अंजू गोयल, कौशल्या सोनी, वंदना अग्रवाल, सुनीता आगरावाली, प्रभावती अग्रवाल साथ ही निरंजन पंसारी, मंजेश्वरि गुप्ता, गोविंद अग्रवाल, गणेश अग्रवाल, संतोष डालमिया, संजय पिंकी अग्रवाल, सरला अग्रवाल ने इस कार्य को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। विद्यालय के हेड मास्टर वेंकटेश्वर एवं मधुसूदन ने इस सेवा कार्य के लिए उपस्थित सदस्यों के प्रति आभारव्यक्त किया।

हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच की द्वितीय काव्य गोष्ठी सम्पन्न

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच द्वारा द्वितीय राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी का आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता हैदराबाद की सुप्रसिद्ध कवियत्री और समीक्षक सुनीता लुल्ला ने किया। कार्यक्रम का संचालन कवि एवं नासर बॉयज़ स्कूल गच्ची बावली हैदराबाद तेलंगाना के हिंदी अध्यापक उमेश चंद यादव ने किया। यह कार्यक्रम आनलाइन किया गया जिसकी मिटिंग आइडी आलोक वर्मा द्वारा प्रस्तुत की गई और तकनीकी सहयोग गंगा पचौरी जी एवं नीलेश जैन शिखा ने किया। अध्यक्ष की अनुमति से कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती वंदना से की गई। मुम्बई से अंजू पाण्डेय ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की। डॉ. इंद्रजीत सिंह द्वारा अध्यक्ष महोदया का परिचय दिया गया। इस कार्यक्रम में हैदराबाद की मशहूर कवियत्री गीता अग्रवाल ने भी भाग लिया और अपनी मधुर आवाज में रचना प्रस्तुत कर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच द्वारा आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी में हिंदुस्तान के अनेक राज्यों से साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया और अपनी रचनाएं प्रस्तुत कर सबका मन मोह लिया।हिंदी साहित्य सेवक परिवार मंच द्वारा आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी में काव्य पाठ करने वाले विद्वान उत्तर प्रदेश से विजय बहादुर तिवारी, सीतापुर से आचार्य, विशाल कुमार, हैदराबाद से गंगा पचौरी, नीलेश जैन, सुरेंद्र शर्मा, अंजू पाण्डेय, उमेश चंद यादव, शशि त्यागी, सौम्या तिवारी, रंजीता पाण्डेय, डॉ.शैलेश सिंह, डॉ. छाया भदौरिया, सीताराम मीढा, हैदराबाद से डॉ. इंद्रजीत सिंह, आलोक कुमार वर्मा आदि कवियों ने सभी को काव्य रस से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्ष सुनीता लुल्ला ने सभी का उत्साह बढ़या और इस गोष्ठी की तारीफ़ करते हुए कहा कि कविता का बीज हर मिट्टी में पनपता है और अपनी खुशबु से बगिया को महका देता है। हिंदी साहित्य सेवक परिवार के इस पहल की उन्होंने खूब सराहना किया और कहा कि आगे भी साहित्यिक कार्यक्रम करते रहें।

दमरे महाप्रबंधक अरुण जैन ने सुरक्षा सेमिनार में दिए कई अहम निर्देश

महाप्रबंधक ने विजयवाड़ा मंडल के प्रदर्शन की समीक्षा की

हैदराबाद/विजयवाड़ा, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को सुरक्षा सेमिनार की अध्यक्षता की और इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन ट्रेनिंग सेंटर (ईटीटीसी), सत्यनारायणपुरम, विजयवाड़ा में लोको पायलट प्रशिक्षुओं के साथ बातचीत की। उन्होंने रेलवे परिचालन में सुरक्षा के महत्व पर जोर दिया।दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने इस बात पर जोर दिया कि लोको पायलटों और फ्रंटलाइन स्टाफ की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है और वे एक बड़ी जिम्मेदारी निभाते हैं। उन्होंने नियमों के महत्व को भी बताया और कहा कि नियमों के पीछे सक्रिय रूप से दुर्घटनाओं को रोकने और सुचारू ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य को समझें। उन्होंने उनसे सुरक्षा को प्राथमिकता देने और अपने आराम के समय का उपयोग हमेशा आराम करने के लिए करने और शांत मन से ड्यूटी पर आने के लिए प्रोत्साहित किया। सुरक्षा सेमिनार में एससीआर जोन से लगभग 400 लोको पायलट प्रशिक्षुओं ने भाग लिया।

बाद में, अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर ने मंडल सम्मेलन हॉल, विजयवाड़ा में एक प्रदर्शन समीक्षा बैठक आयोजित की। मंडल रेलवे नरेंद्र ए. पाटिल ने मंडल में प्रगति के तहत विकासात्मक और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के बारे में जीएम एससीआर को जानकारी दी। अरुण कुमार जैन, जीएम ने लंबित विजयवाड़ा-गुदुर ट्रिपलिंग कार्यों में तेजी लाने, उत्तरी खंड में स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग और अनुभागीय क्षमता बढ़ाने के लिए विद्युतीकरण कार्यों, व्यस्त हावड़ा-चेन्नई कॉरिडोर में ट्रेन परिचालन का लाभ उठाने के लिए खंड को कम करने पर जोर दिया।

जीएम अरुण कुमार जैन ने ट्रेन संचालन में समय की पाबंदी, सुरक्षा और लोडिंग प्रदर्शन में सुधार पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को बिना किसी देरी या रेल परिचालन के सुचारू संचालन को प्रभावित किए बिना समय पर कार्यों को निष्पादित करने के लिए उचित योजना लागू करने की सलाह दी। महाप्रबंधक ने अधिकारियों को स्वस्थ परिचालन अनुपात प्राप्त करने के लिए आय बढ़ाने और व्यय को कम करने के तरीके और साधन तैयार करने और समय-समय पर और नियमित अपडेट के साथ सभी स्तरों पर रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण को लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने मंडलीय अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए बधाई दी और उन्हें यात्री आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के लिए उच्च सुरक्षा मानकों को बनाए रखने की सलाह दी।

सीएम चंद्रबाबू नायडू से दमरे महाप्रबंधक अरुण जैन ने की मुलाकात

अमरावती, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दमरे महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार दोपहर एपी सचिवालय अमरावती में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। इस मौके पर अरुण कुमार जैन ने दक्षिण मध्य रेलवे जोन द्वारा आंध्र प्रदेश में किए गए विभिन्न विकासात्मक कार्यों और परियोजनाओं के संबंध में मुख्यमंत्री को विस्तार से अवगत कराया। इस अवसर पर विजयवाड़ा मंडल के मंडल रेल प्रबंधक नरेंद्र ए. पाटिल, गुंटूर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक एम रामकृष्ण भी महाप्रबंधक के साथ मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बांटी पेंशन

विजयवाड़ा, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को यहां के निकट मंगलागिरी विधानसभा क्षेत्र के पेनुमाका गांव में तीन दैनिक वेतन भोगियों को व्यक्तिगत रूप से वित्तीय सहायता वितरित करके एनटीआर भरोसा पेंशन योजना का वितरण शुरू किया।आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश के साथ श्री नायडू सीधे पेनुमाका में इस्लावथ साई की झोपड़ी में गए और उन्हें, उनके पिता बनावथ पामुलनायक और उनकी पत्नी बनवथ सीता को पेंशन सौंपी। कुल 28 विभिन्न श्रेणियों के 65.31 लाख लाभार्थियों को सोमवार को वितरित की जा रही पेंशन की कुल राशि 4,408 करोड़ रुपये से अधिक है। कुल 1,20,097 सचिवालय कर्मचारियों को स्वयंसेवकों की सहायता से पेंशन वितरित करने का काम सौंपा गया है।

बाद में पेनुमाका स्थित मस्जिद केंद्र में प्रजा वेदिका को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों के जीवन को रोशन करना ही वास्तविक कल्याण है। श्री नायडू ने सभा में कहा, यह लोगों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने कहा कि नयी सरकार ने लोगों से किए गए वादों को पूरा करने की दिशा में पहले कदम के रूप में पेंशन वितरण योजना शुरू की है। तेदेपा संस्थापक स्वर्गीय एनटी रामाराव के दिए गए नारे कि को याद करते हुए श्री नायडू ने कहा कि उनकी सरकार इन प्रेरणादायक शब्दों का पालन करके काम करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, मेरा सपना गरीबी मुक्त समाज देखना है जिसमें कोई आर्थिक असंतुलन न हो। यह घोषणा करते हुए कि शारीरिक रूप से दिव्यांगों के लिए पेंशन को संशोधित कर 6 हजार रुपये प्रति माह कर दिया गया है, मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगों को प्रोत्साहित करना समाज का कर्तव्य है। मुख्यमंत्री ने कहा, हम जल्द ही शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने का काम शुरू करेंगे। अन्ना कैंटीन को भी जल्द ही पुनर्जीवित किया जाएगा और लोग सिर्फ पांच रुपये में खाना खा सकेंगे। श्री नायडू ने कहा कि युवाओं के कौशल को निखारने और उन्हें बेहतर रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए जल्द ही प्रशिक्षण दिया जाएगा।

तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद की साधारण सभा 18 जुलाई को

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद की वार्षिक साधारण सभा 18 जुलाई को दोपहर 2:00 बजे से तेरापंथ भवन डीवी कॉलोनी सिकंदराबाद में आयोजित की जाएगी।

मंत्री सुशीला मोदी ने बताया कि इस वार्षिक साधारण सभा में मंडल की सभी बहनों से आने का विनम्र अनुरोध है।

यह सभा, अध्यक्ष कविता आच्छा की अध्यक्षता में होगी।

तेरापंथ युवक परिषद हैदराबाद का शपथ ग्रहण सम्पन्न

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेरापंथ युवक परिषद 2024-25 हैदराबाद का शपथ ग्रहण आनंद जैन भवन में आचार्य महाश्रमण जी की सुशिष्या शासन श्री साध्वी श्री शिवमाला जी आदि ठाणा 4 के सानिध्य में संपन्न हुआ। आचार्य भगवंत प. पू. गुरुदेव श्री भावचंद्र जी स्वामी और कांकड़ सिंहनी प. पू. गुरुणी श्री रश्मिनाजी म.सा. के सुशिष्या साध्वी श्री भाविताजी म. सा.का इस कार्यक्रम में विशेष उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत भव्य विघ्नि निवारक समृद्धि कारक अनुष्ठान के साथ प्रारंभ हुआ। जैन संस्कार विधि से शपथ ग्रहण कार्यक्रम की शुरुआत हुई जिसमे जैन संस्कारक ललित लूनिया, राहुल गोलछा, जिनेन्द्र सेठिया एवं आशीष दक ने मंत्रोच्चार से कार्यक्रम को संपादित किया। निवर्तमान अध्यक्ष निर्मल दुगड़ ने चयनित अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा को शपथ ग्रहण करवाई। नव निर्वाचित अध्यक्ष अभिनंदन नाहटा ने पधाधिकारी गण एवं सम्पूर्ण कार्यकारणी को शपथ दिलाई और तेयुप के त्रिआयामी लक्ष्य सेवा संस्कार एवम संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों को इस कार्यकाल में संपादित करने की घोषणा कीमुख्य अतिथि के अशोक बरमेचा,विशिष्ठ अतिथि योगेश सिंघवी, हिमांशु बापना, नोरतन गुंदेचा, निर्मल सिंघवी, सुशील संचेती ने नव कार्यकारिणी को अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम में विभिन्न परिषदों के पदाधिकारियों के साथ अमृत कुमार आंचलिया, दिलीप डागा, बाबूलाल बैद, केवल चंद लुनावत, लक्ष्मीपत बैद, नवीन सुराना, नवनीत छाजेड़,प्रवीण श्यामसुखा, श्रवण कोठारी, प्रवीण लोढ़ा, अजीत कुंडलियां, दीपक सांखला, अभातेयुप सदस्य विशाल आंचलिया एवं कुलदीप कोठारी की विशेष उपस्तिथि रही। पदाधिकारी के रूप में मनीष पटावरी उपाध्यक्ष, विनय नाहटा उपाध्यक्ष, अनिल दुगड़ मंत्री, जिनेन्द्र सेठिया सहमंत्री, सौरभ भंडारीसहमंत्री, आशीष दक कोषाध्यक्ष एवं जिनेन्द्र बैद ने संगठन मंत्री के रूप में शपथ ली। भवन व्यवस्था में अरिहंत गुजरानी, किशोर मंडल के सदस्यों ने एवं भोजन व्यवस्था में आलोक नाहटा का विशेष सहयोग मिला। कार्यक्रम का संयोजन मनीष पटावरी ने किया।

सौरभ बंदोपाध्याय ने संभाला प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर का कार्यभार

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सौरभ बंदोपाध्याय, आईआरएसएसई ने सोमवार को दक्षिण मध्य रेलवे (दमरे) के प्रधान मुख्य सिग्नल और दूरसंचार इंजीनियर के रूप में कार्यभार संभाला। वह भारतीय रेलवे सिग्नल इंजीनियर्स सेवा के 1990 बैच के हैं।

सौरभ बंदोपाध्याय ने 1990 में प्रतिष्ठित मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल से इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग में अपनी डिग्री पूरी की और उसी वर्ष 21 वर्ष की आयु में पहले प्रयास में यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने 1991 में आईआईटी, दिल्ली से इंटीग्रेटेड सर्किट वीएलएसआई डिजाइन में एप्रिसिएशन कोर्स भी किया है। उन्होंने इनसीड सिंगापुर से प्रबंधन विकास कार्यक्रम और इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस, हैदराबाद से उन्नत प्रबंधन प्रशंसा और व्यवसाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया है। उन्होंने दुनिया भर में उत्पादन प्रबंधन और रेलवे संबंधित प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में देश और विदेश में विभिन्न महत्वपूर्ण सेमिनारों और सम्मेलनों में भी भाग लिया है।सौरभ बंदोपाध्याय रेलवे सिग्नलिंग टेक्नोलॉजी, आईटी सक्षम सेव-ाओं, मोबाइल रेडियो संचार, एससीएडीए, रिमोट कंट्रोल सिस्टम आदि में विशेषज्ञ हैं। उनकी वर्तमान पोस्टिंग एक महत्वपूर्ण समय पर आई है जब दक्षिण मध्य रेलवे कवच, एलटीई जैसी नई स्वदेशी रूप से विकसित सिग्नलिंग प्रौद्योगिकियों का नेतृत्व कर रहा है। उच्चतम रेल सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करने के लिए स्वचालित ब्लॉक सिग्नलिंग, केंद्रीकृत ट्रेन नियंत्रण प्रणाली आदि में अपने शानदार करियर के दौरान, सौरभ बंदोपद्य ने भारतीय रेलवे के 250 स्टेशनों पर आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम शुरू करने, 1500 किलोमीटर के दोहरीकरण और गेज परिवर्तन आदि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वह विशेष रूप से परिवहन बुनियादी ढांचे के सार्वजनिक नीति और नीति प्रबंधन के विशेषज्ञ भी हैं। श्री बंदोपाध्याय को भोपाल में रानी कमलापति के विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन को भारत के प्रधान मंत्री द्वारा समर्पित कराने का श्रेय दिया जाता है, जो भारतीय रेलवे पर पीपीपी मोड पर विकसित पहला स्टेशन है। उन्हें भोपाल में आवश्यक रखरखाव सुविधाओं का उपयोग करके भारत के प्रधान मंत्री द्वारा भोपाल से नई दिल्ली तक मध्य प्रदेश की पहली वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन करने का श्रेय भी दिया जाता है। तीन दशकों से अधिक के उनके करियर में उन्हें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के बिलासपुर डिवीजन में अतिरिक्त मंडल रेलवे प्रबंधक के रूप में महत्वपूर्ण कार्यभार भी संभाला। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे पर मुख्य सिग्नल इंजीनियर और पश्चिम रेलवे पर मुख्य संचार इंजीनियर के रूप में। दक्षिण मध्य रेलवे में शामिल होने से पहले, उन्होंने पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में मंडल रेल प्रबंधक के रूप में काम किया है।

जन सेवा संघ मल्काजगिरी की क्षेत्रीय बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे के अनुसार जन सेवा संघ नार्थ जोन के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में संचालन समिति के संयोजक मदन लाल रावल एवं नार्थ जोन के संभागीय अध्यक्ष राधे श्याम राय यादव की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें जन सेवा संघ के महासचिव राजीव चौबे उपस्थित हुए। बैठक के दौरान संस्था को अधिक मजबूत बनाने के लिए एवं सदस्य संख्या बढ़ाने, सदस्यता नवीनीकरण करने पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से कालू सिंह को मल्काजगिरी क्षेत्र का क्षेत्रीय अध्यक्ष चुना गया साथ ही मल्काजगिरी क्षेत्रीय समिति का पुनर्गठन किया गया जिसमें उपाध्यक्ष श्याम मोहन यादव, सचिव बस्ती राम, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश चौधरी जाट, मीडिया प्रभारी उत्तम चौधरी, कार्यकारिणी सदस्यों में लूना राम पालीवाल, भवरलाल भाटी, मिश्री लाल पालीवाल, कुमाराम चौधरी, त्रिलोक राम जाट, राम सिंह जाट, बी आर पटेल, लालचंद को मनोनीत किया गया।

आखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा के अध्यक्ष किशन लाल के साथ महासभा के पदाधिकारियों ने हैदराबाद जीएचएमसी की नई कमिश्नर आम्रपाली से एक शिष्टाचार भेंट वार्ता की जिसमें समाज के कई विषयों पर चर्चा की गई। सभा के अध्यक्ष ने पुष्प गुच्छ देकर कमिश्नर का सम्मान किया। इस अवसर उपाध्यक्ष राजेंद्र, हैदराबाद के अध्यक्ष दीपक चिंडालिया, टी रमेश, सुनील कुमार आदि मौजूद रहे।

कौशलदास श्री रामदास सेवक दास मठ के नए महंत घोषित

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। महंत मोहनदासजी महाराज ने अपना उत्सव मंगल एवं संत भंडारा आयोजित कर अपना उत्तराधिकारी शिष्यपुत्र कौशलदास पुत्र वैष्णव को अपना सर्वाधिकारी मठ का महंत घोषित कियाइस पुण्य अवसर पर वैष्णव संत समाज संघ भाग्यनगर हैदराबाद की समस्त कार्यकारिणी अध्यक्ष महंत विष्णुदासजी महाराज, जनरल सेक्रटरी महंत मनुदासजी, महंत कुन्देय्यादासजी, महंत जगन्नाथादासजी, मठाधिपती महंत अमृतदासजी, उदासीन मठ, अरबणदास, महंत अमितश्रहा, महंत ठाकुरदास, महंत सुरेद्रदास, महंत सत्यनारायणदासज कोतवाल, चेतनागिरी दर्शनदास, महंत नरसिंग दासजी मंहत राजुदासजी, चंद्रशेखरंदास वैष्णव सहित सैकड़ो साधुसंत आचार्य महंतीने वैष्णवपरंपरा की मान्य परंपरा से कंठी चादर तिलक गादी पूजन किया। इस अवसर समाजसेवी कमलनारायण राठीजी, राधेश्याम राठी, कैलास काबराजी, विष्णुकांत राठी, भगवान सारडा, रजिंद्र मालानी, पवन भराडिया, रघुनंदन काबरा, विजय काबरा, सविरखी राठी,, विठ्ठल मालगुवार सहित अनेक धर्मप्रेमी भक्तों ने कार्यक्रम मे भाग लिया। रामदास सेवकदास मठ के महंत मोहनदास महाराज ने सभी भक्तो आचार्य महंतो का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया।

बाल श्रम करवाने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ होगी कड़ी कार्रवाई

कुमरमभीम/ आसिफाबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जिले के सभी विभागों के साथ समन्वय बैठक में ऑपरेशन मुस्कान चलाया गया। इस अवसर पर एडिशनल एसपी एडमिन प्रभाकर राव ने कहा कि जिले में बाल श्रम प्रथा को खत्म करने के लिए आसिफाबाद और कागजनगर उपमंडल में पुलिस और बाल संरक्षण अधिकारियों के साथ दो टीमों का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि बाल श्रमिकों से काम लेने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ मामले दर्ज किये जायेंगे और उचित कानूनी कार्रवाई की जायेगी। इस अवसर पर सभी विभागों के अधिकारी भी समर्पण भाव से कार्य करते हुए बाल श्रम प्रथा को समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करें। इस कार्यक्रम में जिला कल्याण पदाधिकारी डॉ. भास्कर, सीडब्ल्यूसी सदस्य समीरुल्लाह खान, दशरथ, प्रभारी डीईओ उदय बाबू, डीसीपीओ महेश, डीसीआरबी इंस्पेक्टर रमेश और आसिफाबाद, कागजनगर टीम के सभी सदस्यों ने भाग लिया।

भूख हड़ताल पर बैठे छात्र नेता से मिलने पहुंचे बीआरएस विधायक समेत पार्टी के कई नेता गिरफ्तार

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के जनगांव से भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक पल्ला राजेश्वर रेड्डी और पार्टी के अन्य नेताओं को सोमवार को यहां उस समय गिरफ्तार कर लिया गया, जब वे बेरोजगारों की मांगों को लेकर गांधी अस्पताल में आंदोलन कर रहे उस्मानिया विश्वविद्यालय बेरोजगार संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के नेता मोतीलाल नायक को सांत्वना देने जा रहे थे। श्री रेड्डी और पार्टी नेताओं को गिरफ्तारी के बाद बोलराम थाने ले जाया गया। सिद्दीपेट से बीआरएस के विधायक एवं पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने पल्ला श्री रेड्डी और पार्टी नेताओं की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा की। उन्होंने मुद्दों को हल करने के बजाय नेताओं को गिरफ्तार करने के लिए सरकार की आलोचना की और कार्रवाई को अलोकतांत्रिक बताया। श्री राव ने गिरफ्तार नेताओं की तत्काल रिहाई की मांग की और सरकार से बेरोजगारों की समस्याओं का समाधान करने का आग्रह किया।

बताते चलें कि मोतीलाल नाइक राज्य सरकार से बेरोजगारों को दिए गए आश्वासनों को पूरा करने की मांग को लेकर भूख हड़ताल पर हैं। बीआरएस विधायक की गिरफ्तारी से गांधी अस्पताल में तनाव व्याप्त हो गया क्योंकि बीआरएस नेता और विभिन्न छात्र समूहों के सदस्य उस्मानिया विश्वविद्यालय संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) के नेता मोतीलाल नाइक से मिलने के लिए वहां पहुंचे, जो पिछले आठ दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के विधायक राजेश्वर रेड्डी, ए. राकेश रेड्डी और अन्य नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उन्हें विभिन्न पुलिस स्टेशनों में स्थानांतरित कर दिया गया। राजेश्वर रेड्डी ने मीडियाकर्मियों से बताया कि पुलिस ने उन्हें, राकेश रेड्डी और अन्य को जबरन हिरासत में ले लिया और पुलिस वाहनों में ले गए।

बीआरएस नेताओं ने पुलिस कार्रवाई पर कड़ी आपत्ति जताई और पूछा कि क्या यही कांग्रेस सरकार का जनता का शासन है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस बीच, छात्र नेताओं के एक समूह ने अस्पताल में घुसने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया और गिरफ्तार कर लिया। बेरोजगार युवा और नौकरी के इच्छुक लोग नाइक के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए पिछले कुछ दिनों से अस्पताल में एकत्र हो रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में बीआरएस और बीजेपी के नेताओं ने भी नाइक से मुलाकात कर उनकी मांगों का समर्थन किया है। बीआरएस नेता और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने रविवार को नाइक से मुलाकात की थी और उनसे हड़ताल खत्म करने की अपील की थी। बीआरएस नेता ने कांग्रेस पार्टी को सत्ता में आने के बाद पहले साल में दो लाख नौकरियां देने के उसके वादे की याद दिलाई और पूछा कि वह सात महीने बाद भी भर्ती के लिए एक भी अधिसूचना जारी करने में क्यों विफल रही।

इस बीच, मोतीलाल नाइक के समर्थन में उस्मानिया विश्वविद्यालय में भी छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आर्ट्स कॉलेज में धरना दिया। उनका आरोप है कि विधानसभा चुनाव के दौरान ग्रुप-2 और 3 के पद बढ़ाने सहित कई वादे करने के बाद सरकार ने उन्हें धोखा दिया।उन्होंने कांग्रेस सरकार से अपने चुनावी वादों को तुरंत पूरा करने की मांग की, जिसमें ग्रुप-ख मुख्य परीक्षा के लिए 1:100 के अनुपात में उम्मीदवारों का चयन और ग्रुप-ख और खख पदों में वृद्धि शामिल है। वे चाहते हैं कि सरकार ग्रुप-2 में 2,000 नौकरियां और ग्रुप-3 में 3,000 नौकरियां जोड़ने का वादा निभाए और परीक्षाओं के बीच दो महीने का अंतर सुनिश्चित करे। बेरोजगार और छात्र रिक्त पदों की पहचान कर नियमित रूप से जॉब कैलेंडर जारी करने की मांग कर रहे हैं। वे यह भी चाहते थे कि राज्य सरकार 25,000 शिक्षकों की नियुक्ति के लिए एक मेगा डीएससी अधिसूचना जारी करे।

कैबिनेट विस्तार की चर्चा के मध्य सीएम रेवंत ने राज्यपाल से की मुलाकात

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने आसन्न मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के बीच सोमवार को राज्यपाल सी. पी. राधाकृष्णन से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने राजभवन में राधाकृष्णन से मुलाकात की। अगले कुछ दिनों में संभावित मंत्रिमंडल विस्तार के मद्देनजर यह बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। मुख्यमंत्री ने पिछले सप्ताह दिल्ली का दौरा किया था और कांग्रेस के शीर्ष नेताओं के साथ मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा की थी।

बताया जा रहा है कि पांच से छह मंत्रियों के नाम फाइनल कर लिए गए हैं। मंत्रिमंडल में शामिल होने के कई इच्छुक छह महीने से मंत्रिमंडल विस्तार का इंतजार कर रहे हैं।

रेवंत रेड्डी और उनके 11 कैबिनेट सहयोगियों ने 7 दिसंबर, 2023 को शपथ ली थी। राज्य में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं। समझा जाता है कि मुख्यमंत्री ने राज्यपाल को आगामी बजट सत्र में विधानसभा में पेश किये जाने वाले विधेयकों के बारे में भी जानकारी दी। कथित तौर पर मनोनीत एमएलसी के मुद्दों पर भी चर्चा हुई। बताते चलें कि मार्च में, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने गुरुवार को राज्यपाल कोटे के तहत तेलंगाना राज्य विधान परिषद के सदस्यों के रूप में एम कोडंदरम और आमेर अली खान के नामांकन को रद्द कर दिया था।

उच्च न्यायालय ने 19 सितंबर, 2023 के राज्यपाल के आदेश को भी रद्द कर दिया, जिसमें बीआरएस नेता श्रवण दासोजू और के. सत्यनारायण के नामांकन को खारिज कर दिया गया था। तत्कालीन राज्यपाल तमिलिसाई सौंदरराजन ने राज्यपाल कोटे के तहत श्रवण दासोजू और सत्यनारायण के नामांकन को खारिज कर दिया था। राज्यपाल के आदेश को चुनौती देते हुए बीआरएस नेताओं ने हाई कोर्ट में रिट याचिका दायर की थी। हाई कोर्ट के आदेश के बाद उन्होंने राज्यपाल से उन्हें एमएलसी नियुक्त करने की अपील की।

रायतू बंधु योजना पर स्वीकार किए गए किसानों के विचार

जगतियाल, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रायतू बंधु (भरोसा) योजना पर किसानों के विचार स्वीकार किए गए। जगतियाल जिले कोरुटला चुनाव क्षेत्र के एकिनपुर गांव की बुनियादी कृषि सहकारी समिति में तेलंगाना राज्य सरकार द्वारा घोषित रायथु बंधु (भरोसा) योजना पर किसानों की राय का संग्रह करने के लिए एक विशेष आम सभा की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक के लिए सहकारी समितियों के डीसीओ प्राथमिक हैं। एम सत्यनारायण, सहभागी रायथु भरोसा योजना के तहत लोगों को कितनी जमीन दी जानी चाहिए? उन्होंने किसानों की राय पूछी। किसानों ने डीसीओ से कहा कि अधिकांश किसानों को 10 एकड़ से कम जमीन दें तथा टीला, उद्यम व बंजर भूमि न दें। सहायक रजिस्ट्रार ए. मल्लारेड्डी, अकिन पुअर पैक्स के अध्यक्ष सिंगीरेड्डी नरसारेड्डी, निदेशक पी. नरसारेड्डी, के. मोहन रेड्डी, के. गंगारेड्डी, एस. श्रीनिवास, एम. राजम, वी. सागर बैंक स्टाफ एवं किसानों ने भाग लिया।

मंत्री सीताक्का ने रामलिंगमपल्ली-श्याम नाइक तांडा पुल का किया उद्घाटन

उटनूर, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य की पंचायत राज और महिला बाल कल्याण मंत्री सीताक्का ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार राज्य के विकास के उद्देश्य से आदिलाबाद जिले के उटनूर मंडल के रामलिंगमपल्ली गांव से टरमैक सड़क जारी रखेगी।

श्याम नाइक तांडा के लिए 3 करोड़ 75 लाख रुपए की लागत से बनाए गए पुल का उद्घाटन सोमवार को खानपुर विधायक वेदमा बोज्जू और कांग्रेस पार्टी के संसदीय नेता अत्रम सुगुनक्का के साथ किया गया। मंत्री सीताक्का ने कहा कि हर गांव तक सड़क सुविधा पहुंचाई जाएगी ताकि एजेंसी के तहत आने वाले आदिवासी गांवों के लोगों को कोई परेशानी न हो। इससे पहले जिले के अधिकारियों ने मंत्री सीताक्का का जोरदार स्वागत किया। इस कार्यक्रम में जिला प्रशासक राजर्षि शाह, एसपी गौस आलम, आईटीडीए पीओ खुशबू गुप्ता समेत अन्य लोग शामिल हुए।

डबल बेडरूम घरों के लिए विधायक संजय ने डिप्टी सीएम भट्टी को सौंपा ज्ञापन

जगतियाल, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल विधायक डॉ. संजय कुमार ने तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क से डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के सचिवालय स्थित उनके कार्यालय में मुलाकात की और नुक्कापल्ली में डबल बेडरूम घरों के बिजली कार्यों के लिए धन देने के लिए एक याचिका सौंपी। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि जगतियाल शहर के कमजोर, अल्पसंख्यक, एससी/ एसटी, बीसी, ओसी समुदायों के गरीब लोगों के लिए नुक्कापल्ली गांव में 4520 घरों वाली एक कॉलोनी का निर्माण किया गया है। इसमें अब तक 3720 घरों का निर्माण कर के गरीब के परिवार को सौपा भी गया है। 800 से अधिक आवास निर्माण के आखिरी चरण में पहुंच चुके हैं। इतनी बड़ी कॉलोनी में लोगों के आवास के लिए हितग्राहियों को सुविधाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है कि वे सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए धनराशि स्वीकृत कर सकें। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ने धनराशि स्वीकृत करने पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। और इससे इस कालोनी के परिवारों में एक आशा जगी है।

कुमरमभीम आसिफाबाद और जगतियाल में 30 पुलिस अधिनियम 1861 लागू

जगतियाल/कुमरमभीम आसिफाबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरम भीम आसिफाबाद के पुलिस अधीक्षक डीवी श्रीनिवास राव और जगतियाल के एसपी अशोक कुमार ने बताया कि दोनों जिले में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए 01 जुलाई से 31 जुलाई तक पूरे जिले में 30 पुलिस अधिनियम 1861 लागू किया गया है।

चूंकि 30 पुलिस अधिनियम 1861 लागू है, इसलिए जिले में कोई भी सार्वजनिक बैठक, जुलूस या धरना उपमंडल पुलिस अधिकारी या उच्च पुलिस अधिकारियों की अनुमति के बिना आयोजित नहीं किया जाएगा।

साथ ही प्रतिबंधित हथियार जैसे चाकू, छुरी, लाठी, झंडे की छड़ें, डंडे, बंदूकें, विस्फोटक और अपराध के लिए उकसाने वाले किसी भी हथियार का उपयोग नहीं किया जाएगा। सार्वजनिक उपद्रव और झुंझलाहट पैदा करने वाली सार्वजनिक बैठकों और भीड़भाड़ पर रोक है। पत्थरों का ढेर लगाना और उन्हें लेकर घूमना वर्जित है। इस समय लाउड स्पीकर और डीजे पर भी प्रतिबंध है। एसपी ने कहा कि जो भी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ 30 पुलिस एक्ट 1861 के तहत कार्रवाई की जायेगी।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 74,000/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 90,630/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

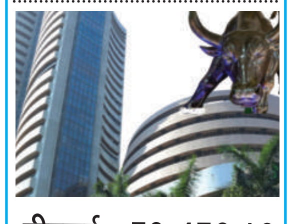

बीएसई : 79,476.19 +443.46 +0.56% ↑

एनएसई :24,141.95 131.35 (0.55%) ↑

चरमरा चुकी है सरकारी चिकित्सा व्यवस्था : हरीश बाबू

कागजनगर, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद शहर के लकड़ीकापुल स्थित एक होटल में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की तेलंगाना शाखा के तत्वावधान में डॉक्टर दिवस समारोह का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए विधायक डॉ. पलवई हरीश बाबू ने कहा कि सरकार की चिकित्सा व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है और इसे दुरुस्त करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि वे जल्द ही आईएमए के तत्वावधान में मुख्यमंत्री से मिलेंगे और उचित सुझाव देंगे। उन्होंने यह भी बताया कि निम्स, उस्मानिया और गांधी अस्पतालों को मजबूत करने की जरूरत है जो सरकारी रेफरल अस्पताल हैं। इस कार्यक्रम में वारंगल के सांसद डॉ. काद्यम काव्या, कोरुटला विधायक डॉ. कल्वाकुंतला संजय, नारायणपेट विधायक डॉ. पर्णिका रेड्डी, आईएमए तेलंगाना शाखा के अध्यक्ष डॉ. काली प्रसाद और अन्य ने भाग लिया।

तेलंगाना हाईकोर्ट ने की केसीआर की याचिका खारिज

हैदराबाद, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने सोमवार को बिजली क्षेत्र में कथित अनियमितताओं में जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित न्यायिक आयोग की वैधता पर सवाल उठाने वाली भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव (केसीआर) की याचिका खारिज कर दी।

अदालत ने पिछली सरकार के फैसलों की जांच की जरूरत को सही ठहराने वाले सरकार के तर्क से सहमत होकर केसीआर द्वारा दायर याचिका खारिज कर दी।

उल्लेखनीय है कि तेलंगाना सरकार ने यदाद्री और भद्राद्री ताप विद्युत स्टेशनों के निर्माण में अनियमितताओं के आरोपों के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के साथ बिजली खरीद समझौतों की जांच के लिए इस साल 14 मार्च को न्यायमूर्ति एल नरसिम्हा रेड्डी की अध्यक्षता में एक आयोग नियुक्त किया था।

मकान ढहने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

नागरकुर्नूल, 01 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के नागरकुर्नूल जिले के वानापतला गांव में सोमवार तड़के एक पुरानी मिट्टी की इमारत गिरने से एक ही परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई जिसमें मां और तीन बच्चे शामिल हैं जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।पुलिस के अनुसार, परिवार में माता, पिता, दो बेटियां और एक बेटा शामिल हैं, जो अपनी मिट्टी की इमारत में सो रहे थे। भारी बारिश के कारण लगभग तीन बजे सुबह घर का पुराना ढांचा उन पर गिर गया। मां, दो बेटियों और बेटे की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल पिता भास्कर (28) को इलाज के लिए नगरकुर्नूल के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME

I, GEETA BAI NAGLA W/o. N Mangilal, R.O. H.No.14-4-335, Begum Bazar, Nampally, Hyderabad (TS) do hereby state that my name **GEETA BAI NAGLA** and **GEETA BAI** is one and the same. vide affidavit dt. 01.07.2024 before CH. Venkateshwara Rao, Advocate and Notary. Hyd.

CHANGE OF NAME

I, NAGLA MANGILAL s/o. Nathmal Nagla, R.O. H.No.14-4-335, Begum Bazar, Nampally, Hyderabad (TS) do hereby state that my **NAGLA MANGILAL** and **MANGILAL** is one and the same. vide affidavit dt. 01.07.2024 before CH. Venkateshwara Rao, Advocate and Notary. Hyd.

CHANGE OF NAME

I, Rajeswari W/o Gosula Ramanaiah R/o H.No. 3-2-117/R/302, Turkapally, Bolaram, Sec-bad, T.S. 500010 have changed my name from **RAJESWARI** to **GOSULA RAJESHWARI**, vide affidavit dt.20-6- 2024. Before Sec-bad court

CHANGE OF NAME

I, Radha BAI Legally Mother of Service No :- 14829349X, Rank :- NK/MT, Name : - PRAMOD KUMAR SEN UNIT :- 554 ASCBN, C/O 56APO, H.No :-12, gangore colony, BARWAHA, KHARGONE, BARWAHA, Madhya Pradesh, PIN:- 451115 Changed my name from **RADHA BAI SEN** to **RADHA BAI** Mother of NK/MT PRAMOD KUMAR SEN Aadhar card No :- 3964 1540 2730.Affidavit Signed by Advocate and NOTARY P. Raveendranath B.Com.B.L. ON 01/07/24

CHANGE OF NAME

I, KISHORE SEN Legally Father of Service No :- 14829349X, Rank :- NK/MT, Name : PRAMOD Kumar SEN, UNIT :- 554 ASC BN, C/O 56APO, H.No :12, gangore colony, BARWAHA, KHARGONE, BARWAHA, MADHYA pradesh, PIN: 451115 Changed my Name from **KISHORE KUMAR SEN** to **KISHORE SEN** Father Of NK/MT pramod kumar sen Andhar Card No:- 4789 3203 7878 Affidavit Signed by Advocate and NOTARY P.Raveendranath B.com B.L. ON 01/07/24

TG RERA APPROVED

Telangana Real Estate Regulatory Authority (TG RERA) is granted certificate under section 5 to the following project.

Pushpa Residency-1 (Regn. No. P02200008353) | Pushpa Residency-2 (Regn. No. P02200008349)

PUSHPA RESIDENCY-1

Quality Living Starts Here

Ready to occupy @ Thumkunta <<SHAMIRPET

TYPICAL FLOOR PLAN

- 2 Bhk
- Parking 2 wheeler & 4 Wheeler
- 100% Vaastu

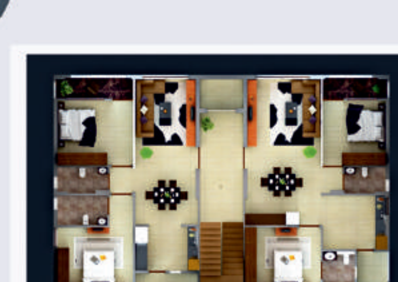

SCAN FOR
SITE LOCATION

Everyone love to live in a beautiful & luxurious home where elders are happy & children grow up in a healthy environment. To experience the comfort of a spacious flat in a good neighbourhood, where fresh air & abundant water & the blissful silence of environment invites your family to live in comfort. Pushpa Residency is a prestigious project by Basai Group who have executed several successful projects. Their strength in the construction field can be gauged by the quality and dedication they bring to every project. we work hard to ensure customer satisfaction ... So why to wait now we provide you the luxurious flat in Thumkunta, Shamirpet .

FOR DETAILS

+91 77991 23471
94901 18708

Email : pushparesidency1@gmail.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.